RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:239। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (मंगलवार) 21 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

भारत-दक्षिण कोरिया 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जायेंगे

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने नई दिल्ली में सार्थक और व्यापक बातचीत की

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक और आर्थिक सहयोग को नई दिशा मिली है। भारत और दक्षिण कोरिया आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को अधिक प्रगाढ़ करते हुए आपसी व्यापार को 2030 तक 50 अरब डॉलर तक ले जाने को लेकर समहत हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने नई दिल्ली में सार्थक और व्यापक बातचीत की। बातचीत के बाद दोनों नेता कई समझौतों और व्यवस्था के आदान-प्रदान के साक्षी बने। वार्ता में दोनों नेताओं ने भारत-दक्षिण कोरिया विशेष रणनीतिक साझेदारी में हुई कुल प्रगति की समीक्षा की और व्यापार, वित्तीय सेवाओं, जहाज़ निर्माण, एआई, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण और उभरती तकनीकों, रक्षा और सुरक्षा, साथ ही लोगों के बीच और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने आपसी

हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार 'भारत-दक्षिण कोरिया स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के तहत संयुक्त दृष्टि पत्र, शिपबिल्डिंग, समुद्री लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास पर अहम समझौते हुए। साथ ही, व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को उन्नत करने के लिए वार्ता फिर शुरू करने की घोषणा की गई। दोनों देशों ने पोर्ट्स, स्टील सप्लाई चेन, एमएसएमई, विज्ञान-प्रौद्योगिकी और डिजिटल ब्रिज जैसे क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। वित्तीय सहयोग के तहत एनपीसीआई और कोरियाई संस्थान के बीच भुगतान प्रणाली को लेकर समझौता हुआ। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन, पेरिस समझौते के तहत सहयोग और पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी गई। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (2026-2030), खेल और रचनात्मक उद्योगों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा संवाद शुरू करने, इंडो-पैसिफिक पहल में कोरिया की भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल होने जैसे कदमों की घोषणा की। वर्ष 2028-29 को भारत-कोरिया मैत्री वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय भी लिया गया।

- विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्वी क्षेत्र) पी. कुमारन ने दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग की भारत यात्रा के संबंध में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ली ने हैदराबाद हाउस में सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूपों में व्यापक और सार्थक चर्चा की।
- कुमारन ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि खाड़ी संकट के मुद्दे पर समस्या के समाधान को लेकर कोई विशेष चर्चा नहीं हुई। चर्चा खाड़ी संकट के प्रभावों को समझने और खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, रसायन बाज़ार, ईंधन बाज़ार और उर्वरक बाज़ार में होने वाली बाधाओं के संदर्भ में प्रभावों से कैसे निपटा जाए—इस पर केंद्रित थी।
- उन्होंने कहा, 'भारत प्राचीन और समकालीन, दोनों तरह की कहानियों का खज़ाना है, जिन पर गेम्स बनाए जा सकते हैं। इनमें कोरियाई टेक्नोलॉजी और स्पेशल इफ़ेक्ट्स की क्षमताओं का लाभ उठाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने दक्षिण कोरिया को 'वेव्स' इवेंट के अगले संस्करण में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया।'

2009 में योगी आदित्यनाथ ने महिला आरक्षण बिल का किया था विरोध, नारी शक्ति से माफी मांगें: सुप्रिया श्रीनेत

एजेंसी

बेंगलुरू। उत्तर प्रदेश में विशेष विधानसभा सत्र बुलाकर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की खबरों के बीच कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले सीएम योगी को महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। आईएएनएस से बातचीत में सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि 2009 में योगी आदित्यनाथ ने महिला आरक्षण का विरोध किया था। इसके लिए सबसे पहले मुख्यमंत्री हाथ जोड़कर आधी आबादी, नारी शक्ति से माफी मांगें। उत्तर प्रदेश में विशेष सत्र जरूर बुलाया जाना चाहिए। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि हाथरस, लखीमपुर, आईआईटी बीएचयू में हुई घटनाएं, प्रदेश में जिस तरह महिलाओं की असुरक्षा है, भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह से जुड़े मामले में हमारी सबसे सम्मानित एथलीटों को भी कैसे परेशान किया गया, इन विषयों पर विशेष सत्र के दौरान चर्चा हो कि कैसे आप आंखें बंद करके बैठे थे और महिलाओं के साथ अपराध करने वालों के साथ खड़े रहे।

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन

डिजिटल षड्यंत्र और सच की पड़ताल

महानगर मेट्रो का सनसनीखेज खुलासा

'ऑपरेशन गद्दार': आस्था के नाम पर 2.5 करोड़ का 'डेथ वारंट' लिखने वाली त्रिमूर्ति का पर्दाफाश!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

सूरत। भक्ति, शक्ति और शांति के प्रतीक 'श्री अभय पार्श्वनाथ जिनालय' को ढाल बनाकर वसूली का एक ऐसा 'सिंडिकेट' सक्रिय हुआ है, जिसने अंडरवर्ल्ड के पुराने तौर-तरीकों को भी पीछे छोड़ दिया है। हार्दिक हुड़िया, जगत पारेख और विक्रम बाफना—ये वो तीन नाम हैं जो आज जैन समाज की आंखों में किरकिरी बन चुके हैं। यह सिर्फ एक मंदिर निर्माण का विवाद नहीं है, यह 'डिजिटल टेररिज्म' है। जब मुनि भगवंतों के संयम को 'हनीट्रैप' के जरिए तोड़ने की कोशिश नाकाम रही, तो इन 'सफेदपोश अपराधियों' ने अपना असली रंग दिखाया और सीधे 2.5 करोड़ रुपये की फिरौती मांग डाली।

साजिश के तीन मोहरे: किसका क्या है काम?

अंदर की खबर: चर्चा है कि सूरत की एक महिला पत्रकार इस गैंग की 'पीआर मैनेजर' बनी हुई है, जो कलम की आड़ में अपराधियों का कवच बन रही है।

SMC को 'रिमोट कंट्रोल' से चलाने की कोशिश!

हैरानी की बात यह है कि जिस जिनालय की जमीन वैध है, उसके खिलाफ सूरत नगर निगम के अधिकारियों को 'हथियार' की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है।

गंदा खेल: हर 15 मिनट में अधिकारियों को फोन कर दबाव बनाना।

झूठ का जाल: निर्माण को अवैध बताकर बार-बार रुकवाने की कोशिश।

सच: जिनालय संघ की निजी जमीन पर है, फिर ये 'बाहरी लोग' बीच में क्यों कूद रहे हैं?

ग्रुप एडिटर पवन माकन की 'गर्जना'

'प्रेस की आजादी का मतलब यह नहीं कि कोई अपराधी मीडिया को डरा ले। हुड़िया और उसके साथी जान लें—तुम्हारी हर चाल पर हमारी नजर है। तुम जितना दबाने की कोशिश करोगे, हम उतना ही सच चिल्लाकर बोलेंगे। ये 'महानगर मेट्रो' है, यहाँ सौदेबाजी नहीं, सिर्फ और सिर्फ सच बिकता है!

प्रशासन के लिए 'रेड अलर्ट': अब कार्रवाई नहीं तो कब?

यह मामला गुजरात की कानून-व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती है।

1. कॉल रिकॉर्ड्स की जब्ती: पुलिस तुरंत इन तीनों और महिला पत्रकार के कॉल रिकॉर्ड्स खंगाले; करोड़ों की फिरौती के सारे सबूत मिल जाएंगे।
2. 2027 की सियासी साजिश: क्या यह गैंग चुनाव से पहले जैन समाज को भड़काकर सरकार की छवि खराब करना चाहती है? इसकी गंभीरता से जांच हो।
3. SMC को हिदायत: अपराधियों के दबाव में आकर किसी भी धार्मिक निर्माण पर कार्रवाई करना आग से खेलने जैसा होगा।

महानगर मेट्रो का संकल्प:

'जिनालय की एक ईंट पर भी आंच आई, तो अपराधियों के महलों की नींव हिला देंगे।' हम इस लड़ाई को तब तक लड़ेंगे, जब तक मुनि भगवंतों का अपमान करने वाले ये 'डिजिटल डकैत' साबरमती जेल की सलाखों के पीछे नहीं पहुँच जाते।

महानगर मेट्रो (SIT)

सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं!

अच्छी सड़क और बेहतर रेल बनेगी विकसित भारत का आधार : राष्ट्रपति

'विकसित भारत' के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है : द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का कहना है कि रेल व सड़कें केवल परिवहन के साधन ही नहीं हैं बल्कि आर्थिक राष्ट्रों की नींव हैं।

बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) का विकास आर्थिक विस्तार, सामाजिक समावेशन और राष्ट्रीय एकता के लिए महत्वपूर्ण उपकरण हैं।

राष्ट्रपति भवन में भारतीय रेल के प्रोबेशनरी अधिकारियों तथा केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के सहायक कार्यपालक अभियंताओं से भेंट के दौरान यह बात कही। राष्ट्रपति से मिलने के लिए भारतीय रेल के 2022 और 2023 के अधिकारी जबकि केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के 2021, 2022, 2023 और 2024 बैच) के सहायक कार्यपालक अभियंता निर्मंत्रित किए गए थे।

राष्ट्रपति ने इन अधिकारियों से कहा कि वे ऐसे समय में सार्वजनिक सेवा में आए हैं जब देश 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रपति मंगलवार को ओडिशा दौरे पर, राउरकेला में कई परियोजनाओं का करेंगी उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मंगलवार को ओडिशा के दौरे पर जाएंगी। अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान वह राउरकेला में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, राष्ट्रपति राउरकेला में एक तारामंडल और विज्ञान केंद्र का उद्घाटन करेंगी। इसके साथ ही वह 'निर्मल मुंडा परिवेश पथ' का भी लोकार्पण करेंगी। दौरे के दौरान राष्ट्रपति राउरकेला में एक जनजातीय संग्रहालय और एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र का भी उद्घाटन करेंगी।

पश्चिम बंगाल के लोगों ने ममता बनर्जी को विदाई देने का मन बना लिया है: जेपी नड्डा

मैं पूरे बंगाल में जो उत्साह देख रहा हूं : जेपी नड्डा

एजेंसी

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए सोमवार को केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा मुर्शिदाबाद पहुंचे। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सत्ता से हटाने का मन बना लिया है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं पूरे बंगाल में जो उत्साह देख रहा हूं, उससे साफ है कि लोगों ने ममता दीदी को अलविदा कहने का फैसला कर लिया है। नड्डा ने यह भी दावा किया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में रुझान बढ़ रहा है और लोग भ्रष्टाचार और परेशानियों से परेशान हैं। लोग डर के माहौल में जी रहे हैं। उन्हें 4 मई को कमल खिलने में उम्मीद नजर आ रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच है। यह चुनाव बेहतर शासन के वादों पर आधारित एक कड़ा राजनीतिक मुकाबला माना जा रहा है। इस बार

पश्चिम बंगाल में सभी 294 सीटों पर केवल दो चरणों में मतदान होगा। पहला चरण 23 अप्रैल को और दूसरा चरण 29 अप्रैल को होगा। वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी। पहले चरण में 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान होगा, जबकि बाकी 7 जिलों की 142 सीटों पर दूसरे चरण में वोट डाले जाएंगे।

चुनाव आयोग ने सुरक्षा के लिए बड़े इंतजाम किए हैं। करीब 2.4 लाख केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी, जो किसी एक राज्य में अब तक की सबसे बड़ी तैनाती मानी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, मतदान के बाद भी सुरक्षा बल तैनात रहेंगे ताकि ईवीएम, स्ट्रॉन्ग रूम और मतगणना केंद्र सुरक्षित रहें।

पहले चरण के प्रचार के खत्म होने में अब केवल दो दिन बचे हैं, इसलिए सभी पार्टियां मतदाताओं को लुभाने के लिए जोर-शोर से प्रचार कर रही हैं।

विपक्ष ने केवल परिसीमन विधेयक का विरोध किया था : मल्लिकार्जुन खरगे

• महिला आरक्षण का नहीं : मल्लिकार्जुन खरगे

एजेंसी

कोलकाता। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि महिलाओं को विधानसभाओं और संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले संविधान संशोधन विधेयक को स्वयं प्रधानमंत्री ने खत्म किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने केवल परिसीमन विधेयक का विरोध किया था, महिला आरक्षण का नहीं।

कूचबिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि यह आप ही हैं जिन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को समाप्त किया। हमने केवल परिसीमन विधेयक का विरोध किया था, महिलाओं को आरक्षण देने वाले विधेयक का नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में लगातार प्रचार करने को लेकर भी तंज कसा।

खरगे ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, जो राज्य में लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस आरोप के जवाब में आई, जिसमें उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण लागू करने संबंधी विधेयक को विफल करने का आरोप लगाया था।

- मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं के अधिकारों और उनके कल्याण के पक्ष में रही है। उन्होंने पार्टी के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश को सरोजिनी नायडू, इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी जैसी महिला नेता दी हैं।

पश्चिम बंगाल में राजनाथ सिंह ने कहा-

भाजपा सत्ता में आई तो गुंडाराज समाप्त किया जाएगा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनती है, तो राज्य में गुंडाराज का अंत किया जाएगा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, भय और हिंसा का माहौल बनाने का आरोप लगाया। बीरभूम जिले के सैंथिया में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पर्याप्त अवसर थे, लेकिन असामाजिक तत्वों ने पश्चिम बंगाल की स्थिति खराब कर दी। उन्होंने कहा कि एक समय राज्य में निवेशक आने को तैयार थे, लेकिन वर्तमान माहौल ने सब कुछ बदल दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो गुंडाराज समाप्त किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है, इसे कोई नकार नहीं सकता। चेतावनी भरे स्वर में उन्होंने कहा कि

अब जनता को तय करना है कि वह भय और आतंक का शासन चाहती है या उससे मुक्ति। उन्होंने कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो गुंडे या तो भाग जाएंगे या जेल के पीछे होंगे। महिलाओं के मुद्दे पर भी उन्होंने तृणमूल कांग्रेस को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने के प्रयासों का विपक्षी दलों ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाएं इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को इसका जवाब देंगी।

रक्षा मंत्री ने दावा किया कि राज्य में विभिन्न चुनावी कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद उन्हें महसूस हुआ है कि जनता इस बार परिवर्तन चाहती है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। सिंह ने कहा कि पहले देश की अर्थव्यवस्था में पश्चिम बंगाल की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 5 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। उन्होंने कहा कि राज्य को अब तत्काल बदलाव की जरूरत है।

अभि-नील हत्याकांड में आठ वर्ष बाद 20 आरोपित दोषी करार, सजा की घोषणा 24 अप्रैल को

गुवाहाटी। बहुचर्चित अभि-नील हत्याकांड में लगभग आठ वर्षों तक चली सुनवाई के बाद जिला सत्र न्यायालय नगांव ने अंतिम फैसला सुनाते हुए 20 आरोपितों को दोषी करार दिया है, जबकि 25 अन्य को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। उल्लेखनीय की आठ वर्ष पहले उदीयमान संगीतकार अभि और नील कार्बी आंगलोंग जिले में मोबलिचिंग का शिकार हुए थे। चार दर्जन से अधिक लोगों ने मिलकर दोनों की निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी थी। उल्लेखनीय है कि, यह घटना 8 जून, 2018 को कार्बी आंगलोंग के डोकमका में हुई थी। कार्बी भूमि की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने गए युवा संगीतकार निलोत्पल दास और अभिजीत नाथ को कुछ उन्मादी लोगों के हमले का शिकार हो गए थे। अपनी जान बचाने के लिए बार-बार गुहार लगाने के बावजूद वे उन हमलावरों से खुद को बचा नहीं सके।

महिलाओं के आरक्षण का विरोध कर तृणमूल ने किया विश्वासघात : नितिन नवीन

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी ने विधानसभाओं और संसद में महिलाओं को आरक्षण देने के केंद्र सरकार के प्रयास का विरोध कर महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि यदि मामला अल्पसंख्यक आरक्षण का होता तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उसके समर्थन में मीलों चलतीं। पूर्वी मेदिनीपुर जिले के महिषादल में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि राज्य की महिलाओं के लिए अब उस सरकार को सबक सिखाने का समय आ गया है, जो घुसपैठियों की रक्षा करती है, लेकिन अपनी बेटियों को सुरक्षित नहीं रख पाती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को शासन व्यवस्था में उचित भागीदारी देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया, ताकि उन्हें 33 प्रतिशत आरक्षण मिल सके, जबकि तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने इसका विरोध किया। नितिन नवीन ने कहा कि यह विडंबना है कि जिस राज्य में महिला मुख्यमंत्री हैं, वहीं बेटियों का अपमान हो रहा है। उन्होंने संदेशखाली और जयनगर की घटनाओं का उल्लेख करते हुए राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 'मां, माटी, मानुष' सरकार में महिलाएं सबसे अधिक उत्पीड़ित और परेशान रही हैं।

' भोपाल से अहमदाबाद तक फैला 'लव जिहाद' का खूनी नेटवर्क[-स्पा और ब्यूटी पार्लर बने मतांतरण के अड्डे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

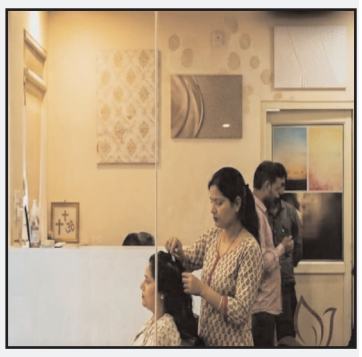

भोपाल. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल एक बार फिर 'संगठित जिहादी नेटवर्क' की साजिशों से दहल उठी है। तीन नाबालिग हिंदू किशोरियों के मतांतरण का ताजा मामला सामने आने के बाद यह साफ हो गया है कि शहर में मुस्लिम युवाओं और युवतियों का एक ऐसा गिरोह सक्रिय है, जिसका लक्ष्य हिंदू युवतियों को ब्लैकमेल करना, उनका दैहिक शोषण करना और अंतत: उन्हें मतांतरण की आग में झोंकना है।

अमरीन और आफरीन: ब्यूटी पार्लर की आड़ में 'हनीट्रैप' का खेल

हाल ही में पुलिस ने ब्यूटी पार्लर संचालिका दो बहनों—अमरीन और आफरीन को गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी के बाद जो सच सामने आया है, वह किसी भी सभ्य समाज की रूह कंपा देने वाला है: नौकरी का झांसा: निम्न-मध्यम वर्गीय हिंदू युवतियों को नौकरी देने के बहाने जाल में फंसाया जाता है। ब्रेनवॉश और ब्लैकमेलिंग: युवतियों का ब्रेनवॉश किया जाता है और फिर अपने मुस्लिम भाइयों और प्रेमियों के जरिए उनका शारीरिक शोषण कराया जाता है। अहमदाबाद कनेक्शन: जांच में खुलासा हुआ है कि इस नेटवर्क के तार अहमदाबाद तक जुड़े हैं, जहाँ लड़कियों को देह व्यापार के दलदल में धकेला जा रहा है।

केस स्टडी: मासूमों का शिकार और ब्लैकमेलिंग का जाल

अशोकनगर जिले की तीन नाबालिग लड़कियों के साथ जो हुआ, वह इस नेटवर्क की क्रूरता का प्रमाण है:1.सहेली बनी आस्तीन का सांप: कक्षा 11वीं की एक छात्रा को उसकी मुस्लिम सहेली ने घूमने के बहाने फंसाया। 2.दुष्कर्म और वीडियो: छात्रा के साथ दुष्कर्म कर उसका अश्लील वीडियो बनाया गया। 3.लाखों की वसूली और मतांतरण: वीडियो के दम पर एक लाख रुपये ऐंठे गए और जान से मारने की धमकी देकर मतांतरण के लिए मजबूर किया गया।महानगर मेट्रो का कड़ा सवाल: आखिर कब तक असुरक्षित रहेंगी बेटियां यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि एक सुयोजित साजिश है। इस नेटवर्क में मुस्लिम युवतियां 'फ्रंट लाइन' का काम कर रही हैं ताकि हिंदू लड़कियां आसानी से उन पर भरोसा कर सकें। प्रशासन की नाक के नीचे स्पा और पार्लर की आड़ में धर्मांतरण की फैक्ट्रियां चल रही हैं। 'जांच में सामने आया है कि बदनामी के डर से कई पीड़िताएं सामने नहीं आ रही हैं, जिसका फायदा यह जिहादी नेटवर्क उठा रहा है। '

पुलिस की कार्रवाई और फरार आरोपी

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अब इस नेटवर्क के वित्तीय स्रोतों की भी जांच कर रही है। वर्तमान मामले में दो मुख्य आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस अहमदाबाद और अन्य ठिकानों पर दबिश दे रही है।

शिव संकल्प पुण्यलिप्त और जीव संकल्प पापलिप्त

शिव संकल्प से कल्याण का संदेश: मोरारीबापू की मानस कथा में उमड़ा श्रद्धा सागर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

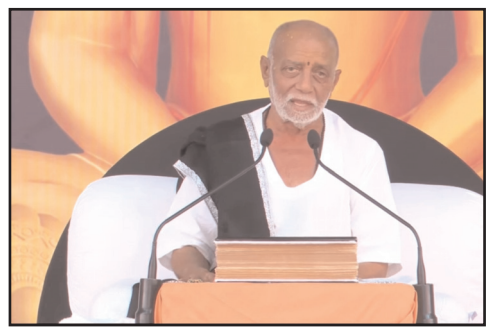

पालीताना. में भक्तों की भीड़ मोरारीबापू द्वारा व्यास को सुनाई जा रही 'मानस शिव संकल्प' राम कथा से तृप्त हो गई। बापू ने दूसरे दिन, यानी रविवार और सोमवार को चिंतन में शब्द के अर्थों के साथ खूबसूरती से पेश किया और सभी को मीठी खुशबू से सराबोर कर दिया।

दूसरे दिन के संवाद में बापू कहते हैं कि शिव का मतलब है कल्याण। यानी पूरी दुनिया, अस्तित्व का कल्याण। भगवान द्वारा किया गया एक और संकल्प है मन का निर्माण करना। आकाश का गुण शब्द है, पृथ्वी का गुण गंध है। वेद अंतर नहीं कर सकते, मनुष्य के शरीर से एक खास गंध आती है। गजराज भी पीकर अपनी गंध फैलाते हैं। वे हमें एक खास तरह की खुशबू का अनुभव कराते हैं। लेकिन मां के शरीर में भी एक खुशबू होती है। सभी को अपने स्वभाव की खुशबू फैलानी चाहिए। हमने वेदों को अवैयक्तिक माना है। इसलिए वे भी सुगंधित हैं। हमें गुरुकुल में एडमिशन देते समय स्टूडेंट्स की खुशबू को भी पहचानना चाहिए। खुशबू दस तरह की होती है। खुशबू और गंधर्व का कनेक्शन है। गंधर्व भगवान शिव की खुशबू फैलाता है। जब आप संकल्प करते हैं, तो शब्द आता है, शिव संकल्प को अस्तित्व देते हैं। संकल्प नौ तरह के होते हैं। पहला संकल्प शिव का मन बनाने का संकल्प है। इसने मन को रूप से स्पर्श की ओर ले जाया है। राम सत्य का प्रभाव है, प्रेम राम का स्वभाव है और करुणा राम का प्रवाह है। बुद्धि अगर गंदी हो जाए तो उसकी पवित्रता ही उसे पवित्र करती है। सीता और राम एक ही तत्व हैं। एक स्त्री के रूप में है और दूसरा पुरुष के रूप में। राम नाम की महिमा अपार है। भेद की दीवार टूटनी चाहिए। गीता कहती है, 'सम सर्वेषु भूतेषु। यहां सब एक जैसे हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश राम के नाम हैं। राम नाम मुक्ति दिलाता है। राम नाम वेदों की जान है। राम कहने से वह परिपूर्ण हो जाता है लेकिन मरने से वह पवित्र हो जाता है, वाल्मीकि इसका उदाहरण हैं। तीसरे दिन, वचनामृत में बापू कहते हैं कि पालीताना वैचारिक त्रिवेणी भूमि है। यहां तीन महापुरुष हुए, हरिराम बापू गोदाडिया जिनका धारा मार्गी संप्रदाय था। एक और महापुरुष थे रामानंदी संप्रदाय के पूज्य बजरंगदास बापा और आदरणीय रणछोड़ गिरिबापू जो दशनाम अखाड़े से थे। यानी बजरंगदास बापू सत्य, रणछोड़दास बापू शिवम और हरिरामबापू गोदाडिया सुंदर हैं। यह त्रिवेणी मिलन की भूमि है। आत्मा और शिव की इच्छा में मुख्य अंतर यह है कि आत्मा स्वार्थी है और शिव ईश्वर-केंद्रित हैं। शास्त्रों में बताए गए नौ तीर्थ परिवार के तीर्थ और महिलाओं के लिए लज्जा के तीर्थ हैं। हमें कुछ अपराध नहीं करने चाहिए। इनमें शारीरिक अपराध, ईश्वर के खिलाफ अपराध, दिल के खिलाफ अपराध और बेसहारा लोगों के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध शामिल है। तुलसीजी भी कहते हैं कि तुलसी कभी खाली नहीं जाता, हे बेचारे। यानी अगर ऐसे लोगों का दिल दुखा हुआ और प्रतिबद्ध है, तो हम उससे मुक्त नहीं हो सकते। सुनीता विलियम्स के स्पेस मिशन के बारे में एक बात जो हमारे ध्यान में आती है, वह यह है कि जब वह इतने दिनों तक स्पेस में रहती हैं और आखिर में जब वह धरती पर लौटती हैं,

पुत्र ने थार से 5 को कुचला, पिता (भाजपा विधायक) ने पुलिस को दी धमकी: 'अपनी औकात में रहो'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर । एक तरफ सूबे की पुलिस कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर सत्ता पक्ष के एक विधायक ने खाकी की गरिमा को सरेआम तार-तार कर दिया। मामला एक भीषण सड़क हादसे का है, जिसमें भाजपा विधायक के सुपुत्र ने अपनी तेज रफ्तार थार जीप से पांच मासूम लोगों को कुचल दिया। जब पुलिस ने कार्रवाई की कोशिश की, तो विधायक महोदय ने संवेदना दिखाने के बजाय वर्दी को ही उनकी 'औकात' याद दिला दी।

घटना का विवरण: मौत की रफ्तार और रसूख का तांडव

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कल देर रात एक बेकाबू थार जीप ने फुटपाथ और सड़क किनारे खड़े पांच लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दो लोगों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। चश्मदीदों का कहना है कि गाड़ी विधायक का बेटा चला रहा था और दुर्घटना के समय गाड़ी की गति निर्धारित सीमा से कहीं अधिक थी। विधायक की दबंगई: 'तुम जानते नहीं मैं कौन हूँ' जैसे ही पुलिस टीम मौके पर पहुँची और जांच शुरू की, माननीय विधायक महोदय लाव-लश्कर के साथ वहां धमक पड़े। आरोप है कि उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों को सरेआम फटकार लगाई। विधायक ने तीखे **लहजे में कहा:** 'अपनी औकात में रहकर काम करो। यह वर्दी मेरी मेहरबानी से है। केस डायरी में क्या लिखना है, यह मैं तय करूँगा। '

विधायक के इस बर्ताव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिससे प्रशासन की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

विपक्ष का प्रहार: 'क्या भाजपा के लिए कानून अलग है?'

इस घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में भूचाल आ गया है। विपक्षी दलों ने सरकार को घेरते हुए पूछा है कि क्या 'बेटी बचाओ, सुरक्षित सड़क' के नारे सिर्फ विज्ञापनों तक सीमित हैं मुख्य मांग: विधायक के बेटे पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज हो। नैतिकता का सवाल: पुलिस को धमकाने वाले विधायक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

पुलिस का पक्ष हालांकि स्थानीय पुलिस अधीक्षक ने कैमरे पर केवल इतना कहा कि 'मामले की जांच जारी है और जो भी दोषी होगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।' लेकिन पर्दे के पीछे की सच्चाई यह है कि पुलिस बल इस समय भारी राजनीतिक दबाव में नजर आ रहा है। महानगर मेट्रो विचार:जब रक्षक ही भक्षक को संरक्षण देने लगे और कानून के रखवालों को उनकी 'औकात' दिखाई जाने लगे, तो आम जनता न्याय की उम्मीद किससे करे? सत्ता का अहंकार जनसेवा के लिए होना चाहिए,

रिश्तों की उलझी गुत्थी और एक मासूम की तलाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रिश्तों की बुनियाद भरोसे और सच्चाई पर टिकी होती है, लेकिन कभी-कभी सच इतना भारी होता है कि वह पूरी जिंदगी की समझ को हिलाकर रख देता है। ऐसा ही कुछ हुआ 'हदिया' के साथ। जिस उम्र में बच्चे खिलौनों और पढ़ाई के सपनों में खोए रहते हैं, उस 12 साल की उम्र में हदिया के सामने एक ऐसा सच आया जिसने उसके अस्तित्व पर ही सवाल खड़े कर दिए। उसे पता चला कि जिसे वह अब तक अपना संसार समझ रही थी, उसकी जड़ें कहीं और हैं। एक पल में बदल गई पहचान हदिया के लिए वह दिन किसी सामान्य दिन जैसा ही था, लेकिन एक खुलासे ने सब कुछ बदल दिया। उसे पता चला कि उसके जैविक पिता वह व्यक्ति नहीं हैं जिन्हें वह बचपन से जानती थी। यह खुलासा मात्र एक पिता की पहचान तक सीमित नहीं था; इसके साथ ही रिश्तों का एक ऐसा सैलाब आया जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

15 भाई-बहन: एक अनजाना परिवार

हदिया को जब यह पता चला कि दुनिया में उसके कम से कम 15 भाई-बहन और भी हैं, तो उसके पैरों तले ज़मीन खिसक गई।

ज पहचान का संकट: अचानक इतने बड़े कुनबे की जानकारी मिलना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं था।

अधूरे सवाल: आखिर इतने सालों तक यह सच क्यों छुपाया गया? वह 15 भाई-बहन कहाँ हैं और किस हाल में हैं?

भावनात्मक उथल-पुथल: एक 12 साल की बच्ची के लिए इस मनोवैज्ञानिक दबाव को झेलना और नए रिश्तों को स्वीकार करना एक बड़ी चुनौती बन गया है।

महानगर मेट्रो विश्लेषण: आधुनिक रिश्तों की जटिलता

यह मामला केवल एक बच्ची की कहानी नहीं है, बल्कि यह उन सामाजिक और व्यक्तिगत परिस्थितियों की ओर इशारा करता है जहाँ सत्य को परतों के पीछे छिपा दिया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे खुलासे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालते हैं।

'जब किसी बच्चे को अचानक अपनी जड़ों के अलग होने का पता चलता है, तो वह असुरक्षा और पहचान के संकट से जूझने लगता है। हदिया के मामले में 15 भाई-बहनों का होना इस उलझन को और अधिक जटिल बनाता है। '

अब आगे क्या?

हदिया अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ उसके पास यादों का एक धुंधला अतीत है और अनगिनत अनजाने रिश्तों का भविष्य। क्या वह अपने उन 15 भाई-बहनों से कभी मिल पाएगी? क्या उसे अपने जैविक पिता से वह पहचान और प्यार मिलेगा जिसकी वह हकदार है? ये सवाल फिलहाल भविष्य के गर्भ में हैं

चुनावी चंदे की आड़ में काले धन का 'हवाला' खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत. गुजरात की राजनीति में उस समय बड़ा भूचाल आ गया जब सूरत क्राइम ब्रांच ने दिल्ली से सूरत तक फैले एक हाई-प्रोफाइल 'हवाला नेटवर्क' का भंडाफोड़ किया। आरोप है कि यह पैसा आम आदमी पार्टी (AAP) के चुनावी खर्चों के लिए 'ब्लैक मनी' के रूप में भेजा जा रहा था। इस कार्रवाई ने राजधानी से लेकर डायमंड सिटी तक हड़कंप मचा दिया है।

दिल्ली से सूरत: ऐसे जुड़ रही है 'हवाला' की कड़ियां

सूरत क्राइम ब्रांच की जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। चुनावी माहौल के बीच काले धन को सफेद करने और उसे प्रचार में झोंकने की इस साजिश में बड़े नाम शामिल हैं:

1.मुख्य आरोपी और कनेक्शन: जांच में सामने आया कि दिल्ली का हिमांशु पाहुजा मुख्य हैंडलर है, जो दिल्ली से पैसे भेज रहा था। सूरत में इस रकम को आकाश मिश्रा और अजय तिवारी नाम के व्यक्ति रिसीव कर रहे थे।

2.सत्येंद्र जैन का नाम उछला: सबसे सनसनीखेज खुलासा यह है कि पकड़ा गया आरोपी आकाश मिश्रा दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन का पीए (PA) बताया जा रहा है। वहीं, हिमांशु पाहुजा 'आप' नेता सुरेंद्र भारद्वाज का करीबी माना जा रहा है।

3.सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ सच: क्राइम ब्रांच को ऐसे पुख्ता सीसीटीवी फुटेज हाथ लगे हैं, जिनमें आरोपी ऑफिस में बैठकर नोटों की गड्डियां गिनते साफ नजर आ रहे हैं।

ऑपरेशन 'आंगड़िया': हर महीने आते थे लाखों रुपये

पूछताछ में पता चला है कि यह कोई एक बार का मामला नहीं है। आंगड़िया (पारंपरिक कूरियर सेवा) के जरिए दिल्ली से हर महीने लाखों रुपये सूरत भेजे जा रहे थे। इस पैसे का इस्तेमाल चुनाव को प्रभावित करने और संगठन की गतिविधियों के लिए किए जाने का संदेह है।

सूरत क्राइम ब्रांच ने अजय तिवारी और आकाश मिश्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ तेज कर दी है। पुलिस के साथ-साथ अब आयकर विभाग भी इस जांच में शामिल हो सकता है। एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि अब तक कुल कितना पैसा ट्रांसफर किया गया और इसका असली स्रोत क्या है। महानगर मेट्रो का सवाल: क्या यह 'कट्टर ईमानदारी' का असली चेहरा है चुनाव के समय पकड़ा गया यह हवाला नेटवर्क कई गंभीर सवाल खड़े करता है: क्या राजनीति में शुचिता का दावा करने वाली पार्टी के जड़ें काले धन से सींची जा रही हैं क्या दिल्ली की सत्ता का इस्तेमाल गुजरात के चुनावों को 'हवाला' के जरिए प्रभावित करने के लिए हो रहा है विपक्षी दलों ने इस मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। सूरत क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है

जब कानून मौन हुआ, तो 'शक्ति' चंडी बन गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर . यह कहानी नागपुर के उस काले अध्याय की है, जिसने भारतीय न्याय प्रणाली के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। यह कहानी है उस 'आतंक' के अंत की, जिसे खाकी का संरक्षण प्राप्त था, लेकिन जब सब्र का बांध टूटा, तो कस्तूरबा नगर की गलियों से उठी महिलाओं की टोली ने अदालत के भीतर ही 'न्याय' कर दिया। हम बात कर रहे हैं कुख्यात गुंडे भरत कालीचरण उर्फ अक्कु यादव की, जिसकी रूह कपा देने वाली मौत आज भी चर्चा का विषय है।

आतंक का दूसरा नाम: अक्कु यादव

कस्तूरबा नगर बस्ती के लिए अक्कु यादव किसी बुरे सपने से कम नहीं था।

अपराध का ग्राफ: हत्या, डकैती और फिरौती तो उसके लिए आम बात थी, लेकिन उसका सबसे घिनौना चेहरा महिलाओं के शोषण में दिखता था।

पुलिस की चुप्पी: आरोप थे कि स्थानीय पुलिस के साथ उसकी गहरी मिलीभगत थी। 10 साल तक वह खुलेआम जुल्म करता रहा, शिकायतें हुईं मगर कार्रवाई के नाम पर सिर्फ फाइलें दबी रहीं। 13 अगस्त 2004: कोर्ट रूम बना 'रणक्षेत्र' तारीख 13 अगस्त, 2004। नागपुर जिला अदालत में सुनवाई होनी थी। जैसे ही अक्कु यादव को पुलिस घेरे में कोर्ट रूम लाया गया, वहां पहले से मौजूद करीब 200 महिलाओं के भीतर का लावा फूट पड़ा। लाल मिर्च और पत्थर: महिलाओं ने पुलिस और जज के सामने ही अक्कु पर लाल मिर्च की बुकनी और पत्थरों से हमला बोल दिया। 70 वार और खौफ का अंत: महिलाओं ने छरियों और पत्थरों से उस पर हमला किया। चश्मदीदों के मुताबिक, अक्कु यादव के शरीर पर 70 से ज्यादा घाव किए गए थे। अदालत परिसर की जमीन खून से लाल हो चुकी थी। पुलिस मूकदर्शक बनी रही और जज अपनी जान बचाने के लिए चेंबर की ओर भागे। बस्ती का सामूहिक संकल्प: 'सब दोषी, तो कोई दोषी नहीं' इस खूनी न्याय के बाद पुलिस ने कई महिलाओं को गिरफ्तार किया। लेकिन मामला तब पेचीदा हो गया जब पूरी बस्ती ने एक सुर में कहा– 'अक्कु को हमने मारा है, हम सब अपराधी हैं।' सालों तक चले इस मुकदमे में किसी एक के खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं मिल सके। अंततः वर्ष 2012 में कोर्ट ने सबूतों के अभाव में सभी महिलाओं को बरी कर दिया। महानगर मेट्रो **विचार:** मजबूरी या अराजकताअक्कु यादव की मौत ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया– क्या यह न्याय था

विशेष आवरण कथा: मृत्यु पर जीवन की विजय

अमर हो गया 17 साल का 'क्रिश': खुद बुझ गया, लेकिन 6 घरों में रौशन कर गया बुझते हुए चिराग!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद . किस्मत का खेल भी कितना अजीब है, एक तरफ एक हंसते-खेलते परिवार का लाडला सड़क हादसे का शिकार होकर दुनिया छोड़ गया, तो दूसरी तरफ उसी की 'शहादत' ने छह अजनबियों को मौत के मुंह से खींच लिया। अहमदाबाद के 17 वर्षीय छात्र क्रिश अकबरी की असमय मौत ने पूरे गुजरात को झकझोर दिया है, लेकिन उसके परिवार ने जो हौसला दिखाया, उसने मानवता का एक नया इतिहास लिख दिया है।

जब शोक बना 'वरदान': एक साहसी फैसला

हादसे के बाद जब डॉक्टरों ने क्रिश को 'ब्रेन डेड' घोषित किया, तो अकबरी परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। लेकिन उस चीख-पुकार के बीच क्रिश के पिता और स्वजनों ने एक ऐसा निर्णय लिया जो किसी महान तपस्या से कम नहीं था। उन्होंने तय किया कि उनका बेटा राख बनकर हवा में नहीं मिलेगा, बल्कि किसी और के शरीर में धड़ककर ज़िंदा रहेगा।

प्राइवेट सेक्टर में पहली बार 'हाथों का दान': एक चिकित्सा क्रांति

यह मामला केवल भावनाओं का नहीं, बल्कि मेडिकल साइंस के लिए भी एक मील का पत्थर है। गुजरात के निजी चिकित्सा क्षेत्र के इतिहास में पहली बार हाथों का दान (Hand Transplant) किया गया है।

नया जीवन: क्रिश के अंगों से न केवल किसी को सांसें मिलीं, बल्कि किसी को दुनिया देखने का नज़रिया और किसी को काम करने के लिए हाथ मिले।

अंगों की फेहरिस्त: क्रिश के हृदय, फेफड़े, दोनों किडनी और दोनों हाथों का दान कर मानवता की महक फैलाई गई।

6 परिवारों के लिए 'फरिश्ता' बना क्रिश

अकबरी परिवार ने अपना चिराग खो दिया, लेकिन उनकी उदारता ने छह उन परिवारों को खुशियां लौटाईं जो बरसों से किसी चमत्कार की उम्मीद में थे।

'आज क्रिश की धड़कन किसी और के सीने में गूँज रही है और उसके हाथ किसी और के जीवन का सहारा बन रहे हैं। वह मरा नहीं है, वह उन छह जिंदगियों में बंटकर अमर हो गया है। '

सावधान! 'मुफ्त की रेवड़ी' लालच में बिकने वाला मत, गांव के विकास की हत्या है

महानगर मेट्रो

चुनाव की रणभेरी बजते ही गली-कूचों में 'सेवा' की बाढ़ आ गई है। लेकिन क्या आपने सोचा है कि चुनाव से ठीक पहले उमड़ने वाला यह प्रेम क्या वाकई जनसेवा है हकीकत यह है कि चुनाव के समय नाशते, पानी, शराब और नोटों के बंडल के नाम पर जो 'परोसा' जा रहा है, वह आपकी खुशियों को लूटने का बिछाया गया जाल है। याद रखें, आज का एक मुफ्त का भोजन, आपके भविष्य की पांच साल की रोटी छीन सकता है।एक दिन का लालच, पांच साल का वनवास

चुनावी मौसम में सक्रिय हुए स्वयंभू समाजसेवियों का गणित बहुत सीधा है 'आज खिलाओ, कल लूटो।' **क्षणभंगुर सुख:** वह नाश्ता, वह शराब की बोतल या चंद रुपयों की गड्डी एक दिन में खत्म हो जाएगी।

विकास पर ब्रेक: जब आप अपना मत बेचते हैं, तो आप उम्मीदवार को यह हक दे देते हैं कि वह जीतने के बाद आपके गांव की सड़कों, स्कूलों और अस्पतालों के बजाय अपनी तिजोरी भरने की चिंता करे।

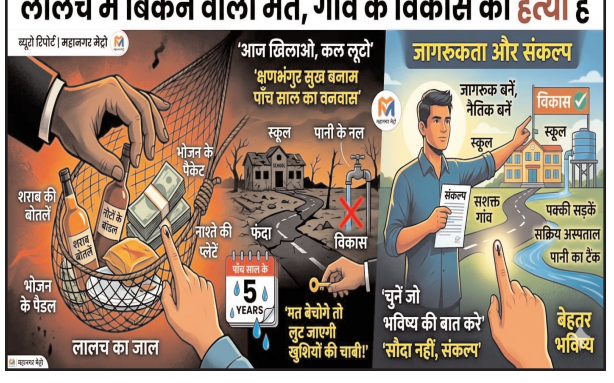

लोकतंत्र की नीलामी: मतदान आपका अधिकार है, कोई बाजार की वस्तु नहीं जिसे खरीदा या बेचा जा सके।

मत बेचोगे तो लुट जाएगी खुशियों की चाबी!

महानगर मेट्रो आज हर मतदाता से यह अपील करता है कि जागृत बनें। जो उम्मीदवार वोट खरीदने के लिए पैसा खर्च कर रहा है, वह निवेश कर रहा है, सेवा नहीं। और जो निवेश करता है, वह जीतने के बाद 'मुनाफा' वसूलता है।

'आपका एक गलत फैसला गांव के विकास को पांच साल पीछे धकेल देगा। जब विकास के नाम पर खस्ताहाल सड़कें और सूखते नल दिखेंगे, तब आपके वो चंद रुपये आपकी मदद नहीं कर पाएंगे। '

जागरूक बनें, नैतिक बनें

लोकतंत्र का महापर्व आ रहा है। यह समय अपनी नैतिकता दिखाने का है, न कि लालच में बहने का।

ज़ ईमानदारी से चुनें: उसे चुनें जो आपके बच्चों के भविष्य की बात करे, उसे नहीं जो आपकी एक रात की भूख मिटाने का ढोंग करे। सोदा नहीं, संकल्प: मतदान को सौदा न बनने दें। यह एक संकल्प है–एक बेहतर भविष्य के लिए, एक सशक्त गांव और शहर के लिए।

बंगाल के चुनावी समर में 'संवैधानिक' तकरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के चुनावी अखाड़े में 'दीदी' बनाम 'दादा' की जंग अब केवल रैलियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि संवैधानिक मर्यादाओं के घेरे में आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में राष्ट्र के नाम दिए गए संबोधन पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीखा ऐतराज जताया है। ममता बनर्जी ने इसे प्रधानमंत्री पद का दुरुपयोग और आचार संहिता का खुला उल्लंघन करार देते हुए चुनाव आयोग (EC) का दरवाजा खटखटाने का ऐलान किया है।

दीदी के तीखे बाण: 'राष्ट्र संबोधन की आड़ में राजनीतिक एजेंडा ' ममता बनर्जी ने प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री के भाषण पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जब देश चुनाव के मुहाने पर खड़ा है, तब प्रधानमंत्री सरकारी मंच का उपयोग अपनी पार्टी के वोट मांगने के लिए कर रहे हैं।

सीधा आरोप: ममता ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करने के बहाने केवल अपनी उपलब्धियों का गुणगान किया और विपक्ष को निशाना बनाया। यह संबोधन नहीं, बल्कि एक सुनियोजित चुनावी रैली थी।

आयोग से गुहार: टीएमसी नेतृत्व का कहना है कि वे डिजिटल साक्ष्यों के साथ चुनाव आयोग से शिकायत करेंगे कि कैसे सरकारी तंत्र और समय का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया गया।

सत्ता की पिच पर 'फ्री हिट' की कोशिश?

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ममता बनर्जी इस मुद्दे के जरिए प्रधानमंत्री को रक्षात्मक मुद्रा में लाना चाहती हैं।

1.**संवैधानिक मर्यादा का सवाल:** क्या चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संदेश देना 'ऑफिशियल ड्यूटी' है या 'पॉलिटिकल कैंपेनिंग'?

2.**विपक्ष की गोलबंदी:** ममता के इस कदम को अन्य विपक्षी दलों का भी समर्थन मिल सकता है, जिससे चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ना तय है।

महानगर मेट्रो का विश्लेषण: जब सियासत ही संबोधन बन जाए!

बंगाल की धरती पर एक-एक सीट के लिए मचे घमासान के बीच यह विवाद आग में घी का काम करेगा। एक तरफ भाजपा इसे राष्ट्रहित में दिया गया संदेश बता रही है,

सुरों की दुनिया से निकलकर थाने की दहलीज़ तक पहुँचा विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा. गुजरात की संगीत दुनिया की एक और मशहूर आवाज़, लोकगायिका काजल मेहरिया, इस समय अपनी निजी जिंदगी को लेकर विवादों के घेरे में हैं। सुरों से लाखों दिलों को जीतने वाली काजल मेहरिया ने परिवार की मर्जी के खिलाफ प्रेम विवाह कर लिया है, जिसके बाद अब यह पारिवारिक मामला पुलिस की चौखट और समाज के चौराहों तक पहुँच गया है।

सोशल मीडिया पोस्ट से फूटा विवाद का भांडा

विवाद की शुरुआत तब हुई जब काजल मेहरिया के भाई ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में उन्होंने दावा किया कि काजल ने परिवार को बताए बिना चुपके से शादी कर ली है। भाई ने मेहरिया समाज के अगुआओं और बड़े-बुजुर्गों से इस मामले में हस्तक्षेप करने और परिवार की मदद करने की गुहार लगाई।

ससुराल में हंगामा और पुलिस की एंट्री

रविवार को मामला तब और गरमा गया जब काजल मेहरिया के परिवार के सदस्य और समाज के कुछ नेता उनके ससुराल जा धमके।

ज़ गरमा-गरमी: मौके पर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई और माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया।

थाने पहुँचा विवाद: सुरक्षा और कानूनी कार्रवाई को देखते हुए मामला स्थानीय पुलिस स्टेशन पहुँचा। पुलिस अब दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर रही है और शांति व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश में जुटी है।

लोकगायिकाओं के 'लव मैरिज' का सिलसिला और समाज की चिंता

गुजरात में पिछले कुछ समय से लोकगायिकाओं द्वारा परिवार की इच्छा के विरुद्ध विवाह करने के कई मामले सामने आए हैं।

समाज का रुख: मेहरिया समाज के कुछ नेताओं का कहना है कि यह केवल एक शादी का मामला नहीं है, बल्कि इससे सामाजिक परंपराओं और पारिवारिक प्रतिष्ठा पर असर पड़ता है।

व्यक्तिगत स्वतंत्रता: वहीं, सोशल मीडिया पर एक वर्ग ऐसा भी है जो इसे काजल की व्यक्तिगत पसंद और कानूनी अधिकार मानकर उनका समर्थन कर रहा है।

महानगर मेट्रो का विश्लेषण: कला और व्यक्तिगत जीवन की खींचतान

जब कोई कलाकार सार्वजनिक जीवन में होता है, तो उसकी निजी जिंदगी भी सार्वजनिक चर्चा का विषय बन जाती है। काजल मेहरिया गुजरात की एक स्थापित कलाकार हैं, ऐसे में उनके भाई की एक पोस्ट ने पूरे समाज को इस विवाद में खींच लिया है।

सपनों से भी ऊंची 'मोदी' की दुनिया बेटे के प्रति प्यार या रईसी का दरिया?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लंदन। आईपीएल के जन्मदाता ललित मोदी अपनी विवादित खबरों के साथ-साथ अपनी आलीशान और बेतहाशा महंगी लाइफस्टाइल के लिए भी हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। लेकिन इस बार चर्चा उनके किसी बिजनेस डील की नहीं, बल्कि उनके बेटे के प्रति उनके 'अनोखे' और 'अरबपति' प्रेम की हो रही है। जहां आम इंसान अपने बच्चों को जन्मदिन पर खिलौने या गैजेट्स देता है, वहीं ललित मोदी अपने बेटे को हर साल दुनिया की सबसे तेज़ और महंगी 'फेरारी' कार गिफ्ट करते हैं।

21 साल की उम्र से शुरू हुआ 'सुपरकार' का सिलसिला

रईसी की यह दास्तान किसी फिल्मी कहानी जैसी लगती है। जानकारी के अनुसार, ललित मोदी ने यह सिलसिला तब शुरू किया था जब उनका बेटा 21 साल का हुआ था। तब से लेकर आज तक, हर साल उनके बेटे के जन्मदिन पर एक चमचमाती नई फेरारी उनके गैरेज की शोभा बढ़ाती है।

11 फेरारी का जादुई कलेक्शन: इस अनोखी परंपरा के चलते अब उनके बेटे के पास लगभग 11 फेरारी कारों का एक विशाल और अद्भुत कलेक्शन हो गया है।

करोड़ों का गैरेज: दुनिया की सबसे महंगी स्पोर्ट्स कारों में शुमार फेरारी का इतना बड़ा कलेक्शन होना किसी आम आदमी के लिए कल्पना से भी परे है।

आईपीएल की चमक से लेकर फेरारी के बेड़े तक

ललित मोदी ने भारत में क्रिकेट को ग्लैमर और पैसे के साथ जोड़कर आईपीएल जैसी दुनिया की सबसे बड़ी लीग खड़ी की थी। अब वही चमक उनकी निजी जिंदगी में भी साफ़ दिखाई देती है। अपने बेटे के लिए दुनिया की सबसे बेहतरीन कारों का बेड़ा खड़ा करना यह दर्शाता है कि ललित मोदी की सोच और उनका जीवनस्तर वाकई 'लार्जर देन लाइफ' है।

सोशल मीडिया पर चर्चा: 'इसे कहते हैं असली नवाबी' जैसे ही ललित मोदी के इस राजसी शौक की चर्चा बाहर आई, सोशल मीडिया पर लोग दंग रह गए। लोग इसे 'अल्टीमेट फादर गोल्स' और अथांग अमीरी' का नाम दे रहे हैं।

वडोदरा बना साइबर ठगों का हब', पुलिस ने कियाभंडाफोड

.210 करोड़ के साइबर घोटाले का 'बैंकिंग नेटवर्क' ध्वस्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा. डिजिटल इंडिया के दौर में साइबर अपराधी अब केवल लोगों को ठग ही नहीं रहे, बल्कि बाकायदा एक 'पैरेलल इकोनॉमी' (समानांतर अर्थव्यवस्था) चला रहे हैं। गुजरात स्टेट साइबर क्राइम सेल ने वडोदरा में एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो देश भर के साइबर ठगों को पैसे ठिकाने लगाने के लिए 'बैंकिंग सर्विस' मुहैया कराता था। इस गिरोह ने अब तक करीब 210 करोड़ रुपये की अवैध हेराफेरी की है। पुलिस ने गिरोह के 6 सदस्यों को दबोचकर उनके पास से 'डिजिटल डकैती' का भारी सामान बरामद किया है।हवाला से भी खतरनाक: ऐसे चलता था 210 करोड़ का खेल पकड़े गए आरोपी खुद ठगी नहीं करते थे, बल्कि वे ठगों के 'फाइनेंशियल मैनेजर' के रूप में काम कर रहे थे। **किराए के बैंक खाते:** यह गिरोह गरीब और सीधे-साधे लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाता था और उनका नियंत्रण अपने पास रखता था। पैसे की **लॉन्ड्रिंग:** जब देश के किसी हिस्से में कोई साइबर ठगी होती, तो शिकार का पैसा इन्हीं खातों में मंगाया जाता था।

इसके बाद ये लोग चंद मिनटों में उस पैसे को दर्जनों अलग-अलग खातों और क्त्क्र कोड के जरिए घुमा देते थे ताकि पुलिस ट्रेल (सुराग) न पकड़ सके।

छापेमारी में मिला 'ठगी का जखीरा'

पुलिस ने वडोदरा के अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देकर आरोपियों के पास से जो सामान बरामद किया है, वह चौंकाने वाला है:

11 स्मार्टफोन और 1 लैपटॉप (जिससे ट्रांजेक्शन मैनेज किए जाते थे)।

12 चेकबुक और 5 पासबुक।

इंटरस्टेट कनेक्शन: कई सफेदपोशों पर शक की सुई

स्टेट साइबर क्राइम की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि इस गिरोह के तार दुबई और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से भी जुड़े हो सकते हैं। 210 करोड़ की इतनी बड़ी रकम का लेनदेन बिना किसी 'बड़ी मदद' के मुमकिन नहीं है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस खेल में कुछ बैंक कर्मचारी या स्थानीय एजेंट भी शामिल हैं।

महानगर मेट्रो की चेतावनी: सावधान रहे आपका बैंक खाता आपकी निजी संपत्ति है। लालच में आकर अपना खाता या एटीएम कार्ड किसी अनजान व्यक्ति को 'किराए' पर न दें। अगर आपके खाते से अवैध लेनदेन होता है, तो मास्टरमाइंड से पहले पुलिस आपके दरवाजे पर दस्तक देगी।

UGC के नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली।भारत का उच्च शिक्षा जगत आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है, जहाँ जाति, लिंग और धर्म के आधार पर होने वाले भेदभाव ने ज्ञान के मंदिरों की नींव हिला दी है। हाल ही में यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों पर लगी रोक और महाराष्ट्र की एक शोध छात्रा के साथ हुई मानसिक प्रताड़ना ने यह साफ़ कर दिया है कि हमारी शिक्षा प्रणाली आज भी 'समानता' के लक्ष्य से मीलों दूर है।

UGC के नियम: 16 दिन की राहत और फिर सुप्रीम कोर्ट की 'ब्रेक'

13 जनवरी 2026 को UGC ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भेदभाव रोकने के लिए नए नियम जारी किए थे, जो 2012 के पुराने नियमों की जगह लेने वाले थे।

ह बदलाव की पहल: इन नियमों के तहत हर संस्थान में 'इक्विटी सेल' बनाना अनिवार्य था और पहली बार OBC छात्रों को भी इस सुरक्षा घेरे में शामिल किया गया था।

विरोध और रोक: सवर्ण समाज के छात्रों ने इसके दुरुपयोग की आशंका जताते हुए इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। परिणाम यह हुआ कि महज 16 दिनों के भीतर, 29 जनवरी 2026 को कोर्ट ने इन नियमों पर रोक लगा दी। सवाल यह है कि क्या संवेदनशील मुद्दों पर बने कानून केवल 'स्टे ऑर्डर' की भेंट चढ़ते रहेंगे

केस स्टडी: वर्धा में छात्रा की प्रतिभा पर 'प्रशासनिक प्रहार'

महाराष्ट्र के वर्धा स्थित 'महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय' की घटना रूह कपा देने वाली है। यहाँ की शोध छात्रा आरती कुमारी के साथ जो हुआ, वह प्रशासनिक तानाशाही का जीता-जागता उदाहरण है: संगीन आरोप और निलंबन: आरती ने अपनी पीएचडी थीसिस जमा की, लेकिन बदले में विश्वविद्यालय ने उन पर 'भ्रूण हत्या' जैसे संगीन आरोप लगाकर उन्हें सस्पेंड कर दिया।

ज़ सुनवाई से इनकार: कुलपति ने छात्रा से मिलने तक से मना कर दिया। बाद में सितंबर में केस खारिज हो गया और निलंबन रद्द हुआ, लेकिन उन बेशकीमती महीनों और मानसिक पीड़ा की भरपाई कौन करेगा?

अटका हुआ भविष्य: केस खत्म होने के बाद भी उनकी थीसिस को बिना कारण बताए दो बार वापस कर दिया गया। क्या यह सीधे तौर पर एक महिला शोधकर्ता के करियर को बर्बाद करने की साजिश नहीं है?

'रोहित एक्ट' की गूँज: अधूरी मांग या मज़बूत समाधान

कैंपस में बढ़ते भेदभाव के कारण अब 'रोहित अधिनियम' की मांग तेज़ हो गई है। यह प्रस्तावित कानून स्ष्ट-स्ञ्ज छात्रों को सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है। हालांकि, विडंबना यह है कि जो समुदाय इसकी मांग कर रहे हैं, वे भी इसके वर्तमान प्रारूप में मौजूद खामियों से डरे हुए हैं। क्या हमारे पास

एक ऐसा कानून नहीं हो सकता जो निष्पक्ष हो और जिसका दुरुपयोग भी न हो सके?

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल:

1.क्या हमारी यूनिवर्सिटीज़ अब पढ़ाई के बजाय 'राजनीति और भेदभाव' के अखाड़े बन चुकी हैं?

2.अगर UGC जैसे शीर्ष निकाय के नियम 16 दिन भी नहीं टिक पा रहे, तो दलित और पिछड़ा वर्ग न्याय की उम्मीद किससे करे?

3.झूठे केस में फंसाकर जिन छात्रों का करियर दांव पर लगाया जाता है, क्या उन अधिकारियों पर कभी कार्रवाई होगी?

हमारा नज़रिया उच्च शिक्षा केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि सम्मान के साथ पढ़ने का अधिकार है। अगर संस्थानों में ही छात्रों को उनकी जाति या लिंग के आधार पर प्रताड़ित किया जाएगा, तो 'शिक्षित भारत' का सपना कभी पूरा नहीं होगा। समय आ गया है कि सरकार, अदालत और विश्वविद्यालय प्रशासन इस 'मानसिक छुआछूत' के खिलाफ ठोस रुख अपनाएं।शिक्षा जगत की कड़वी सच्चाईयों के लिए पढ़ते रहें - महानगर मेट्रो।

रक्षक की चुप्पी और भक्षक की ढिठाई सफ़र या दहशत ?

ट्रेन में युवती के साथ सरेआम अश्लीलता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

क्या अब देश की बेटियां दिन के उजाले में भी सुरक्षित नहीं हैं? क्या सार्वजनिक परिवहन अब अपराधियों के लिए 'सॉफ्ट टारगेट' बन गए हैं? यह सवाल आज हर उस नागरिक के ज़हन में है जिसने सोशल मीडिया पर वायरल हुई उस शर्मनाक घटना को देखा है। यह घटना केवल एक अपराध नहीं, बल्कि हमारे समाज के माथे पर कलंक है, जहाँ एक युवती के अकेलेपन का फायदा उठाकर एक शख्स ने सारी हदें पार कर दीं।

पूरी बोगनी खाली, फिर भी नीयत में 'खोट'

वायरल वीडियो और तस्वीरों के अनुसार, ट्रेन के उस डिब्बे में दर्जनों सीटें खाली पड़ी थीं। बावजूद इसके, आरोपी शख्स जानबूझकर उस युवती की बगल वाली सीट पर आकर बैठ गया। युवती उस समय आराम कर रही थी, और इसी का फायदा उठाकर उस व्यक्ति ने अत्यंत अश्लील और घिनौनी हरकतें शुरू कर दीं।

बेखौफ अपराधी: आरोपी के चेहरे पर न तो कानून का डर था और न ही समाज की शर्म।

कैमरे में कैद गंदगी: वायरल तस्वीरों में इस शख्स की नीचता साफ देखी जा सकती है, जिसे

देख किसी भी सभ्य व्यक्ति का खून खौल जाए।

सिर्फ रात ही नहीं, अब दिन भी हुआ असुरक्षित!

अक्सर कहा जाता था कि लड़कियां रात के समय असुरक्षित महसूस करती हैं, लेकिन इस घटना ने साबित कर दिया है कि वहशी मानसिकता वाले लोगों के लिए वक्त मायने नहीं रखता।

'जब सार्वजनिक स्थानों पर, जहाँ सैकड़ों लोगों की आवाजाही होती है, वहां हमारी बहन-बेटियां बेखौफ होकर नहीं बैठ सकतीं, तो हम किस 'सुरक्षित समाज' का दावा कर रहे हैं? '

प्रशासन से तीखे सवाल: कहाँ है गश्ती और कहाँ है सुरक्षा?

ट्रेनों में महिला सुरक्षा के बड़े-बड़े दावों के बीच ऐसी घटनाएं रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती हैं:

1.कोच में गश्त करने वाली टीम कहाँ थी?

2.ऐसे मानसिक विक्षिप्तों और अपराधियों के खिलाफ तुरंत FIR दर्ज क्यों नहीं होती?

3.क्या केवल 'टोल-फ्री' नंबर जारी कर देने से सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी?

महानगर मेट्रो का स्टैंड: चुप्पी तोड़नी होगी!

महानगर मेट्रो मांग करता है कि वायरल तस्वीरों के आधार पर इस शख्स की पहचान कर उसे ऐसी सजा दी जाए जो मिसाल बने। यह समय केवल निंदा करने का नहीं, बल्कि कड़े एक्शन का है। हमारी चुप्पी ऐसे अपराधियों का हौसला बढ़ाती है। अगर आप अपने आसपास ऐसा कुछ देखें, तो चुप न रहें। आवाज़ उठाएं, क्योंकि आज वह कोई और है, कल आपकी अपनी कोई हो सकती है।

सावित्री जिंदल की दौलत देख दुनिया दंग! इतनी रईस कि समंदर में उतार दें 13 INS विक्रांत' जैसे युद्धपोत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई . भारत में जब अमीरी की बात होती है, तो अक्सर बड़े-बड़े दिग्गजों के नाम ज़हन में आते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत की सबसे अमीर महिला के पास वास्तव में कितनी संपत्ति है? हम बात कर रहे हैं सावित्री जिंदल की, जिनकी दौलत के आंकड़े सुनकर किसी के भी होश उड़ सकते हैं। उनकी कुल संपत्ति आज उस मुकाम पर है जहाँ वह अकेले अपने दम पर देश की सैन्य शक्ति की तस्वीर बदल सकती हैं।

2.92 लाख करोड़ का साम्राज्य

सावित्री जिंदल की कुल संपत्ति लगभग ? 2.92 लाख करोड़ आंकी गई है। यह आंकड़ा सुनने में जितना भारी है, समझने में उतना ही अविश्वसनीय। जिंदल ग्रुप का स्टील से लेकर पावर सेक्टर तक फैला यह साम्राज्य आज सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

दौलत की गहराई: एक रोचक उदाहरण

इस अकूत दौलत का अंदाजा लगाने के लिए आइए इसकी तुलना भारत के गौरव INS विक्रांत' से करते हैं।

एक युद्धपोत की कीमत: भारत के इस विशालकाय विमानवाहक युद्धपोत को बनाने में लगभग ? 23,000 करोड़ का खर्च आया था।

जिंदल की ताकत: सावित्री जिंदल की कुल संपत्ति इतनी है कि वह चाहें तो INS विक्रांत जैसे 13 आलीशान और शक्तिशाली युद्धपोत खरीद या बनवा सकती हैं।

सफलता की मिसाल और सादगी का संगम

इतनी बेहिसाब दौलत की मालिक होने के बावजूद सावित्री जिंदल अपनी सादगी और अनुशासन के लिए जानी जाती हैं। अपने पति स्वर्गीय ओ.पी. जिंदल की विरासत को उन्होंने न केवल संभाला, बल्कि उसे कई गुना विस्तार भी दिया। आज उनका नाम दुनिया की सबसे प्रभावशाली महिलाओं की सूची में शुमार है।

'सावित्री जिंदल की यह कामयाबी दर्शाती है कि भारतीय महिलाएं न केवल घर बल्कि देश के सबसे बड़े औद्योगिक घरानों को भी वैश्विक स्तर पर नेतृत्व प्रदान कर सकती हैं। '

सावित्री जिंदल की यह संपत्ति केवल अंकों का खेल नहीं है, बल्कि यह दशकों की कड़ी मेहनत, सही विजन और भारतीय उद्योग जगत की मजबूती का प्रतीक है। एक महिला का इस शिखर पर होना देश की करोड़ों बेटियों के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत है।

वेंटिलेटर पर सरकारी सिस्टम, निजी अस्पतालों में लूट का खुला खेल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद .लोकतंत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य बुनियादी जरूरतें हैं, लेकिन आज ज़मीनी हकीकत इसके उलट है। एक आम आदमी जब बीमार पड़ता है, तो सरकारी अस्पतालों के चक्कर काटते-काटते वह और अधिक बीमार हो जाता है। अंत में, मजबूर होकर उसे निजी अस्पतालों की शरण लेनी पड़ती है। सवाल यह है कि जो देश और राज्य 'विकास' की बातें करते हैं, वहां सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था दिन-प्रतिदिन इतनी जर्जर क्यों हो रही है? क्या यह जानबूझकर निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने का कोई सुनियोजित खेल है?

सरकारी व्यवस्था के 'ब्रेन डेड' होने के 5 मुख्य कारण

1.स्टाफ की भारी किल्लत: आलीशान इमारतें तो खड़ी कर दी गईं, लेकिन अंदर डॉक्टर और नर्स कहां हैं? विशेषज्ञ डॉक्टर सरकारी सेवा में आने के बजाय निजी प्रैक्टिस को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि वहां वेतन और सुविधाएं कहीं अधिक हैं।

2.इंफ्रास्ट्रक्चर का अभाव: कई सरकारी अस्पतालों में मशीनें तो हैं, लेकिन या तो वे खराब पड़ी हैं या उन्हें चलाने के लिए तकनीशियन नहीं हैं। सीटी स्कैन या एमआरआई के लिए महीनों का इंतज़ार अब एक आम बात हो गई है।

3.बजट आवंटन में खानापूर्ति: हर साल स्वास्थ्य बजट बढ़ाने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर दवाओं की कमी और बुनियादी सुविधाओं का अभाव साफ झलकता है।

4.प्रशासनिक शिथिलता: सरकारी अस्पतालों में साफ-सफाई से लेकर मरीजों के प्रति व्यवहार तक, हर जगह लापरवाही का आलम है। जिस भरोसे के साथ मरीज अस्पताल आता है, वह अब पूरी तरह टूट चुका है।

5.निजीकरण को गुप्त बढ़ावा: स्वास्थ्य क्षेत्र में जिस तरह से 'पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप' मॉडल बढ़ रहा है, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि सरकारी तंत्र धीरे-धीरे अपनी जिम्मेदारियां निजी हाथों में सौंप रहा है।

निजी अस्पताल: 'सेवा' या 'मुनाफे की मंडी'?

जब सरकारी तंत्र विफल होता है, तो निजी अस्पतालों के लिए रास्ता साफ हो जाता है।

बिल का बोझ: सामान्य बुखार में भी हजारों रुपये के टेस्ट और रिपोर्ट का खेल शुरू हो जाता है।

बीमा कंपनियों का जाल: भारी प्रीमियम भरकर बीमा लेने के बावजूद, निजी अस्पतालों के बिल देखकर मध्यम वर्ग की कमर टूट जाती है।

सवाल जनता का है...

क्या गरीब को सम्मान के साथ जीने का हक नहीं है? यदि सरकार टैक्स वसूलने में सबसे आगे है, तो इलाज के लिए एक मरीज को अपनी संपत्ति गिरवी क्यों रखनी पड़ती है?

महानगर मेट्रो का नज़रिया:

सरकार को केवल भव्य इमारतों के निर्माण से संतोष नहीं करना चाहिए। ज़रूरत है ज़मीनी स्तर पर डॉक्टरों की स्थायी भर्ती करने की, मुफ्त और उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं उपलब्ध कराने की और सरकारी डॉक्टरों की जवाबदेही तय करने की। यदि आज यह व्यवस्था नहीं सुधरी, तो भविष्य में स्वास्थ्य सुविधाएं केवल अमीरों की जागीर बनकर रह जाएंगी।

नारी सम्मान की पुकार में विपक्ष की पराजय और संघर्ष में भी विजय का विश्वास

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

देश की राजनीति के वर्तमान दौर में महिला आरक्षण और परिसीमन का मुद्दा केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं बल्कि जनभावनाओं और राजनीतिक दृष्टिकोण का आईना बनकर सामने आया है इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कौन वास्तव में नारी सशक्तिकरण के साथ खड़ा है और कौन इस विषय को केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है। संसद में जो कुछ हुआ और उसके बाद जिस प्रकार से बयानबाजी और रणनीतियां सामने आईं उसने लोकतंत्र की परिपक्वता और दलों की मंशा दोनों को उजागर कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

विपक्षी खेमे मे राहुल, प्रियंका और सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे जैसे नेताओं की बैठकों और प्रेस वाताओं ने यह दशार्या कि वे इस मुद्दे को जनहित की बजाय राजनीतिक अवसर के रूप में अधिक देख रहे हैं ।महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील विषय पर स्पष्ट और ठोस समर्थन देने के बजाय उन्होंने शर्तों और संशोधनों की बात कर अपने रुख को कमजोर किया है। यह जनता के सामने उनकी प्राथमिकताओं को उजागर करता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि विपक्ष अब यह कह रहा है कि पुराने विधेयक को वर्तमान सीटों पर लागू किया जाए लेकिन जब अवसर था तब उन्होंने उसी विधेयक को समर्थन क्यों नहीं दिया। यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। जनता इस विरोधाभास को भलीभांति समझ रही है और यह स्थिति विपक्ष की विश्वसनीयता को कमजोर करती है।

परिसीमन के मुद्दे पर भी जिस प्रकार से भ्रम फैलाने की कोशिश की गई वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ न्याय नहीं

है यह एक संवैधानिक व्यवस्था है जिसका उद्देश्य प्रतिनिधित्व को संतुलित करना है। लेकिन इसे क्षेत्रीय असंतुलन और राजनीतिक नुकसान के रूप में प्रस्तुत करना केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास प्रतीत होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में इस भ्रम को दूर करने का प्रयास किया और यह स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया सभी राज्यों के लिए समान रूप से लागू होती है।

इस पूरे घटनाक्रम में भाजपा और एनडीए की रणनीति अधिक स्पष्ट और संगठित दिखाई देती है जहां एक ओर वे संसद में अपने प्रयासों के माध्यम से विधेयक को पारित कराने की कोशिश कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर अब वे जनता के बीच जाकर इस विषय को समझाने का संकल्प ले रहे हैं। यह सक्रियता और आत्मविश्वास यह दशार्ता है कि वे इस मुद्दे को केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में देखते हैं।

विपक्ष द्वारा देशभर में अभियान चलाने और सरकार के खिलाफ वातावरण बनाने की बात यह दशार्ती है कि वे संसद में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाने में असफल रहे अब वे सड़कों पर संघर्ष के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं ,लेकिन आज की जागरूक जनता केवल नारों और आरोपों से प्रभावित नहीं होती वह कार्य और नीयत दोनों को परखती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जिस प्रकार से परिवारवाद और स्वार्थी राजनीति का उल्लेख किया वह भारतीय राजनीति की एक पुरानी समस्या की ओर संकेत करता है ।जब निर्णय समाज के व्यापक हित की बजाय कुछ परिवारों के हित में लिए जाते हैं, तब विकास और समान अवसर बाधित होते हैं ।महिला आरक्षण जैसे विषय ऐसे ढांचे के लिए चुनौती बनते हैं क्योंकि यह नई नेतृत्व क्षमता को जन्म देता है और सत्ता के केंद्रीकरण को तोड़ता है।

इस पूरे प्रकरण ने यह भी स्पष्ट किया है कि आज की नारी केवल दर्शक नहीं है वह सक्रिय रूप से राजनीति और समाज को समझ रही है। वह यह देख रही है कि कौन उसके अधिकारों के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहा है और कौन केवल दिखावे की राजनीति कर रहा है। यह जागरूकता भविष्य के राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करेगी।

कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के लिए यह स्थिति एक बड़ी राजनीतिक चुनौती के रूप में सामने आई है ।उनकी रणनीति में स्पष्टता की कमी और उनके बयानों में विरोधाभास ने उन्हें कमजोर स्थिति में ला खड़ा किया है ।यह कहना गलत नहीं होगा कि इस मुद्दे पर उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है यह हार केवल संसद में नहीं बल्कि जनमानस में भी दिखाई दे रही है।

दूसरी ओर एनडीए के लिए यह एक अलग प्रकार की स्थिति है, जहां विधेयक पारित न हो पाने के बावजूद उन्होंने नैतिक और वैचारिक स्तर पर एक मजबूत स्थान प्राप्त किया है। यह वह स्थिति है जहां संघर्ष में भी जीत का अनुभव होता है। क्योंकि उद्देश्य स्पष्ट और प्रयास निरंतर हैं जनता इस अंतर को समझती है और यही समझ भविष्य में उनके समर्थन का आधार बन सकती है।

यह समय सभी राजनीतिक दलों के लिए आत्ममंथन का है लेकिन विशेष रूप से विपक्ष के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल विरोध की राजनीति से आगे बढ़े और राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक भूमिका निभाए अन्यथा वह जनता का विश्वास खोता जाएगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि महिला आरक्षण और परिसीमन का यह पूरा घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अध्याय बन गया है ।इसमें जहां एक ओर विपक्ष की कमजोरियां उजागर हुई हैं वहीं दूसरी ओर एनडीए की दृढ़ता और संकल्प सामने आया है। यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं वे यह बताते हैं कि जनता अब अधिक सजग है और वह सही समय पर सही निर्णय लेने के लिए तैयार है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष भी है।

संपादकीय

मानव हित सर्वोपरि

हमारे समाज के बुद्धिजीवी, अध्यात्मिक व सामाजिक चिंतक गाहे-बगाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मानवीय मूल्यों के क्षरण पर लगातार चिंता जताते रहे हैं। अब इस चिंता पर पोप लियो 14 की स्वीकारोक्ति ने मोहर लगायी है। उन्होंने आशंका जतायी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से वैश्विक ध्रुवीकरण, संघर्ष, भय और हिंसा को बढ़ावा मिल सकता है। उनके इस बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। ऐसे वक्त में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुविधा, गति व नवाचार के लिये सराहा जा रहा है, पोप ने चेताया है कि नैतिकता के बिना प्रौद्योगिकी घातक साबित हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि मूल रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता बुरी नहीं है, लेकिन यह तटस्थ भी नहीं है। निस्संदेह, इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता कि संस्थान व सरकारें इसे कैसे डिजाइन करती हैं और कैसे इसका उपयोग करती हैं। हाल की कुछ घटनाओं ने इन चिंताओं की पुष्टि भी की है। विभिन्न देशों के लोकतांत्रिक चुनाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक और क्लोन की गई आवाजों का प्रयोग झूठे विमर्शों को फैलाने, मतदाताओं को भ्रमित करने में किया गया। जिससे दुनिया में लोकतांत्रिक संस्थानों के प्रति जनता का भरोसा डिगा है। यह खतरनाक है कि साइबर ठगों ने क्लोनिंग उपकरणों के जरिये आवाज का उपयोग परिवार के सदस्यों व अधिकारियों के रूप में किया है। इसके जरिये साइबर अपराधियों ने पूरी दुनिया में लाखों लोगों की जीवन भर की पूंजी तक लूटी है।

विडंबना है कि जिस कार्य को अब तक तकनीकी-कौशल व संसाधनों के जरिये किया जाता था, वह तकनीक से अब आसानी व बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग भ्रामक सूचनाओं के लिये ही नहीं किया जा रहा है। आशंका है कि उन्नत एआई के जरिये वित्तीय प्रणालियों और साइबर सुरक्षा को खतरा पैदा किया जा सकता है। चिंता है कि शक्तिशाली एआई तकनीक से वित्तीय व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को निशाना बनाया जा सकता है। जिसे पकड़ना नियामक संस्थाओं के लिये मुश्किल होगा। ये स्वचालित हमले बैंकिंग नेटवर्क में धोखाधड़ी करने में सक्षम हो सकते हैं। जो हमारी डिजिटल दुनिया से भी आगे घातक प्रभाव डाल सकते हैं। जिससे देशों में वित्तीय संकट पैदा हो सकते हैं। भुगतान व्यवस्था में व्यवधान व विश्वास से छल तथा राजनीतिक दुष्प्रचार से समाज में अस्थिरता पैदा हो सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पर्यावरणीय घातक प्रभाव भी कम नहीं हैं। एआई के विस्तार के लिये विशाल डेटा केंद्रों, कोबाल्ट व लिथियम जैसे खनिजों की खुदाई की जरूरत होती है। जिसके लिये भारी पर्यावरणीय व मानवीय लागत की जरूरत होती है। निस्संदेह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में न तो इसे नकारा ही जा सकता है और न ही ये बुद्धिमत्ता का फैसला होगा, लेकिन इसका जिम्मेदारी से प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन व उत्पादकता में यह रामबाण सिद्ध हो सकती है, लेकिन यह मजबूत कानून, कंपनियों के सिस्टम की पारदर्शिता व सुरक्षा से ही निरापद हो सकती है। नागरिकों की डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना होगा।

भारतीय शिप ईरान की आई आर जी सी सेना की गोलिबारी निंदनीय

संजय गोस्वामी

शनिवार 18 अप्रैल 26 को भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, ईरानी आईआरजीसी ने नौसेना की गनबोटों ने भारतीय ध्वज वाले टैंकरों के पास चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं भारतिय दो टैंकर पर आई आर जी सी ने गोली चला दी भारत ने होर्मुज स्ट्रेट पर दो भारतीय जहाजों पर हुई गोलीबारी की घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए देश में ईरान के राजदूत को तलब किया। हालांकि, विदेश मंत्रालय के बयान में समन शब्द का प्रयोग नहीं किया गया, लेकिन यह संकेत दिया गया कि ईरानी राजदूत फाथली को शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू भवन में विदेश सचिव से मिलने के लिए कहा गया था।भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने शनिवार (18 अप्रैल) शाम को भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली को तलब किया और होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी युद्धपोतों द्वारा दो भारतीय जहाजों पर की गई गोलीबारी पर ह्यगंभीर चिंताह्न जताई है।

ये घटनाएं ऐसे समय हुईं, जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई के तौर पर इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया है। यह बंदी अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर यातायात की निरंतर नाकाबंदी के जवाब में की गई है, जबकि तेहरान ने इस सप्ताह की शुरूआत में वाणिज्यिक यातायात के लिए इस मार्ग को खोलने का निर्णय लिया था

वो जो टैंकर था वो तो आप सभी धर्मों के लोगों के लिए था ऐ बहुत ही शर्मनाक घटना है फिर भी यहाँ के लोग उसको सपोर्ट करते हैं गलत है राष्ट्र सर्वोपरि है भारत माता के लिए हमेशा हमें

शनिवार 18 अप्रैल 26 को होरमुज जलडमरूमध्य में भारत के झंडे वाले दो जहाजों पर हुई फायरिंग ने ईरान की सत्ता संरचना में बढ़ती दरार को उजागर कर दिया है। यह फायरिंग इस बात को लेकर हुई भ्रम के कारण हुई कि शनिवार को होरमुज जलडमरूमध्य खुला था या नहीं। जहाँ एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि सभी जहाज होरमुज जलडमरूमध्य से गुजर सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब वे ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के साथ समन्वय करें, वहीं इसके विदेश मंत्री, अब्बास अराघची ने कहा कि फारस की खाड़ी में यह संकरा रास्ता खुला है, क्योंकि लेबनान में इजराइल-हिज्बुल्ला युद्ध के लिए संघर्ष-विराम समझौते पर सहमति बन गई थी। भारत को नेवी शिप भेज कर इसका करारा जबाब देना चाहिए भारत 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है और भारत ऐसा देश है जो गोली का जबाब गोली से देना जानता है भारत के लोग कहीं भी हो

अगर हमला हुआ है तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए ईरान में सत्ता संघर्ष हो या कुछ भी ऐ एक आतंकवादी घटना है शिप पर भारत का तिरंगा होगा यदि इसे शक्ति से नहीं लिया गया तो आतंकी का हौसला बढ़ेगा और दुनिया में इसे मजाक बनाया जाएगा जिससे भारत की छवि धूमिल होगी जब ईरान की नेवी को अमेरिका के हमले से बचाने के लिए कोच्ची में अपना नेवी शिप भेज कर अमेरिका को अपनी ताकत का अहसास करा सकता है तो ऐसा हमला बर्दास्त नहीं है चाहे कोई भी हो भारत को इसका करारा जबाब देना चाहिए हम भगवान राम के मार्गदर्शन पर चलने वाले मान और मयार्दा से रहने वाला शांति प्रिय देश है तो हमें अपने लोगों की रक्षा का पूर्ण अधिकार है भारत को इसे गंभीरता से लेकर जबाबी कार्यवाही करना चाहिए अमेरिका क्या कर रहा है नहीं कर रहा है ऐ दो देशों का अंदरूनी मामला है इसमें भारत का कोई रोल नहीं है भारत एक शान्तिप्रिय देश है और भारत माँ की रक्षा के लिए मर मिटने वाला देश है ऐ हमला बिल्कुल जायज नहीं है इसपर भारत को कड़ा रुख अपनाना चाहिए ईरान की आबादी 9 करोड़ है और भारत की आबादी 140 करोड़ है इसे यदि हल्के में लिया गया तो परोसी दुश्मन मुल्क मजाक उड़ा सकता है क्योंकि उसके जहाज आ रहे हैँ हम अपनी रक्षा के लिए आत्मनिर्भर हैं आतंकी हमला बर्दास्त नहीं है। भारत परमाणु संपन्न देश है और भारतीयों की रक्षा के लिए भारतीय सेना पूरे विश्व में अव्वल है भारतीय सशस्त्र बल भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रबन्धन के अधीन हैं। 14 लाख से अधिक सक्रिय कर्मियों की शक्ति के साथ, यह विश्व की द्वितीय

सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है इसलिए भारत को इसका कड़ा जबाब देना चाहिए नहीं तो पाकिस्तान और ईरान दोनों की सीमा सटती है वहाँ से तो आतंकवाद होता रहता है अब यदि धर्म के नाम पर ईरान भी इसी रास्ते चला तो आने वाले समय में आतंकवादी घटना बढ़ेगी लेकिन यहाँ तो एक नारी शक्ति बिल पर राजनीति हो रही जो संसद में पास नहीं हुआ लोकतंत्र है ऐसा होता है इसका सम्मान करना चाहिए हालांकि मुझे भी दुःख है लेकिन अदालत तो संसद के निर्णय को ही सही मानेगी अगर गलत है तो अगले चुनाव में पूर्ण बहुमत दे देना लेकिन राष्ट्र हित में जो निर्णय लिए जाएं वो सही हो इसलिए इस मुद्दे पर कार्यवाही करना चाहिए।

राजनीति और शेयर बाजार-एक अदृश्य लेकिन गहरा संबंध- विदेशी निवेशकों की मानसिकता: स्थिरता ही सर्वोच्च प्राथमिकता

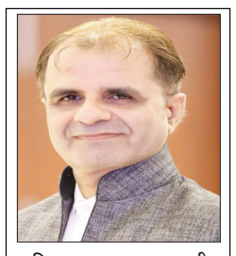

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर शेयर बाजार को अक्सर केवल आर्थिक आंकड़ों, कॉर्पोरेट प्रदर्शन और वैश्विक संकेतकों से जोड़कर देखा जाता है,लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। बाजार का एक महत्वपूर्ण आधार विश्वास (कॉन्फिडेंस) होता है,और यह विश्वास सीधे तौर पर राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत स्पष्टता औरशासन की विश्वसनीयता से जुड़ा होता है।16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी विश्वास को झकझोरने का काम किया। एक तरफ नारी शक्ति वंदन अधिनियम को आधी रात में लागू किया गया, वहीं दूसरी ओर संवैधानिक संशोधन विधेयक का गिर जाना बाजार के लिए एक जटिल संकेत बनकर उभरा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह घटनाक्रम केवल राजनीतिक नहीं था इसने निवेशकों के मनोविज्ञान, विदेशी पूंजी प्रवाह, और भारतीय शेयर बाजार की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई।लोकसभा में 528 सांसदों द्वारा मतदान, जिसमें 298 समर्थन और 230 विरोध में वोट पड़े,लेकिन दो-तिहाई बहुमत की कमी के कारण विधेयक का गिर जाना यह एक सामान्य संसदीय घटना नहीं थी।शेयर बाजार के दृष्टिकोण से यह पॉलिसी फेलियर सिग्नल (नीतिगत विफलता का संकेत) है। जब कोई सरकार बड़ा संवैधानिक संशोधन पास नहीं कर पाती, तो निवेशकों को यह संकेत मिलता है कि भविष्य में भी बड़े आर्थिक सुधारों को लागू करना कठिन हो सकता है।यहीं से बाजार में अनिश्चितता का प्रवेश होता है और अनिश्चितता ही शेयर बाजार की सबसे बड़ी और सटीक दुश्मन होती है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत की आर्थिक प्रतिष्ठा और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टिः नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है।इस संदर्भ में इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इससे देश की जोखिम प्रोफाइल (रिस्क परसेंप्शन) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल इन्फ्लेोज)पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है।शेयर बाजार की मनोविज्ञानः अनिश्चितता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है,शेयर बाजार मूलतः अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब सरकार के बड़े विधेयक विफल होते हैं,तो निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है।विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में हो, तब इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में गिरावट बहुत ही तेज हो सकती है।

साथियों बात अगर हम रूल 66 और बाजार की प्रतिक्रियाः प्रक्रिया बनाम परिणाम को समझने की करें तो, संसद में रूल 66 को निलंबित करना और तीन विधेयकों को एक साथ जोड़ना केवल राजनीतिक रणनीति नहीं थी, बल्कि यह बाजार के लिए एक ह्यप्रोसीजरल रिस्क ह्व (प्रक्रियागत जोखिम) का संकेत था।निवेशक केवल यह नहीं देखते कि क्या पास हुआ या नहीं,बल्कि यह भी देखते हैं कि निर्णय कैसे लिए गए। जब प्रक्रिया में पारदर्शिता कम होती है, तो बाजार में ह्यगवर्नेंस रिस्क प्रीमियमह्व बढ़ जाता है अर्थात निवेशक अधिक जोखिम मानकर निवेश कम करने लगते हैं।शेयर बाजार की तत्काल प्रतिक्रियाः गिरावट, अस्थिरता और एफआईआई की रणनीतिऐसे घटनाक्रमों के बाद आमतौर पर तीन प्रकार की प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलती हैंः शॉर्ट-टर्म गिरावट (शार्ट - टर्म-करेक्शन):निवेशक घबराहट में बिकवाली शुरू करते हैं,जिससे बाजार में गिरावट आती है।वोलैटिलिटी (वोलाटिलिटी) में वृद्धिः बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ जाता है, क्योंकि निवेशक स्पष्ट दिशा नहीं समझ पाते।

साथियों बात अगर हम फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स) का सतर्क रवैयाः इसको समझने की करें तो विदेशी निवेशक अस्थायी रूप से निवेश घटा सकते हैं या 'वेट एंड वाच रणनीति अपनाते हैं। यह वही स्थिति है जो 16-17 अप्रैल के बाद देखने को मिल सकती है विशेषकर तब, जब बाजार पहले से गिरावट के दबाव में हो।वैश्विक निवेशक जैसे इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक से जुड़े विश्लेषक किसी भी देश की निवेश क्षमता को तीन प्रमुख आधारों पर आंकते हैं:(1) राजनीतिक स्थिरता (2) नीतिगत निरंतरता (3)संस्थागत पारदर्शिता जब संसद में बड़ा विधेयक गिरता है, तो यह संकेत जाता है कि सरकार को व्यापक समर्थन प्राप्त नहीं है।इससे पोलिटिकल रिस्क इंडेक्स बढ़ता है, जो सीधे तौर पर निवेश निर्णयों को प्रभावित करता है।

साथियों बात अगर हम रुपया, बॉन्ड मार्केट और इक्विटी मार्केट पर संयुक्त प्रभाव इसको समझने की करें तो इस प्रकार की राजनीतिक अनिश्चितता का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह तीन स्तरों पर प्रभाव डालता है:(1) रुपया (करेंसी):विदेशी निवेशक यदि पैसा निकालते हैं, तो रुपये पर दबाव बढ़ता है और वह डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है।(2)बॉन्ड मार्केटः सरकारी नीतियों पर भरोसा कम होने से बॉन्ड यील्ड बढ़ सकती है, जिससे उधारी महंगी हो जाती है। (3) इक्विटी मार्केटः कंपनियों के भविष्य के मुनाफे पर अनिश्चितता बढ़ने से शेयरों की कीमतों में गिरावट आ सकती है।महिला सशक्तिकरण और बाजार का दीर्घकालिक दृष्टिकोणहालांकि अल्पकालिक प्रभाव नकारात्मक हो सकता है,लेकिन महिला सशक्तिकरण जैसे सुधार दीर्घकाल में बाजार के लिए अत्यंत सकारात्मक होते हैं।वर्ल्ड बैंक के अनुसार यदि महिला श्रम भागीदारी में वृद्धि होती है,तो जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।इसका सीधा प्रभाव शेयर बाजार पर पड़ता है, क्योंकिः(1) उपभोक्ता मांग बढ़ती है(2) कंपनियों की बिक्री और मुनाफा बढ़ता है (3) आर्थिक गतिविधि तेज होती हैअर्थात, महिला आरक्षण जैसे कदम बाजार के लिए 'लॉन्ग - टर्म बुलिश ट्रिगर' बन सकते हैं भले ही अल्पकाल में अनिश्चितता हो।

साथियों बात अगर हमस्टार्टअप इकोसिस्टम और क्विक-कॉमर्स विवाद को समझने की करें तोः बाजार के लिए नया जोखिम- भारत का शेयर बाजार इस समय एक और चुनौती का सामना कर रहा है स्टार्टअप बनाम पारंपरिक अर्थव्यवस्था का संघर्ष।जीप्टो , ब्लाईंकिट और स्विग्गी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स ने तेजी से विस्तार किया है।वहीं आल इंडिया कंस्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन ने इनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं जैसे प्रेडेटरी प्राइसिंग और पारंपरिक रिटेल को नुकसान।आईपीओ बाजार पर संभावित असरः वैल्यूएशन बनाम वास्तविकता, यदि घाटे में चल रही कंपनियाँ उच्च वैल्यूएशन पर आईपीओ लाती हैं, तो यह बाजार में बबल फार्मेशन का संकेत हो सकता है।(1) निवेशकों के लिए जोखिम : (2)ओवरवैल्यूएशन पर निवेश (3) लिस्टिंग के बाद गिरावट (4) बाजार में भरोसे की कमी,यदि ऐसे आईपीओ असफल होते हैं, तो यह पूरे टेक सेक्टर और स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रभावित कर सकता है।

साथियों बात अगर हम नियामक साख और बाजार की विश्वसनीयता इसको समझने की करें तो, नियामक संस्थाओं की भूमिका इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि वे निवेशकों के हितों की रक्षा नहीं कर पाते, तो बाजार की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ सकते हैं।यह स्थिति विदेशी निवेशकों के लिए एक 'रेड फ्लैग' बन सकती है, जिससे वे अन्य देशों की ओर रुख कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक घटनाक्रम और बाजार के बीच संबंध का सार इसको समझने की करें तो 16-17 अप्रैल 2026 की घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि:राजनीति और बाजार अलग-अलग नहीं हैं,नीतिगत अनिश्चितता बाजार को तुरंत प्रभावित करती है,निवेशकों का विश्वास सबसे महत्वपूर्ण कारक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्या यह गिरावट अवसर है या चेतावनी? शेयर बाजार में हर गिरावट केवल जोखिम नहीं होती कई बार यह अवसर भी होती है। यदि सरकार आने वाले समय में:नीतिगत स्पष्टता बढ़ाती है,आर्थिक सुधारों को जारी रखती है,निवेशकों का विश्वास बहाल करती है,तो यह गिरावट एक 'बाइंग अपोर्चुनिटी बन सकती है।लेकिन यदि अनिश्चितता बनी रहती है, तो यह बाजार के लिए एक दीर्घकालिक चुनौती बन सकती है।इसलिए ,भारतीय शेयर बाजार का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि देशराजनीतिक स्थिरता और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है क्योंकि आज का निवेशक केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि विश्वास से निवेश करता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चिंतन-मनन

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है।

सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षों में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

डिलीवरी बॉय के नाम पर करोड़ों का कारोबार? पैन कार्ड से हुआ खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर. जनपद से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक गरीब डिलीवरी बॉय के पैन कार्ड का दुरुपयोग कर उसके नाम पर करोड़ों रुपये का फर्जी कारोबार दिखा दिया गया. मामले में पीड़ित न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से वह मानसिक रूप से टूट चुका है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, धामपुर तहसील के ग्राम पृथ्वीपुर बनवारी निवासी फिरोज अहमद Amazon में डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता है. उसके पैन कार्ड का इस्तेमाल करके साल 2020-21 में फर्जी तरीके से जीएसटी रजिस्ट्रेशन करा लिया गया. इस फर्जी फर्म का नाम WYN IMPEX रखा गया और 14 जुलाई 2020 से इसका रजिस्ट्रेशन सक्रिय दिखाया गया. हैरानी की बात यह है कि यहां जीएसटी पोर्टल पर अगले महीने अगस्त 2020 में ही 9 करोड़ 49 लाख 19 हजार 616 रुपये का फर्जी कारोबार दर्ज कर दिया गया, जबकि पीड़ित को इस लेन-देन की कोई जानकारी तक नहीं थी और न ही उसे कोई रकम प्राप्त हुई.

इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब आयकर विभाग की ओर से फिरोज अहमद को नोटिस जारी किया गया. पहली बार नोटिस मिलने के बाद वह सकते में आ गया और जब उसने जीएसटी विभाग से जानकारी जुटाई तो पूरे मामले का पर्दाफाश हुआ. इसके बाद 28 जून 2025 को आयकर विभाग द्वारा पुनः नोटिस जारी किया गया, जो उसे 3 जुलाई 2025 को प्राप्त हुआ.

पीड़ित को लगातार मिल रहे नोटिस

जांच में सामने आया कि जीएसटी रजिस्ट्रेशन के दौरान इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, दस्तावेज, एफिडेविट और हस्ताक्षर, पूरी तरह फर्जी हैं और इनका पीड़ित से कोई संबंध नहीं है.
पीड़ित फिरोज अहमद ने बताया कि वह एक गरीब मजदूर है और जन्म से अपने गांव में रह रहा है. उसने 13 अगस्त 2025 को इस मामले की शिकायत एसपी कार्यालय में भी की थी, लेकिन आरोप है कि न तो उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई हुई और न ही उसे रिसीविंग तक दी गई. लगातार मिल रहे नोटिस, आर्थिक और मानसिक दबाव तथा प्रशासनिक उदासीनता के चलते पीड़ित अब गहरे तनाव में है.

यह मामला न सिर्फ पहचान की चोरी (Identity Theft) का गंभीर उदाहरण है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे की भी ओर इशारा करता है. अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक संज्ञान लेकर पीड़ित को न्याय दिलाता है.

'फरसा-डंडा लहराने वालों पर FIR होगी', मेरठ में परशुराम जयंती पर महिला डिप्टी SP ने चेताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ । उत्तरप्रदेश के मेरठ में परशुराम जन्मोत्सव की शौर्य यात्रा के दौरान फरसा और डंडा लहराने पर डिप्टी एसपी सुचिता सिंह ने सख्त रुख अपनाया. उन्होंने माइक से चेतावनी दी कि हुड़दंग करने वालों की फोटोग्राफी हो रही है और उन पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा. सोशल मीडिया पर महिला पुलिस अधिकारी का यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है.
पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ में रविवार को भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में भव्य शौर्य यात्रा निकाली गई. इसमें बुलडोजर विशेष आकर्षण का केंद्र रहा. इस बीच यात्रा के जुलूस में फरसा लहराने व डंडा साथ लेकर चलने वालों को महिला डिप्टी एसपी सख्त हिदायत देती हुई नजर आईं, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.
वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे डिप्टी एसपी सुचिता सिंह माइक लेकर चेतावनी दे रही हैं कि जो लोग फरसा और डंडा लेकर चल रहे हैं उनकी पहचान कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा.
मेरठ की डिप्टी एसपी सुचिता सिंह कहती हैं- 'सब पर FIR , मैं अभी बता रही हूं, यह जो फरसा लहरा रहे हैं, डंडा लहरा रहे हैं, सबकी फोटोग्राफी हो रही है और इन सब पर मुकदमा लिखा जाएगा. दरअसल, बीते रविवार को मेरठ में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष में भव्य शौर्य यात्रा निकाली गई थी. यह यात्रा सीसीएसयू गेट से शुरू हुई थी. यात्रा का कई स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया. इस दौरान कुछ युवा फरसे, डंडे लिए नजर आए.

बताया जा रहा है कि यात्रा में डिप्टी एसपी सुचिता सिंह की ड्यूटी लगी थी, जो जुलूस में युवकों के हाथ में डंडे और फरसे देखकर गुस्सा गईं और माइक लेकर उनको सख्त हिदायत देने लगीं. फिलहाल, सुचिता सिंह का यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. यूजर्स इस पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं.

दिल्ली में LPG की कालाबाजारी पर एक्शन, छापेमारी में सिलेंडर का जखीरा जब्त

नई दिल्ली: क्राइम ब्रांच ने संगम विहार इलाके में बड़ी कार्रवाई करते हुए गैस सिलिंडरों की अवैध जमाखोरी और रिफिलिंग के रैकेट का खुलासा किया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान 68 भारत गैस के सिलिंडर बरामद किए हैं। जिनमें 36 भरे हुए, 29 खाली और 3 टूटे सील वाले सिलिंडर शामिल है। गैस भरने वाली मशीन रिफ्यूलिंग मोटर और इलेक्ट्रॉनिक कांटा भी मिला है। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी संजीव यादव के मुताबिक, क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि संगम विहार में कुछ लोग अवैध तरीके से LPG सिलिंडर भरकर ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। पुलिस टीम ने त-2 ब्लॉक में छापा मारा, जहां दीपक और श्याम मिले। दोनों एजेंसी के डिलिवरी एजेंट है। ये सिलिंडर लेकर ग्राहकों तक पहुंचाने के बजाय घर में जमा कर लेते थे। कोटला मुबारकपुर से 36 सिलिंडर जब्त साउथ डिस्ट्रिक्ट के कोटला मुबारकपुर इलाके में पुलिस ने अवैध रूप से चल रहे गैस सिलिंडरों के गोदाम का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से 36 घरेलू गैस सिलिंडर, कई छोटे सिलिंडर, एक इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन और रिफिलिंग नोजल बरामद की है। आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान जगन्नाथ पाल (56) के रूप में हुई है, जो पंजाबी बाजार, कोटला मुबारकपुर का रहने वाला है। ये कह रही पुलिस पुलिस के अनुसार, हेड कॉन्स्टेबल संदीप और कॉन्स्टेबल आदित्य इलाके में गश्त पर थे। इसी दौरान एक मुखबिर ने सूचना दी कि चौपाल के पास एक दुकान में बिना लाइसेंस बड़ी संख्या में गैस सिलिंडर जमा कर अवैध रूप से भंडारण और रिफिलिंग का काम किया जा रहा है। पुलिस टीम सादे कपड़ों में पहुंची और बताए गए स्थान पर छापा मारा। जांच के दौरान दुकान के अंदर एचपी, भारत और इंडेन कंपनियों के भरे और खाली सिलिंडर मिले।

नोएडा में हिजाब वाली महिला को बचाने वाली लड़की को मिल रही धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

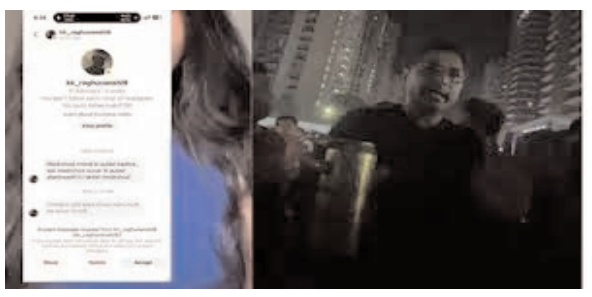

नोएडा: यूपी के नोएडा में शुक्रवार रात एक युवक बीयर की बोतल लेकर नशे में मुस्लिम दंपती से अभद्रता कर रहा था। वह खुद को पुलिसवाला बताकर उनसे आई कार्ड मांग रहा था। इस बीच, एक युवती वहां आई और मुस्लिम दंपती के समर्थन में बोलते हुए युवक का विरोध करने लगी। उसने युवक से कहा कि वह गौड़ सिटी जैसी जगह जहां पर पढ़े लिखे लोग रहते हैं, वहां जाति और धर्म के नाम पर तमाशा कर रहा है। अब इस युवती ने आरोप लगाया है कि उसे सोशल मीडिया पर लोग जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। युवती ने एक वीडियो बनाकर अपना पक्ष सामने रखा है। युवती ने स्क्रीनशॉट पोस्ट कर बताया कि उसे मुल्ली और मुस्लिम कहा जा रहा है। कहा जा रहा है कि वह कन्वर्टेड है। उसे गंदे-गंदे थ्रेट आ रहे हैं। उससे उसका रेट पूछा जा रहा है। वीडियो में युवती ने कहा कि वह शुक्रवार रात साढ़े दस बजे खाना खाने बाहर निकली थी। इस दौरान उसे गौड़ सिटी 2 स्थित व्हाइट ऑर्किड मार्केट में भीड़ नजर आई। 'मैंने अकेले युवक का विरोध किया' युवती ने बताया कि पता चला कि एक युवती मुस्लिम महिला से आई कार्ड मांग रहा था क?योंकि वह हिजाब पहने हुई थी। उसने अपना नाम भी बताया। उसके बाद भी वह उसके पीछे पड़ा रहा। वह बोला कि अपनी आईडी तो नहीं तो तुम्हें जेल में भेज देंगे। वहां मौजूद भीड़ तमाशा देख रही थी। मैंने अकेले उस युवक का विरोध शुरू कया। तब जाकर और लोगों ने बोलना शुरू किया।

'मुझे लोग गंदे-गंदे कमेंट कर रहे हैं'

युवती ने आगे कहा- मैंने पुलिस को प्रूफ देने के लिए वीडियो बनाया ना कि सोशल मीडिया पर व्यूज पाने के लिए। मैंने मुस्लिम महिला को उस शराबी युवक से बचाया। उल्टा लोग मुझे ही गंदे-गंदे कमेंट कर रहे हैं। खुलेआम बीयर हाथ में लिए दिखा युवक इससे पहले वायरल हुए वीडियो में बदसलूकी करने वाला युवक खुलेआम हाथ में बीयर लिए नजर आ रहा है। वह कह रहा है कि जब तक ये मुस्लिम महिला अपना आईकार्ड नहीं दिखाती, वह उसको जाने नहीं देगा।

अलीगढ़ में गांजा तस्कर पर बड़ी कार्रवाई, ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंची पुलिस, 3.33 करोड़ की संपत्ति कुर्क

अलीगढ़: उत्तर प्रदेश में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अलीगढ़ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। गांजा तस्करी करने वाले संगठित गैंग के सरगना की करीब 3 करोड़ 33 लाख 36 हजार रुपये की अवैध संपत्ति को कुर्क कर दिया गया। इस कार्रवाई की खास बात यह रही कि पुलिस ढोल-नगाड़ों के साथ मौके पर पहुंची और मुनादी कर लोगों के बीच यह संदेश दिया कि नशा माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है।

ढोल-नगाड़ों के साथ कुर्की

जब पुलिस टीम ढोल-नगाड़ों के साथ आरोपी की संपत्तियों पर पहुंची तो स्थानीय लोग पहले हैरान रह गए। लेकिन जैसे ही मुनादी कर यह बताया गया कि गांजा तस्कर की संपत्ति कुर्क की जा रही है, लोगों को कार्रवाई की गंभीरता का अंदाजा हुआ। इस अनोखे तरीके ने इलाके में चर्चा को और तेज कर दिया।

490 किलो गांजा बरामदगी से खुला नेटवर्क

इस पूरे मामले की शुरुआत 11 फरवरी को हुई थी, जब एएनटीएफ आगरा यूनिट से मिली सूचना के आधार पर इगलास कोतवाली क्षेत्र के सिकुर्रा गांव में छापेमारी की गई। पुलिस ने एक ट्रैक्टर से 490 किलो गांजा बरामद किया और मौके से पुष्पेंद्र नामक आरोपी को गिरफ्तार किया। इसी कार्रवाई के बाद पूरे नेटवर्क की जांच शुरू हुई।

गैंग बनाकर करता था तस्करी

पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी कृपाल सिंह अपने साथियों नीरज उर्फ टाइगर, नेहना उर्फ रवि, अमन चौधरी उर्फ छोटू, सतपाल, सोनू और पुष्पेंद्र के साथ मिलकर संगठित तरीके से गांजा तस्करी करता था। यह गैंग ओडिशा से गांजा मंगाकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई करता था।
अवैध कमाई से बनाई करोड़ों की संपत्ति पुलिस के अनुसार आरोपी ने तस्करी से अर्जित धन से कई संपत्तियां बनाई थीं। इनमें हाथरस रोड स्थित ग्राम पंचायत मडोरा में करीब 1.69 करोड़ रुपये का तीन मंजिला होटल, ग्राम पंचायत नयावास में 1.47 करोड़ रुपये का भूखंड और ग्राम पंचायत तेहरा में करीब 15.96 लाख रुपये की कृषि भूमि शामिल है। इन सभी संपत्तियों को न्यायालय के आदेश पर कुर्क किया गया है।

गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई

सीओ इगलास वरुण कुमार सिंह के मुताबिक यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई है। पुलिस का कहना है कि जिले में नशा तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध संपत्ति अर्जित करने वालों पर इसी तरह कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संस्कृत सिर्फ भाषा नहीं, यह हमारे विचार और जीवन की सबसे प्राचीन परंपरा है: मोहन भागवत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

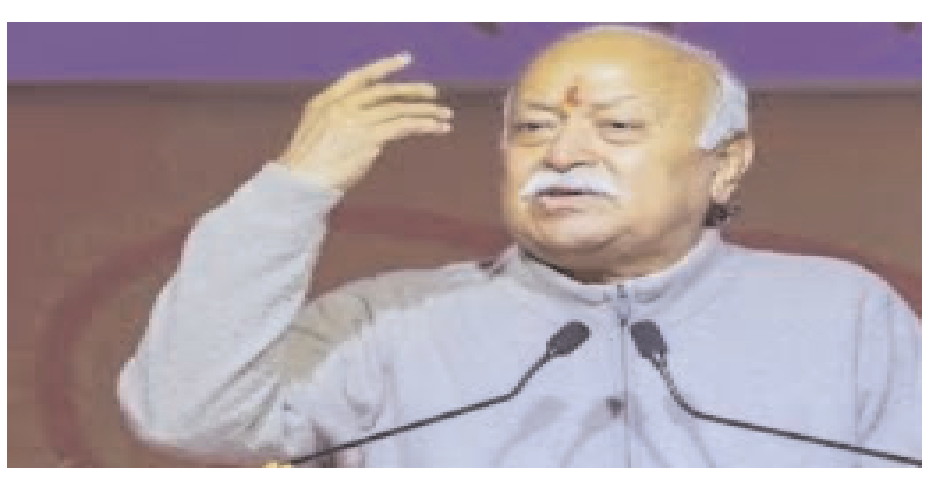

नई दिल्ली: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को संस्कृत सीखने के महत्व पर जोर देते हुए इसे भारत की 'आत्मा' और देश की सभ्यतागत निरंतरता का एक अनिवार्य तत्व बताया। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत दिल्ली में संस्कृत भारती के केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में संस्कृत को आधुनिक संचार माध्यम के रूप में उपयोग करने के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया।
सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, 'संस्कृत एक भाषा है। फिर भी, यह मात्र एक भाषा नहीं है। भारत में, संस्कृत राष्ट्र की आत्मा है क्योंकि यह विचार, जीवन और संस्कृति की सबसे प्राचीन परंपरा है एक ऐसी परंपरा जो आज भी जीवंत है जो भारत में विद्यमान है।' उन्होंने भारत के दार्शनिक विचार को और विस्तार से समझाते हुए कहा, 'भारत का अस्तित्व मात्र एक भौगोलिक तथ्य नहीं है। यह महज एक राजनीतिक या आर्थिक इकाई नहीं है। भारत एक जीवंत परंपरा है, वह आधारशिला जिस पर जीवन की निरंतरता टिकी हुई है। '

संस्कृत कठिन नहीं, सीखने का तरीका अहम

भाषा के साथ अपने अनुभवों पर विचार करते हुए, भागवत ने कहा, 'बचपन में जब स्कूल में संस्कृत पढ़ाई जाती थी, तो यह कठिन लगती थी। पाठ्यक्रम में श्लोकों को याद करना अनिवार्य था, जिससे यह धारणा बनी कि संस्कृत एक कठिन भाषा है। फिर भी, जब मैंने उन्हीं श्लोकों को घर पर स्वाभाविक रूप से बोलते हुए सुना, तो वे मुझे कभी भी कठिन नहीं लगे।' उन्होंने कहा, 'यह समस्या आज भी बनी हुई है, छात्र संस्कृत को एक कठिन भाषा मानते हैं। लेकिन सवाल यह है कि यह इतनी कठिन क्यों लगती है? वास्तव में, किसी भाषा को सीखने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका पाठ्यपुस्तकों के माध्यम से नहीं, बल्कि बातचीत के माध्यम से है। '

बातचीत से भाषा सीखना आसान

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाषा सीखने का सबसे आसान तरीका उसमें पूरी तरह डूब जाना और नियमित रूप से उसका उपयोग करना है। उन्होंने कहा, 'जब भी मैं भारत भर में यात्रा करता हूं, भले ही मुझे विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं की विशिष्ट शब्दावली का ज्ञान न हो, फिर भी मैं अंतर्निहित भाव और अर्थ को समझ पाता हूं। निरंतर सुनने और बोलने से भाषा सहजतापूर्वक और बिना किसी प्रयास के सीखी जा सकती है। इसलिए, भाषा सीखने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप उस भाषा को बोलने वाले लोगों के बीच रहें, उन्हें सुनें और लगातार उस भाषा को बोलें। '

संस्कृत भारती से बढ़ी संस्कृत में नई रुचि

आरएसएस प्रमुख ने संस्कृत में रुचि को पुनर्जीवित करने में संस्कृत भारती की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि संगठन अपेक्षाकृत कम समय में 'पूरे देश में संस्कृत में नई रुचि पैदा करने में सफल रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि पिछले 15 वर्षों में संस्कृत के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में आया परिवर्तनकारी बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

महिला मित्र से मिलने आए डॉक्टर को धमकी, 2 छात्र अरेस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़ : उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एएमयू कैंपस के पास अमरोहा के डॉक्टर के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। आरोप है कि अभद्रता करने वाले छात्रों ने डॉक्टर से कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी छोटा पाकिस्तान है। यहां तुझे काटकर दफना देंगे। छात्रों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों छात्रों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।
अमरोहा के रहने वाले डॉक्टर कुलवंत सिंह ने पुलिस को बताया कि वह 14 अप्रैल को अपनी मित्र छात्रा से मिलने के लिए एएमयू कैंपस आए थे। मुलाकात के बाद जब वह वापस लौटने लगे तो रास्ते में दो छात्रों ने बदसलूकी शुरू कर दी। एक युवक ने खुद को एमटेक सेकेंड सेमेस?टर का छात्र बताया और गालियां देने लगा।

एक एमटेक दूसरा बीटेक छात्र

डॉक्टर ने आरोप लगाया कि छात्रों ने उससे कहा कि यहां सिर्फ मुस्लिमों की चलती है। एएमयू छोटा पाकिस्तान है। यहां तुझे काटकर हलाल कर देंगे और दफना देंगे। तेरे घरवालों को भी तेरा पता नहीं चलेगा। खुद को घिरा देखकर डॉक्टर ने डायल 112 पर फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी छात्रों की पहचान की। एक का नाम शहबाज और दूसरे का नाम नजीब है। एक एमटेक और दूसरा बीटेक का स्टूडेंट है।
अन्य आरोपियों की हो रही तलाश
पुलिस को इस मामले में अन्य आरोपियों की भी तलाश है। एएमयू की प्राक्टर टीम भी मौके पर पहुंची और डॉक्टर को अपने साथ प्रॉक्टर कार्यालय ले गई। पूछताछ के दौरान डॉक्टर का मोबाइल फोन भी कुछ देर के लिए ले लिया गया था। एसपी आदित्य बंसल ने बताया कि इस मामले में दो आरोपी छात्र पकड़े जा चुके हैं। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। इससे पहले भी अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में छात्रों के उत्पात की खबरें आ चुकी हैं।

सुसाइड या कुछ और? दिल्ली हाईकोर्ट के वकील ने होटल की 15वीं मंजिल से कूदकर दी जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली. के कनॉट प्लेस स्थित होटल द रॉयल प्लाजा की 15वीं मंजिल से 26 वर्षीय वकील राजेश सिंह ने आत्महत्या कर ली. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. दिल्ली के कनॉट प्लेस से एक दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है. यहां बीती रात एक युवक ने होटल की 15वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली. युवक की पहचान 26 साल के राजेश सिंह के तौर पर हुई. वह दिल्ली हाईकोर्ट में वकील थे और राजधानी के महावीर एन्क्लेव के रहने वाले थे। पुलिस के अनुसार, 18 अप्रैल को शाम करीब 6:30 बजे राजेश सिंह ने होटल द रॉयल प्लाजा में चेक-इन किया था. अगले दिन यानी 19 अप्रैल को रात 9:15 बजे पुलिस को सूचना मिली कि होटल से एक व्यक्ति ने छलांग लगा दी है. सूचना मिलते ही थाना कनॉट प्लेस के एसएचओ लोकल पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे. जांच में पता चला कि राजेश सिंह 18 अप्रैल की शाम इस होटल में आए थे. जांच के दौरान सामने आया कि राजेश सिंह ने कथित तौर पर होटल की 15वीं मंजिल से छलांग लगा दी. घायल को तुरंत Lad4 Hardine Medical College ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया है. क्राइम टीम और एफएसएल टीम ने मौके पर जांच की है और मामले जुड़े साक्ष्य इकट्ठे किए हैं. होटल परिसर के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की गई है. परिजनों के बयान के अनुसार, किसी प्रकार की साजिश या संदिग्ध स्थिति की आशंका नहीं जताई गई है.

दिल्ली में बनाई जा रही 22.76 चरूलंबी ड्रेन, बारिश का पानी भरने से मिलेगी मुक्ति!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: महरौली-बदरपुर रोड के पास स्थित लाडो सराय, साकेत, पुष्प विहार, मदनगीर, तुगलकाबाद और पुल प्रह्लादपुर के आसपास पिछले 12-15 साल से मौजूद जलभराव की समस्या जल्द खत्म होगी। इसके लिए 22.76 किमी लंबी ड्रेन बनाई जाएगी। पहले फेज में बत्रा हॉस्पिटल से पुल प्रह्लादपुर तक करीब 10 किमी लंबी ड्रेन का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। दूसरे फेज में बत्रा हॉस्पिटल से आगे लाडो सराय तक ड्रेन बनाई जाएगी। ड्रेन निर्माण का कुल बजट करीब 387.84 करोड़ रुपये है। पहले फेज के ड्रेन निर्माण पर 144.63 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

एमबी रोड पर ड्रेन पूरी तरह से डैमेज

पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार, एमबी रोड स्थित पुल प्रह्लादपुर आरयूबी के नीचे तो पिछले कई साल से जलभराव की समस्या थी। यहां यह समस्या खत्म करने के लिए संपवेल बनाया गया। मेट्रो कंस्ट्रक्शन वर्क के चलते एमबी रोड के दोनों तरफ जो नाले बने थे, वह पूरी तरह से डैमेज हो गए।

ड्रेन निर्माण योजना

कुछ जगह तो ड्रेन का नामोनिशान तक नहीं है। ड्रेन न होने के चलते मानसून में जलभराव की समस्या गंभीर हो सकती है, जिसके चलते एमबी रोड पर पुल प्रह्लादपुर से लाडो सराय तक करीब 22.76 किमी लंबी ड्रेन निर्माण की योजना बनाई गई। ड्रेन निर्माण पर कुल 387.84 करोड़ रुपये खर्च का बजट है। इसे दो चरणों में बनाया जाएगा।पहले चरण में बत्रा हॉस्पिटल से पुल प्रह्लादपुर तक करीब 10 किमी लंबी ड्रेन बनाई जाएगी। यह यू-शेप प्री-कास्ट आरसीसी ड्रेन होगी। जिसे किसी फैक्ट्री में पहले से ही बना कर नाले की जगह खुदाई कर रखने की तैयारी है ।पहले फेज में 10 किमी लंबी ड्रेन बनाने की तैयारी, पहले फेज में ड्रेन निर्माण पर 144.63 करोड़ रुपये होंगे खर्चड्रेन निर्माण पर कुल 387.84 करोड़ रुपये खर्च का बजट रखा गया है पहले फेज में बत्रा हॉस्पिटल से पुल प्रह्लादपुर तक ड्रेन

बड़ी बहन से जबरन पढ़वाई नमाज, महाराष्ट्र में NGO चीफ रियाज फाजिल काजी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुरः महाराष्ट्र के नागपुर में जरूरतमंद बच्चों के लिए काम करने का दावा करने वाले एनजीओ के अध्यक्ष पर यौन शोषण के आरोप लगे हैं। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर एनजीओ के अध्यक्ष रियाज फाजिल काजी को गिरफ्तार कर लिया है। काजी के खिलाफ कई युवा महिलाओं ने कथित यौन शोषण, धार्मिक दबाव, बदनामी और साइबर स्टॉकिंग के आरोप लगाए हैं। इस मामले में शनिवार रात करीब 10 बजे मनकापुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने इस मामले में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इनमें महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने, अश्लील हरकतें करने, धार्मिक भावनाएं आहत करने, मानहानि और साइबर अपराध से जुड़ी धाराएं शामिल हैं।

कैसे सामने आया मामला

एनजीओ की 23 वर्षीय एचआर इस मामले मुख्य शिकायतकर्ता है। वो सितंबर 2023 स NGO में एडमिनिस्ट्रेशन और एचआर हेड के रूप में कार्यरत थी। पुलिस को दी शिकायत में उसने आरोप लगाया है कि 18 जुलाई 2024 को उसके जन्मदिन के मौके पर ऑफिस में हुए कार्यक्रम के बाद आरोपी ने उसे अपने केबिन में बुलाया। काजी ने उसकी मर्जी के खिलाफ उसे गले लगाया, उसका माथा चूमा और कहा कि मैं आज तुम्हें छोड़कर नहीं जाना चाहता। नौकरी जाने के डर से वह विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पाई।

बार-बार करता था गले लगाने की कोशिश

शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी बार-बार उसे गले लगाने की कोशिश करता था और एक बार तो उसने सीसीटीवी कैमरा बंद करके ऐसा किया। विरोध करने पर आरोपी ने बदतमीजी करना शुरू कर दिया। उसने यह भी दावा किया कि जब वह अकेली होती थी तो आरोपी उसे छूता था और दूसरों से उसके बारे में जानकारी इकट्ठा करता था। काजी ने महिला कर्मचारियों और वॉलंटियर्स की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट भी बनाया था। इसमें पीड़िता और आरोपी के नाम के हिस्सों को मिलाकर अकाउंट तैयार किया गया था।

बड़ी बहन को नमाज पढ़ने के लिए करता था मजबूर

शिकायत में पीड़िता की बड़ी बहन का भी उल्लेख है, जिसने नवंबर 2025 में NGO जॉइन किया था। आरोप है कि फील्ड विजिट के दौरान उसे नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। इसी के साथ खास प्रकार के कपड़े पहनने और धार्मिक प्रथाओं का पालन करने के लिए मजबूर किया गया। इसके चलते उसने दो महीने के अंदर ही नौकरी छोड़ दी। इसके अलावा, 13 अप्रैल को एक पूर्व कर्मचारी की मां को किए गए फोन कॉल में आरोपी द्वारा अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल का आरोप भी लगाया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपी ने पीड़िता और उसके परिचितों के बारे में बेहद आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं।

अब तक तीन महिलाएं शिकायत लेकर सामने आई हैं और आगे भी कई और लोगों के बयान दर्ज किए जाने की संभावना है। आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है, जहां से उसे 23 अप्रैल तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। मनकापुर पुलिस के वरिष्ठ निरीक्षक

पुलिस कर रही मामले की जांच

बताया जा रहा है कि इस से जुड़े कई कर्मचारियों ने पहले भी आरोपी के व्यवहार के कारण नौकरी छोड़ दी थी। 18 अप्रैल को जब शिकायतकर्ता समूह हत्नह्र कार्यालय पहुंचा तो वह बंद मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया।

वीडियो मीटिंग में हंसी पड़ी भारी, एसपी ने ASI को किया सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

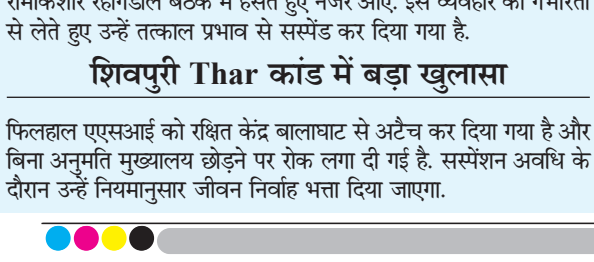

भोपालः मध्य प्रदेश के बालाघाट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान अनुशासनहीनता पर एक एएसआई को सस्पेंड कर दिया गया. एसपी आदित्य मिश्रा लंबित शिकायतों की समीक्षा कर रहे थे, तभी एएसआई रामकिशोर रहांगडाले बार-बार हंसते नजर आए. स्पष्टीकरण संतोषजनक न होने पर उन्हें तत्काल निलंबित किया गया. फिलहाल उन्हें रक्षित केंद्र से अटैच किया गया है और मुख्यालय छोड़ने पर रोक लगाई गई है.
बालाघाट में पुलिस के एक एएसआई को एसपी की मौजूदगी में बुलाई गई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में हंसना भारी पड़ गया. एसपी आदित्य मिश्रा ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए एएसआई को सस्पेंड कर दिया है. दरअसल, बालाघाट के एसपी आदित्य मिश्रा सीएम हेल्पलाइन से जुड़ी लंबित शिकायतों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा कर रहे थे, जिसमें कई थानों के अधिकारी मौजूद थे.
कोतवाली थाना से उप निरीक्षक संजय किरार से एक लंबित शिकायत पर चर्चा चल रही थी. इसी बीच स्ढ्ढ रामकिशोर रहांगडाले बार-बार हंसते दिखे. जब उनसे इस व्यवहार पर स्पष्टीकरण मांगा गया, तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सके. इसे अनुशासनहीनता मानते हुए तत्काल सस्पेंशन का फैसला लिया गया.
एसपी आदित्य मिश्रा ने आजतक से बात करते हुए बताया कि पुलिस महकमे में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में इस तरह का व्यवहार अस्वीकार्य माना जाता है. गंभीर मामले की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए स्ढ्ढ रामकिशोर रहांगडाले बैठक में हंसते हुए नजर आए. इस व्यवहार को गंभीरता से लेते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है.

शिवपुरी Thar कांड में बड़ा खुलासा

फिलहाल एएसआई को रक्षित केंद्र बालाघाट से अटैच कर दिया गया है और बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर रोक लगा दी गई है. सस्पेंशन अवधि के दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा.

MPÑ बैंक ऑफ महाराष्ट्र में डकैती, 20 मिनट में 20 लाख रुपये और 6 KG सोना लूट ले गए बदमाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्यप्रदेश. के सिंगरौली जिले के बैढ़न स्थित एक बैंक शाखा में दिनदहाड़े हुई बड़ी डकैती ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है. बदमाशों ने गन प्वाइंट पर बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों को बंधक बनाकर करीब 20 लाख रुपये नकद और लगभग 6 किलोग्राम सोना लूट लिया. इस घटना के बाद से न केवल स्थानीय प्रशासन बल्कि प्रदेश स्तर तक हड़कंप मच गया है. मिली जानकारी के अनुसार यह वारदात दोपहर करीब 12:30 बजे हुई, जब बाइक सवार कुछ अज्ञात बदमाश बैंक पहुंचे. बैंक में प्रवेश करते ही उन्होंने हथियार निकालकर वहां मौजूद कर्मचारियों और ग्राहकों को अपने कब्जे में ले लिया. इसके बाद बदमाश सीधे लॉकर रूम तक पहुंचे और वहां रखी नकदी व सोना लूट लिया. बताया जा रहा है कि बदमाश करीब 15 से 20 मिनट तक बैंक के अंदर रहे और आराम से पूरी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए.

बदमाशों की पहचान के लिए सीसीटीवी खंगाल रही है पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी. बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जिसके आधार पर बदमाशों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है. पुलिस ने संदिग्धों की तस्वीरें भी जारी की हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए इनाम की घोषणा की गई है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास के जिलों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों की पुलिस से भी संपर्क किया है. साथ ही विभिन्न टीमों का गठन कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है. अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.इस घटना में बैंक की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं. जानकारी के मुताबिक बैंक में उस समय कोई सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं था, जो एक बड़ी लापरवाही मानी जा रही है. इतनी बड़ी मात्रा में नकदी और सोना होने के बावजूद सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम न होना चिंताजनक है. फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और जल्द ही इस सनसनीखेज डकैती का खुलासा करने का दावा कर रही है.

थाईलैंड की महिला ने पहनी साड़ी, अमृता फडणवीस ड्रेस पर हुई ट्रोल, लोगों ने पूछा- मंदिर में नाइटसूट कौन पहनता है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमृता फडणवीस अप्रैल 2026 की शुरुआत में थाईलैंड के फुकेत पहुंची थीं। यहां उन्होंने श्रीमंत दगडू शेठ गणपति बाप्पा मंदिर के दर्शन किए। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने पापाचसॉर्न मीपा और चेतन लोढ़ा के बनवाए गए इस आध्यात्मिक स्थल के निर्माण की सराहना की। उन्होंने फुकेत के मैरियट कोर्टयार्ड में आयोजित 'मिड-डे जेम्स ऑफ़ इंडिया 2026' पुरस्कार समारोह में भी शिरकत की। अमृता फडणवीस ने मंदिर में दर्शन की तस्वीरें शेयर कीं लेकिन उन्हें एक बार फिर अपने कपड़ों को लेकर ट्रोल होना पड़ा। हालांकि अमृता फडणवीस बीते 1 अप्रैल 2026 को फुकेत स्थित भगवान श्रीमंत गणपति बाप्पा देवालय के दर्शन करने गई थीं। उन्होंने जो तस्वीरें पोस्ट कीं, उनमें उनके साथ एक थाई अफसर नजर आ रही हैं। वह थाई अफसर साड़ी पहने थीं और अमृता फडणवीस वेस्टर्न ड्रेस में थीं, जिन्हें लेकर वह घिर गईं। बाजीराव नाम के एक यूजर ने लिखा कि साड़ी पहनी हुई थाई महिला, आपका पहनावा देखकर वह ज़रूर हैरान रह गई होगी। वहीं एक अन्य यूजर ने पूछा कि सब ठीक है, लेकिन कोई भी हिंदू नाइट सूट जैसी ड्रेस पहनकर किसी पवित्र मंदिर में जाता है क्या? अजीब बात है! एक अन्य ने लिखा कि थाईलैंड वाली महिला ने साड़ी पहनी है, लेकिन महाराष्ट्र वाली महिला ने नहीं।एक्स पर एक यूजर ने लिखा भारतीय महिला थाई जैसी दिख रही है और थाई महिला भारतीय जैसी। क्या ही दिन देखने को मिल रहा है। धर्मा नाम के यूजर ने लिखा कि थाईलैंड की एक महिला साड़ी पहनकर मंदिर के रीति-रिवाजों का सम्मान कर सकती है, लेकिन... खैर, जो भी हो। एक ने पूछा, 'वो सब ठीक है.. लेकिन आप नाइट सूट पहनकर मंदिर क्यों गईं?'

वहीं एक ने कहा कि सलवार-कमीज पहनकर जातीं तब भी ठीक था। एक यूजर ने कहा कि एक विदेशी होकर इस महिला ने मंदिर में साड़ी पहनी है और आप खुद को देख लें। एक यूजर ने कहा कि अमृता फडणवीस के ड्रेस डिजाइनर को हटा देना चाहिए।

'प्रियंका गांधी की बड़ी-बड़ी बातें कहां गईं', कांग्रेस पर खूब बरसे सीएम मोहन यादव, कहा- अपमान नहीं हेंगी बहनें

हानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपालः महिला आरक्षण बिल पास नहीं होने पर बीजेपी अब आक्रामक हो गई है। भोपाल में सीएम मोहन यादव के नेतृत्व में महिलाओं ने जन आक्रोश महिला पद यात्रा निकाली हैं। इस दौरान सीएम मोहन यादव ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल न पास होने पर कांग्रेस ने उसका मजाक उड़ाया। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी को शर्म आनी चाहिए।

प्रियंका गांधी पर बरसे सीएम

मोहन यादव ने कहा कि प्रियंका गांधी बड़ी-बड़ी बातें करती थीं, कहती थीं मैं लड़की हूं, लड़ सकती हूं। अब उनकी ये बड़ी-बड़ी बातें कहां गईं, जब बहनों के अधिकार का उन्होंने गला घोंट दिया। कांग्रेस ने आजादी के समय शुरू की अपनी परंपरा को निभाया। प्रियंका-राहुल के पिता ने भी तीन तलाक के कानून को लेकर बहनों के अधिकार पर डाका डाला था। उन्होंने कहा कि इस आक्रोश को देश के सामने लाना है।

इसके साथ ही सीएम मोहन यादव ने कहा कि ये जो आपके अंदर की आग है, अपने हक की आग है, इसे बुझने नहीं देना है। कांग्रेस और उसके साथी विपक्षी दलों ने बहनों के हक पर डाका डाला है। वे अपने मंसूबों में कभी कामयाब नहीं हो सकते। भारत में बहनों के हक के लिए भाइयों ने सदैव लड़ाइयां लड़ीं। राजा राम मोहन राय ने सती प्रथा के खिलाफ लड़ाई शुरू की। ज्योतिबा फुले ने नारी समानता के लिए लड़ाई लड़ी। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बहनों को अधिकार दिलाने के लिए लड़ाई शुरू की। महात्मा गांधी से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के हक में आवाज उठाई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि नारी सब भूल जाती है, कभी अपना अपमान नहीं भूलती। यह हमको याद रखना है।

सरकार बहनों के निर्णय के साथ

उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी ने चाहा था कि सब दल मिलकर इसका समर्थन करें, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। देश की आधी आबादी की इच्छा का गला घोंटने वालों आपको कब्र से निकालकर सजा दी जाएगी। आपने बहनों के साथ अन्याय किया है। आपको ये बहनें माफ नहीं करेंगी। सीएम मोहन यादव ने कहा कि आज मन में इस बात का आक्रोश है कि हमारे बहनों के लिए जो अवसर मिला था, उसे विपक्ष ने कुचल दिया। हमारी परंपरा तो मातृ सत्ता की रही है। जब तक हम सीता नहीं बोलते, तब तक भगवान राम भी आशीर्वाद नहीं देते। जब तक राधा को याद नहीं करो, तब तक कन्हैया भी मुस्कुराते नहीं हैं। उनका आशीर्वाद नहीं मिलता है। बिना माता के महादेव का आशीर्वाद कैसे मिल सकता है।

विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर करेंगे निंदा

सीएम मोहन यादव ने कहा कि आज भोपाल से पदयात्रा निकल रही है। इस आक्रोश को पूरे देश के सामने लाना है। बहनों ने अक्षय तृतीया पर यहां आकर लोकतांत्रिक मार्ग को अपनाया है। इस बात के लिए मैं बहनों का वंदन करता हूं। हमारी सरकार बहनों के निर्णय के साथ खड़ी है। हर जगह निंदा प्रस्ताव पारित करेंगे। विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर निंदा करेंगे। विपक्ष ने भारत के सपने को तोड़ दिया।

रफ्तार, स्टंट और मौत... रील शूट करते ट्रेलर से टकराई बाइक, 3 युवकों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा.मध्यप्रदेश के रीवा जिले के मऊगंज नेशनल हाईवे पर रील बनाने के दौरान भीषण सड़क हादसा हो गया. तेज रफ्तार बाइक ट्रेलर से टकराने पर तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई, जबकि पीछे आ रही दूसरी बाइक भी ट्रेलर से भिड़ने पर दो सगे भाई गंभीर घायल हो गए. घायलों को इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनका उपचार जारी है.
रीवा जिले में रील बनाने का खतरनाक शौक एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ. मऊगंज के नेशनल हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार में रील बनाते समय यह हादसा हुआ. घटना का खौफनाक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तीन युवक तेज रफ्तार बाइक पर नजर आ रहे हैं.

दरअसल, मऊगंज थाना क्षेत्र के पन्नी पथरिया स्थित नेशनल हाईवे पर यह हादसा हुआ. दो बाइकों में सवार कुल पांच लोग इसकी चपेट में आ गए. जानकारी के अनुसार, एक पल्सर बाइक पर सवार तीन युवक तेज रफ्तार में चलते हुए मोबाइल से रील बना रहे थे. इसी दौरान उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े ईंट से लोड ट्रेलर से जा टकराई.

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक उछलकर दूर जा गिरे और मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई. इसी बीच पीछे से आ रही दूसरी बाइक भी उसी खड़े ट्रेलर से भिड़ गई, जिससे उसमें सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.

पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया गया. सची पाठक ने बताया कि सोशल मीडिया के लिए खतरनाक स्टंट और लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ. घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया.
डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को बेहतर इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है. पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

मृतकों और घायलों की पहचान

पुलिस के अनुसार हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान 17 वर्षीय उपलक्ष कोल, 22 वर्षीय अमरीश कोल और 17 वर्षीय हेमराज कोल के रूप में हुई है. तीनों बेला गांव के निवासी थे और लौर थाना क्षेत्र से संबंधित थे.
वहीं, हादसे में घायल हुए दो सगे भाइयों की पहचान प्रशांत द्विवेदी और प्रदीप द्विवेदी के रूप में हुई है, जो चितपुरवा गांव के रहने वाले हैं.

मौत या खुदकुशी? जेल अधिकारी से विवाद ने बढ़ाई उलझन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

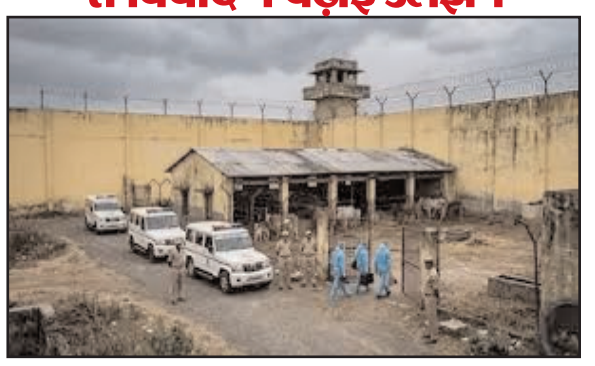

भोपालः राजधानी की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली सेंट्रल जेल के भीतर रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक उम्रकैद के कैदी की लाश गौशाला परिसर में पेड़ से लटकी पाई गई। इस घटना ने जेल प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक की पहचान रायसेन जिले के बाड़ी निवासी गुड्डू आदिवासी (58) के रूप में हुई है।

गौशाला में मिली लाश

जानकारी के मुताबिक, गुड्डू साल 2017 से हत्या के एक मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद जेल में बंद था। उसे जेल की गौशाला में काम पर लगाया गया था। रविवार शाम करीब 4:30 बजे, जब जेल प्रहरी रूटीन गश्त पर थे, उन्होंने गुड्डू को पेड़ से लटका देखा। जेल प्रशासन का कहना है कि उसे तुरंत नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

जेल प्रशासन का दावा

जेल अधीक्षक राकेश भांगरे के अनुसार, प्राथमिक तौर पर यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। बताया गया है कि गुड्डू पिछले कुछ समय से किसी बीमारी से जूझ रहा था। हालांकि, जेल के अंदरूनी सूत्रों से एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। चर्चा है कि हाल ही में गुड्डू का जेल के ही एक अधिकारी के साथ किसी बात को लेकर तीखा विवाद हुआ था। हालांकि, जेल प्रशासन ने अभी तक इस विवाद की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। कैदी बीमार था और संभवतः इसी तनाव में उसने यह कदम उठाया। हम मामले की हर पहलू से जांच कर रहे हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। राकेश भांगरे, अधीक्षक, भोपाल सेंट्रल जेल

मजिस्ट्रेट जांच और पोस्टमार्टम

गांधीनगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और शव को हमीदिया अस्पताल भेज दिया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सोमवार को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी और परिजनों के सामने पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है कि आखिर जेल की भारी सुरक्षा के बीच कैदी के पास रस्सी कहां से आई और क्या वह वाकई तनाव में था?

दिल्ली में ग्रीन सेस से अब लगेगा ज्यादा टोल, दूसरे राज्यों से आने वाली गाड़ियों को लेकर बड़ी खबर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्लीः दिल्ली नगर निगम ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देश के बाद, दूसरे राज्यों से शहर में आने वाले सभी कमर्शियल वाहनों के लिए पर्यावरण मुआवजा शुल्क बढ़ा दिया है। बढ़ी हुई दरें उन लगातार प्रयासों का हिस्सा हैं जिनका मकसद प्रदूषण फैलाने वाले कमर्शियल वाहनों को दिल्ली में आने से रोकना है। इस कदम का मकसद डीजल से चलने वाले कमर्शियल व्हीकल को दिल्ली में घुसने के बजाय पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर चलने के लिए मजबूर करना भी है। ग्रीन सेस के बाद दिल्ली आने वाली गाड़ियों के टोल में इजाफा हुआ है। पर्यावरण मुआवजा शुल्क लगने के बाद टोल कीमतों में कितना बदलाव हुआ, जानिएः कैटेगरी 2 के वाहनों (हल्के वाहन) और कैटेगरी 3 के वाहनों (दो-एक्सल वाले ट्रक) के लिए ECC को 1,400 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दिया गया है। भारी वाहनों- कैटेगरी 4 (तीन-एक्सल वाले ट्रक) और कैटेगरी 5 (चार-एक्सल वाले ट्रक और उससे ऊपर) के लिए टोल 2,600 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर लिया गया फैसला

यह कदम स्ब्ट मेहता बनाम भारत संघ के लंबे समय से चल रहे मामले में शीर्ष अदालत के 12 मार्च के आदेश के बाद उठाया गया है। इसमें राष्ट्रीय राजधानी में गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए श्वष्टष्ट दरों में बढ़ोतरी अनिवार्य की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए निर्देश दिया कि संशोधित श्वष्टष्ट दरें 1 अप्रैल से लागू की जाएं और उसी तारीख से 5 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी की भी अनुमति दी।

क्या होगा इस फैसले का असर

एक अधिकारी ने टीओआई को बताया कि नगर निकाय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को लागू कर रहा है, साथ ही RFID इंटीग्रेशन जैसे तकनीकी सुधार भी कर रहा है। अदालत ने MCD को अपने टोल ढांचे को तर्कसंगत बनाने और एक व्यापक ट्रैफिक अध्ययन करने का भी निर्देश दिया।

नागपुर में NGO की आड़ में धर्मांतरण का खेल, ञ्जष्टस् केस की तरह यहां भी महिलाएं थी निशाने पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र .में एक के बाद एक धर्मांतरण और महिलाओं के उत्पीड़न के दो ऐसे मामले सामने आए हैं, जिन्होंने सबको हैरान कर दिया है. अभी नासिक की टीसीएस (TCS) यूनिट में जबरन धर्म परिवर्तन और यौन शोषण का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि अब नागपुर में भी कुछ वैसा ही 'गंदा खेल' सामने आया है. यहां समाज सेवा के नाम पर NGO चलाने वाले एक शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है कि यह शख्स एनजीओ की आड़ में महिलाओं पर धर्म बदलने का दबाव बनाता था और उनके साथ छेड़छाड़ करता था.यह मामला है नागपुर के मानकापुर इलाके का, जहां 'फिकर फाउंडेशन' और 'पढ़े हम, पढ़ाए हम' नाम से हत्नह्र चलाने वाले रियाज काजी को पुलिस ने धर दबोचा है. इस हत्नह्र में काम करने वाली महिलाओं ने ही काजी की पोल खोली है. उन्होंने बताया कि रियाज उन पर जबरन इस्लामिक कपड़े पहनने और उनके रीति-रिवाजों को मानने के लिए दबाव डालता था. अगर कोई महिला इसका विरोध करती, तो उसके साथ छेड़छाड़ की जाती और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता. फिलहाल, पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है .

जशपुर में नहीं हुआ कोई प्लेन क्रैश, जंगल की आग से फैली अफवाह

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में कथित प्लेन क्रैश की खबर पूरी तरह अफवाह साबित हुई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विमान हादसा नहीं हुआ। जंगल में लगी आग से उठते धुएं के कारण ग्रामीणों को भ्रम हुआ होगा और गलत सूचना दे दी गई। जिले के कलेक्टर रोहित व्यास और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच की। अधिकारियों को घटनास्थल पर विमान का कोई मलबा नहीं मिला, जिसके बाद इस खबर को पूरी तरह खारिज कर दिया गया। प्रशासन के अनुसार, इलाके में जंगल में लगी आग से उठते धुएं को देखकर ग्रामीणों ने इसे विमान दुर्घटना समझ लिया। देखते ही देखते यह सूचना सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और अफवाह का रूप ले लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने झारखंड और ओडिशा के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से भी संपर्क किया। दोनों ही जगहों से पुष्टि हुई कि उस समय किसी भी विमान का संपर्क नहीं टूटा था और न ही कोई विमान उस क्षेत्र में लापता हुआ। बताया गया कि जशपुर के चारभाठी क्षेत्र में एक चार्टर्ड प्लेन उड़ता देखा गया था। इसके कुछ समय बाद पहाड़ी से धुआं उठता नजर आया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बिना पुष्टि के ऐसी खबरों पर विश्वास न करें और अफवाह फैलाने से बचें। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की भ्रामक सूचनाएं न केवल प्रशासनिक संसाधनों पर दबाव डालती हैं, बल्कि अनावश्यक दहशत भी पैदा करती हैं।

बीजेपी विधायक के बेटे की करतूत के बाद उनके बयान पर बढ़ा विवाद

-थार से टक्कर मारकर पांच लोगों को किया था घायल

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा क्षेत्र में 16 अप्रैल को हुए सड़क हादसे को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक तनाव बढ़ गया है। इस मामले में आरोप है कि एक थार वाहन से टक्कर में पांच लोग घायल हुए, जिसके बाद स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई। घटना के बाद बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी का बयान और उनका रुख लगातार चर्चा में है। शुरुआती प्रतिक्रिया में उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि एक जनप्रतिनिधि के लिए जनता सर्वोपरि होती है और पीड़ितों को न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। हालांकि, कुछ दिनों बाद उनके बयानों और पुलिस अधिकारियों के प्रति उनकी भाषा को लेकर विवाद और बढ़ गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, विधायक ने करैरा के एसडीओपी आयुष जाखर के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि अधिकारी उन्हें क्षेत्र में आने से रोकने की बात कर रहा है, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई और तीखे शब्दों में प्रतिक्रिया दी। इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों और प्रशासनिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच उनके बेटे से जुड़े विवाद का भी उल्लेख सामने आया है, जिसमें आरोप है कि वह बिना नंबर प्लेट और कथित रूप से संशोधित थार वाहन के साथ थाने पहुंचे थे। इस घटना ने पूरे मामले को और संवेदनशील बना दिया है। विधायक ने जांच प्रक्रिया और पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ गलत तरीके से कार्रवाई या दबाव बनाया जा रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले की जांच जारी है। इस घटनाक्रम ने स्थानीय स्तर पर सत्ता और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। विपक्षी दल इसे लेकर सरकार और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि प्रशासन मामले की निष्पक्ष जांच की बात कर रहा है।

पहलगाम हमले की पहली बरसी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले पूरी कश्मीर घाटी के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। सेना के अधिकारियों के अनुसार 22 अप्रैल को होने वाली बरसी के मद्देनजर सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को बैसरन मैदान में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या की गई थी, जिसमें अधिकतर पर्यटक शामिल थे। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों द्वारा किया गया था। सेना के अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों को मार गिराया था। इस आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले कश्मीर भर के टूरिस्ट जगहों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियों को पहलगाम आतंकी हमले की बरसी से एक दिन पहले, खासकर टूरिस्ट जगहों के आसपास किसी भी संभावित विध्वंसक गतिविधि के लिए अलर्ट रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि एक फुलप्रूफ सुरक्षा प्लान बनाने के लिए ग्राउंड लेवल पर तैयारी मीटिंग की गईं, जबकि सीनियर अधिकारियों ने हाल ही में इन इंतजामों का रिव्यू किया। अब, करीब एक साल बाद, पहलगाम के मशहूर मैदान फिर टूरिस्ट की चहल-पहल से गुलजार हैं, और किसी को भी अनंतनाग जिले में मिनी स्विट्जरलैंड जाने का पछतावा नहीं है, जो पिछले साल के आतंकी हमले के साए से उबर रहा है। टूरिस्ट की सुरक्षा पक्का करने के लिए पहलगाम रिसॉर्ट में कई नए उपाय शुरू किए गए हैं। इसमें सर्विस प्रोवाइडर और वेंडर, जिसमें पोनीवाला भी शामिल है, का विज़िटर से बात करने से पहले पहले का वेरिफिकेशन किया जा रहा है। पहलगाम में टूरिस्ट की सुरक्षा के लिए सभी टूरिज्म सर्विस प्रोवाइडर के लिए एक खास क्यूआर कोड-बेस्ड आइडेंटिफिकेशन सिस्टम शुरू किया गया है।

केरल में निजी संपत्ति विवाद बन गया राजनैतिक अखाड़ा... भाजपा और माकपा कार्यकर्ता आपस में भिड़े

नेट्टायम (एजेंसी)। केरल के नेट्टायम में दो रिश्तेदारों के बीच शुरू हुआ निजी संपत्ति विवाद देखते ही देखते राजनीतिक जंग में बदल गया। घटना में भाजपा और माकपा (सीपीआईएम) के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर हिंसा हुई, जिसमें बीच-बचाव करने पहुंचे तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले में कड़ा रुख दिखाकर दोनों पार्टियों के कुल 94 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच के अनुसार, इस पूरे बवाल की शुरुआत नेट्टायम के मलमुकल इलाका निवासी दो रिश्तेदारों के बीच जमीन को लेकर हुए विवाद से हुई। इनमें से एक पक्ष भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से जुड़ा है। दूसरा पक्ष मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का समर्थक है।

ओसीआई में ढील और मछुआरों की रिहाई से भारत-श्रीलंका रिश्तों में आई मजबूती

-उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के दौरे के दौरान हुईं अहम घोषणाएं, प्रवासी भारतीयों को राहत और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को नई दिशा देने के उद्देश्य से उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के हालिया दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम उठाए गए हैं। इस दौरे को दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने जानकारी दी कि भारत सरकार ने ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब श्रीलंका में बसे प्रवासी भारतीयों की पांचवीं और छठी पीढ़ी को भी ओसीआई कार्ड के लिए पात्र माना जाएगा। पहले यह सुविधा केवल चौथी पीढ़ी तक सीमित थी। इस बदलाव से हजारों लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है और भारतीय मूल के लोगों का अपने देश से जुड़ाव और मजबूत होगा।

इसके साथ ही ओसीआई कार्ड के लिए आवश्यक दस्तावेजों को लेकर भी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब श्रीलंका सरकार द्वारा जारी प्रमाण पत्र, पुराने भारत-श्रीलंका पासपोर्ट और कोलंबो तथा कैंडी स्थित भारतीय मिशनों के रिकॉर्ड को भी मान्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इससे आवेदन प्रक्रिया अधिक सुगम और पारदर्शी होने की संभावना है। दौरे के दौरान भारत ने श्रीलंका सरकार का आभार भी व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को हाल ही में भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए धन्यवाद दिया। जानकारी के अनुसार, बीते कुछ हफ्तों में 47 भारतीय मछुआरों को रिहा किया गया है, जिन्हें जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा।

मछुआरों के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच लंबे समय से संवेदनशीलता बनी रही है। ऐसे में हालिया रिहाई को सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भी माना कि इस समस्या का स्थायी समाधान दोनों देशों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओसीआई नियमों में ढील और मानवीय मुद्दों पर सहयोग, दोनों ही कदम भारत-श्रीलंका संबंधों में नई ऊर्जा भरने वाले हैं। यह दौरा न केवल प्रवासी भारतीयों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि क्षेत्रीय कूटनीति में भारत की सक्रिय भूमिका को भी दर्शाता है।

मणिपुर में बम हमले में बच्चों की मौत के खिलाफ 5 दिनों का बंद, हिंसक प्रदर्शनों से घाटी में तनाव

मणिपुर (एजेंसी)। मणिपुर में हालिया हिंसा ने शांति प्रयासों को फिर से बड़ा झटका दे दिया है। बिष्णुपुर जिला में 7 अप्रैल को हुए दर्दनाक बम विस्फोट में दो मासूम बच्चों—एक पाँच साल के लड़के और पाँच महीने की बच्ची—की मौत के बाद व्यापक आक्रोश फैल गया। इस घटना के विरोध में 19 अप्रैल से पाँच दिनों के पूर्ण बंद (टोटल शटडाउन) का आह्वान किया गया है, जिसने राज्य के घाटी क्षेत्रों में जनजीवन को करीब ठप कर दिया है। इस बंद का नेतृत्व 'मीरा पाइबी' (मशाल लेकर चल रही महिलाएँ) और विभिन्न नागरिक समाज संगठनों द्वारा किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि हमले के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करे और पीड़ित परिवारों को शीघ्र न्याय मिले। इसके साथ ही, उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय कथित कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग जोड़ी है। बंद के पहले दिन बाजार, स्कूल, सरकारी दफ्तर और परिवहन सेवाएँ बंद रहीं, जबकि केवल आवश्यक सेवाएँ ही सीमित रूप से चालू रहीं। इंफाल पूर्व जिला और इंफाल पश्चिम जिला सहित कई इलाकों में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। रात के समय रैलियाँ आयोजित की गईं, जिनमें भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया। हालांकि, कुछ स्थानों पर हालात तनावपूर्ण हो गए। काकचिंग जिला में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आँसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी है कि असामाजिक तत्व शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में घुसपैठ कर उन्हें हिंसक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, कुछ उपद्रवी पेट्रोल बम, गुलेल और पत्थरों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग नशे की हालत में हिंसा को भड़का रहे हैं। सुरक्षा बलों ने दावा किया है कि वे अधिकतम संयम बरतते हुए स्थिति को संभाल रहे हैं और नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। स्थिति की गंभीरता को देखकर संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है ताकि तनाव और न बढ़े। बंद 23 अप्रैल तक जारी रहने की घोषणा की गई है, और आयोजकों ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी न होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

हरियाणा से अखिलेश यादव ने दिया बड़ा सियासी संदेश, 2027 में सरकार बनाने का दावा

-कहा- बीजेपी की राजनीति और रणनीति फूट डालो और राज करो वाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस बीच अखिलेश यादव ने हरियाणा के रेवाड़ी से बड़ा राजनीतिक संदेश देते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों के बाद सत्ता में वापसी करेगी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रेवाड़ी पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि विपक्षी इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट रहेगा और कांग्रेस उनके साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने सीट बंटवारे के सवाल पर कहा कि उनके लिए सीटों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि जीतने की क्षमता अहम है। उन्होंने स्पष्ट कहा, 'जो उम्मीदवार जीत सकता है, उसे ही टिकट दिया जाएगा,'। सपा नेता अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की राजनीति 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति पर आधारित है। उनका कहना था कि पहले समाज में अविश्वास पैदा किया जाता है, फिर लोगों को अलग-अलग समूहों में बांटकर राजनीतिक लाभ उठाया जाता है। गौरतलब है कि इससे पहले लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में भी उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि महिला आरक्षण के नाम पर सत्ताधारी पार्टी राजनीति कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी महिला मतदाताओं के बीच भी विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उनका मानना है कि महिलाएं अब पहले से अधिक जागरूक हैं और महंगाई, सामाजिक दबाव और शोषण जैसे मुद्दों पर अपनी राय स्पष्ट रूप से व्यक्त करेंगी। अखिलेश यादव के इन बयानों को आगामी चुनावों की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

महिला आरक्षण विधेयक पर सियासत तेज, कांग्रेस ने कहा- सरकार डैमेज कंट्रोल में लगी

-परिसीमन को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न हो पाने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच कांग्रेस ने सरकार द्वारा जारी किए गए 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' (फेक) पर तीखा हमला बोला है और इसे 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश करार दिया है।

कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने यह फेक विधेयक पेश करने से पहले जारी नहीं किया, बल्कि संसद में असफलता मिलने के बाद इसे सामने लाया गया, जिससे उसकी मंशा पर सवाल उठते हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बयान जारी करते हुए कहा कि 17 अप्रैल की रात लोकसभा में मिली ÷शर्मनाक हार÷ के बाद सरकार अब अपनी छवि बचाने में जुटी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा जारी फेक 'तथ्यात्मक रूप से गलत' और 'भ्रामक' जानकारी से भरा हुआ है। जयराम रमेश ने विशेष रूप से परिसीमन के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उनका कहना था कि फेक में उन महत्वपूर्ण सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है, जो संसद में विपक्ष ने उठाए थे।

गौरतलब है कि सरकार ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के माध्यम से 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव रखा था। साथ ही लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रावधान भी इसमें शामिल था। हालांकि, यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका।

कांग्रेस का यह भी आरोप है कि फेक में यह दावा किया गया है कि आरक्षण लागू करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन जरूरी है, जो पूरी तरह ÷फर्जी÷ और ÷भ्रामक÷ है। विपक्ष लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि सरकार महिला आरक्षण के बहाने परिसीमन लागू करने की कोशिश कर रही है, जिससे राजनीतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। इस मुद्दे पर अब राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

महिला आरक्षण बिल पर योगी सरकार ने बुलाया 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए महिला आरक्षण के मुद्दे पर अपनी राजनीतिक रणनीति तेज कर दी है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाने के प्रस्ताव को रविवार रात कैबिनेट बाई सर्कुलेशन के जरिए मंजूरी दे दी। संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने के बाद इस मुद्दे पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष जहां विधेयक की खामियों को गिनाकर अपने विरोध को सही ठहरा रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे को लेकर विपक्ष पर हमलावर है और इसे चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा बना रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इस मामले में विपक्ष पर तीखा हमला बोल चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल को होने वाले इस विशेष सत्र में सरकार महिला आरक्षण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगी और विपक्ष के रुख को लेकर उसे घेरने की रणनीति अपनाएगी। सत्र के दौरान विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की भी चर्चा है।

विभाजन के लिए मुसलमान नहीं...गांधी, नेहरु और पूरी कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार

-ओवैसी ने विभाजन के लिए कांग्रेस को बताया जिम्मेवार

अहमदाबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम पार्टी के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात के अहमदाबाद में रैली के दौरान देश के विभाजन (1947) को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के लिए केवल मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराना गलत होगा, बल्कि कांग्रेस भी इसके लिए जिम्मेदार थी। सांसद ओवैसी ने अपने बयान के समर्थन में पूर्व राष्ट्रपति मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की प्रसिद्ध पुस्तक इंडिया विन्स फ्रीडम का हवाला दिया। उनके अनुसार, मौलाना आजाद ने अपनी किताब में लिखा है कि उन्होंने महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरु से देश के विभाजन को रोकने की अपील की थी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई।

ओवैसी ने कहा कि इतिहास को एकतरफा तरीके से पेश करना सही नहीं है और मुसलमानों को विभाजन का दोषी बताना सही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस पार्टी उन लोगों में शामिल नहीं थी, जिन्होंने विभाजन की प्रक्रिया में भूमिका निभाई। इसके अलावा, ओवैसी ने अपनी पार्टी एआईएमआईएम को भाजपा की 'बी-टीम' कहे जाने पर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की आलोचना की। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपनी पार्टी द्वारा केवल 11 सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर उठ रहे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि जब कांग्रेस और टीएमसी सैकड़ों सीटों पर चुनाव लड़ती हैं, तब एआईएमआईएम के 11 सीटों पर लड़ने से समस्या क्यों हो रही है। ओवैसी ने विपक्षी दलों को चुनौती देकर कहा कि अगर वे सच में भाजपा को हराना चाहते हैं, तब उन्हें अपनी रणनीति मजबूत करनी चाहिए और बहाने बनाना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से भाजपा का मुकाबला करने में सक्षम है।

भीषण गर्मी के बीच 15 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट, यूपी-बिहार में बढ़ा खतरा

-भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देशभर में अप्रैल की शुरुआत से ही गर्मी ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 15 राज्यों में आंधी, बिजली और बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं कई इलाकों में भीषण गर्मी और लू की स्थिति बनी हुई है, जिससे लोगों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर के राज्यों में आने वाले दिनों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। दूसरी ओर पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के कुछ हिस्सों में लू चलने की चेतावनी दी गई है। नई दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री के आसपास रह सकता है। सुबह के समय 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। अगले दिन भी मौसम में खास बदलाव की उम्मीद नहीं है।

उत्तर प्रदेश में हालात ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। प्रयागराज में अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री, वाराणसी में 44.2 डिग्री और बांदा में 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके अलावा कई जिलों में तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच चुका है। आईएमडी ने वाराणसी, जौनपुर, गोरखपुर और देवरिया समेत पूर्वी यूपी के कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है।

बिहार में भी मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक 23 अप्रैल को तेज हवाओं और आंधी की संभावना है। खासकर सीमांचल क्षेत्र में सतर्क रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि गर्म हवाओं के चलते हीटस्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। जबकि पहाड़ी राज्यों में भी बदलाव के संकेत हैं। हिमाचल प्रदेश में 23 अप्रैल से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण भारत में मौसम सक्रिय

दक्षिण भारत में भी मौसम सक्रिय बना हुआ है। केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गरज-चमक, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बदलते मौसम के इस दौर में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। जहां एक ओर लू से बचाव जरूरी है, वहीं आंधी-तूफान के दौरान भी सावधानी बरतनी चाहिए।

अगर हमारे रिजॉइंटर को रिकॉर्ड पर नहीं तो 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा

-कोर्ट ने कहा-रजिस्ट्री आपकी इसलिए स्वीकार नहीं होती क्योंकि आप खुद पैरवी कर रहे हैं

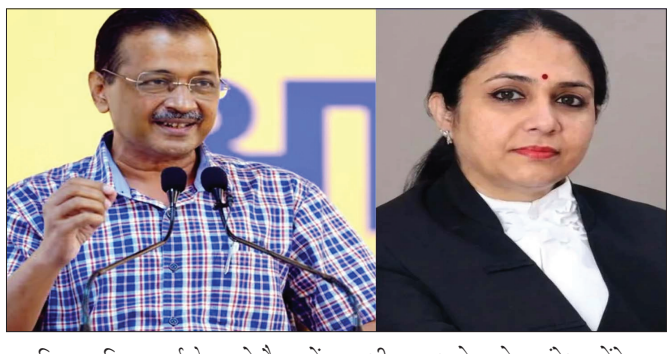

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लेना चाहिए, इसके लिए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल सोमवार को हाई कोर्ट में पेश हुए और सीबीआई के लिखित जवाब को लेकर अपना रिजॉइंडर स्वीकार करने की गुजारिश की। कोर्ट ने केजरीवाल को प्रक्रिया की याद दिलाई पर उनके जवाब को स्वीकार कर लिया है और फैसले को दो घंटे के लिए टाल दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने कहा कि आपने अनुमति दी थी मैम की रिजॉइंडर फाइल कर दो। रजिस्ट्री स्वीकार नहीं कर रही है। वह आदेश में नहीं आया। अगर हमारे रिजॉइंटर को रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया। 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा। जज ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि बार बार ये नहीं बोलना चाहिए कि मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा, क्योंकि कोर्ट ने प्रक्रिया से बाहर जाकर आपका हलफनामा रिकॉर्ड पर लिया।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल को नियमों की याद दिलाते हुए कहा कि रजिस्ट्री आपकी याचिका इसलिए स्वीकार नहीं करती क्योंकि खुद आप अपनी पैरवी कर रहे हैं। इसलिए आपको ही पेश होना पड़ेगा। रिजस्ट्री का एक नियम है और आपको फॉलो करना पड़ेगा। आपको पहले यहां से मंजूरी लेनी पड़ेगी। यह कोई असाधारण मामला नहीं है। हमने आपको लिखित जवाब की कॉपी दी। रिजॉइंडर कभी उसका फाइल नहीं होता है, जिस दिन आप कोर्ट से गए थे अनुमति लेकर गए थे। आपने कहा कि आप मेरा सम्मान करते हैं। मैं हर वादी का सम्मान करती हूं। मैं इसे लिखित जवाब के रूप में रिकॉर्ड पर लूंगी। चूंकि फैसला सुरक्षित है, मैं उसमें विचार करूंगी।

अरविंद केजरीवाल ने सीबीआई की ओर से दाखिल जवाब के रिजॉइंडर में कहा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने अटकलों, डर फैलने वाले बयानों और अपमानजनक आरोपों का सहारा लिया लेकिन जस्टिस शर्मा के बच्चों के सरकारी पैनल में होने को लेकर पक्षपात के आरोपों पर कुछ नहीं कहा है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीबीआई इस मामले की सुनवाई केवल एक माननीय जज से करवाकर पूरी न्यायपालिका को बदनाम करना चाहती है। केजरीवाल ने सीबीआई के उन आरोपों का विरोध किया कि वह दबाव बनाना चाहते हैं और मामलों को लंबित रखना चाहते हैं और बदनाम करने के लिए कैंपेन चला रहे हैं। उन्होंने इन आरोपों को निराधार बताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने अपने रिजॉइंडर में कहा है कि सीबीआई ने खुद स्वीकार किया है कि केंद्र सरकार की कानूनी व्यवस्था और जस्टिस शर्मा के परिवार के बीच सक्रिय व्यावसायिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि खुद सीबीआई के मुताबिक, जस्टिस शर्मा के बच्चे पैनल में निष्क्रिय नाम नहीं है बल्कि सरकार से कानूनी काम हासिल कर रहे हैं। उन्होंने सीबीआई की उन दलीलों का भी विरोध किया कि जिसमें एजेंसी ने कहा कि केजरीवाल की दलीलों के आधार पर तो सभी जज अयोग्य हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि तथ्यों पर जवाब देने के बजाय सीबीआई ने कहा कि देश के सभी जज अयोग्य हो जाएंगे यह विवाद को बढ़ाने और पूरी न्यायपालिका को घसीटने की कोशिश है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

पाकिस्तान यूएई को शेष 1.5 अरब डॉलर का कर्ज लौटाएगा

कराची ।

पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक (स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान-एसबीपी) ने कहा है कि वह 23 अप्रैल तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लिए गए 3.5 अरब डॉलर के ऋण में से बचे 1.5 अरब डॉलर का भुगतान कर देगा। यह घोषणा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से लगभग 1.2 अरब डॉलर की संभावित किस्त मिलने की उम्मीद के बीच की गई है। एसबीपी प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तान ने एक दिन पहले ही यूएई को 2 अरब डॉलर का भुगतान कर दिया था। इससे पहले सऊदी अरब को भी 3 अरब डॉलर की सहायता में से 2 अरब डॉलर वापस किए जा चुके हैं। केंद्रीय बैंक का कहना है कि इन भुगतान और अन्य धन प्रवाह के बावजूद देश का विदेशी मुद्रा भंडार स्थिर बना हुआ है। यह पाकिस्तान के अपनी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के प्रयासों को दर्शाता है।

- सोने का भाव 1,53,000, चांदी 2,52,000 रुपए प्र ति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों वायदा बाजारों में सोमवार को कारोबार की शुरुआत में सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। कीमती धातुओं के भाव दिनभर दबाव में रहे और खबर लिखे जाने तक उनकी कीमतों में और नरमी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का वायदा भाव 1,53,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी का वायदा भाव 2,52,300 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब बना हुआ है। एमसीएक्स पर सोने के जून कॉन्ट्रैक्ट ने आज 1,451 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,158 रुपये प्रति 10 ग्राम पर शुरुआत की, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,54,609 रुपये था। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 1,620 रुपये की और गिरावट के साथ 1,52,989 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस वर्ष सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का अपना सर्वोच्च स्तर छुआ था। वहीं चांदी के मई कॉन्ट्रैक्ट ने भी सोमवार को सुस्त शुरुआत की। यह 3,689 रुपये की गिरावट के साथ 2,53,453 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,57,142 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय चांदी का यह कॉन्ट्रैक्ट 4,838 रुपये की भारी गिरावट के साथ 2,52,304 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस साल चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर देखा था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी दबाव अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ है। कॉमेक्स पर सोना 4,811.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो इसके पिछले बंद भाव 4,879.60 डॉलर प्रति औंस से कम था। खबर लिखे जाने के समय यह 61.20 डॉलर की गिरावट के साथ 4,818.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस वर्ष सोने का अंतर्राष्ट्रीय उच्चतम स्तर 5,586.20 डॉलर रहा। इसी तरह कॉमेक्स पर चांदी 80.24 डॉलर प्रति औंस पर खुली और खबर लिखे जाने तक 1.38 डॉलर की गिरावट के साथ 80.46 डॉलर प्रति औंस पर थी। चांदी ने इस साल 121.79 डॉलर का सर्वोच्च स्तर छुआ था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 26, निफ्टी 11 अंक उछला

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से आज सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में दिनभर उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। हालांकि अंत में कुछ खरीबदारी से बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 26.76 अंकों की बढ़त के साथ ही 78,520.30 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11.30 अंक उछलकर 24364.85 के स्तर पर बंद हुआ है। आज कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा और ये नीचे आया। आज सेंकेक्स के शेयरों में ट्रेंट , एशियन पैंट्स , एनटीपीसी और बजाज फाइनेंस के शेयरों में तेजी रही जबकि कोटक महिन्द्र बैंक , बीईएल, एचसीएल और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे। आज एनएसई पर मिड और स्मॉलकैप शेयरों में गिरावट रही । इसके चलते निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.25 फीसदी तक गिरा जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में भी 0.46 फीसदी की गिरावट रही। आज ज्यादातर इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। निफ्टी आईटी, मेटल, फार्मा, प्राइवेट बैंक, रियल्टी समेत कई इंडेक्स में गिरावट नजर आई जबकि निफ्टी ऑटो, मीडिया और पीएसयू बैंक के शेयर गिरे।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार गिरा है। अमेरिका के एक ईरानी जहाज पर कब्जे के बाद से ही दोनो के बीच शांति वार्ता अधर में लटक गयी है। इससे ट ऑफ हॉर्मूज पर तनाव बढ़ गया है। इसका असर कच्चे तेल पर भी दिखा और आज इसका भाव करीब 5 फीसदी बढ़कर 94.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे भी बाजार पर दबाव आया है। इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। हालांकि, शुरुआती सुस्ती के बाद बाजार में थोड़ी रिकवरी दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, बैंकिंग सेक्टर में निवेशकों की खरीदारी ने बाजार को मजबूती प्रदान की। 24,391.50 पर खुला।

यूएई की तेल व्यापार में डॉलर को छोड़कर युआन अपनाने की चेतावनी

- अमीरात ने अमेरिकी नीतियों को ठहराया जिम्मेदार

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव और अमेरिका-ईरान संघर्ष के मद्देनजर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपनी तेल व गैस बिक्री के लिए अमेरिकी डॉलर के बजाय चीनी युआन या अन्य वैकल्पिक मुद्राओं को अपनाने की चेतावनी दी है। यूएई ने इस स्थिति के लिए डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है, साथ ही संभावित डॉलर संकट से निपटने के लिए अमेरिका से डॉलर स्वैप लाइन की मांग की है। मैक्रोइकोनॉमिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि यूएई तेल व्यापार में युआन को अपनाता है, तो यह वैश्विक स्तर पर दशकों से कायम डॉलर के प्रभुत्व को गंभीर चुनौती देगा। चीन पहले ही कई देशों के साथ मुद्रा स्वैप समझौते कर चुका है, जिससे युआन का अंतरराष्ट्रीय उपयोग बढ़ रहा है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम नहीं होता, तो कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और वैश्विक अर्थव्यवस्था व मुद्रा बाजार पर असर तय है। गैर-डॉलर व्यापार देशों को अपने डॉलर भंडार को कर्ज चुकाने के लिए सुरक्षित रखने में मदद कर सकता है। इस बीच, भारत में भी डॉलर पर निर्भरता कम करने के संकेत मिल रहे हैं। हाल ही में भारतीय कंपनियों ने ईरान से तेल खरीद के लिए डॉलर की बजाय युआन में भुगतान किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और रिटेल जैसे अन्य सेक्टर भी वैकल्पिक भुगतान विकल्पों की तलाश में हैं, जो वैश्विक व्यापार में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है।

क्रिप्टो करेंसी के 2700 करोड़ के टोकन चोरी

-हार्मुज जलमार्ग बंद होने से क्रिप्टो करेंसी में गिरावट

बंगलुरु ।

भारत में 2026 की सबसे बड़ी क्रिप्टो चोरी सामने आई है, जहां हैकर्स ने एक प्लेटफॉर्म के लेयर में सेंध लगाकर करीब 1.16 लाख (आरएस ईटीएच) टोकन चुरा लिए, जिनकी कीमत लगभग 2,700 करोड़ रुपये आंकी गई है। हमले के बाद प्लेटफॉर्म ने कॉन्ट्रैक्ट फ्रीज कर आगे की चोरी रोकी। इस घटना से कई ब्लॉकचेन नेटवर्क पर जोखिम बढ़ा है। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया में तनाव और हार्मुज जलमार्ग बंद होने की आशंका से बाजार दबाव में है। बिटकॉइन करीब 2 प्रतिशत गिरकर 75,064 डॉलर पर आ गया, हालांकि निवेशकों का भरोसा बना हुआ है।

पश्चिम एशिया संघर्ष का भारतीय बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता पर मामूली प्रभाव

तेल, गैस और एसएमई क्षेत्र प्रभावित, लेकिन कॉर्पोरेट लचीलापन उत्साहजनक

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी दो महीने पुराने संघर्ष का भारत के प्रमुख बैंकों की परिसंपत्ति की गुणवत्ता पर अब तक कोई खास असर नहीं पड़ा है। हालांकि, बैंकरों ने चालू तिमाही में कुछ मामूली प्रभाव की आशंका जताई है और वे लगातार सतर्कता बरतते हुए अपने पोर्टफोलियो की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। इसके बावजूद, बैंक उम्मीद कर रहे हैं कि आने वाले महीनों में स्थिति में सुधार आएगा। भारत के प्रमुख बैंकरों के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद देश के बैंकों की परिसंपत्ति की गुणवत्ता अभी भी अप्रभावित है। एचडीएफसी बैंक के एक अ धिकारी ने स्वीकार किया कि तेल, गैस और उनसे सीधे जुड़े क्षेत्रों में कुछ हद तक व्यवधान देखा गया है, लेकिन कॉरपोरेट क्षेत्र इस संकट से निपटने में सक्षम हैं, जो एक सकारात्मक संकेत है। उनके मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कुछ मामूली असर दिख सकता है, लेकिन यह दीर्घकालिक नहीं होगा। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक के एक अ धिकारी ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट का यील्ड (प्रतिफल) और करेंसी (मुद्रा) पर तात्कालिक असर पड़ा है, जो वित्त वर्ष 2026 के आंकड़ों में भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक सभी संकेतकों की निगरानी जारी रखेगा और आर्थिक वृद्धि तथा व्यापार मांग पर इसका प्रभाव संघर्ष की अवधि पर निर्भर करेगा। मार्च में, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपये में रिकॉर्ड गिरावट के बाद विदेशी मुद्रा बाजार में अपनी निगरानी बढ़ा दी थी। केंद्रीय बैंक ने बैंकों की शुद्ध ओपन पोजीशन (एनओपी) को 10 करोड़ डॉलर तक सीमित कर दिया था। इस पोजीशन को कम करने से वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कुछ नुकसान हुआ और 10 अप्रैल तक अनवाइंड करने की समय-सीमा के कारण इसका एक हिस्सा वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में भी दिखेगा। हालांकि, बैंक कुल मिलाकर मजबूत स्थिति में बने हुए हैं।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में फिर गिरावट, बिटकॉइन-एथेरियम टूटे

क्रिप्टोकरेंसी जीनियस टर्मिनल ने निवेशकों को 200 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया

नई दिल्ली ।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में एक बार फिर निराशा का माहौल है। पिछले 24 घंटों में ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप करीब 1.30 फीसदी गिरकर लगभग 2.52 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया, जिससे बिटकाइन और इथे रियम सहित अधिकांश प्रमुख डिजिटल संपत्तियों में गिरावट दर्ज की गई। इस मंदी के दौर में भी एक अज्ञात क्रिप्टोकरेंसी जीनियस टर्मिनल ने पिछले सात दिनों में निवेशकों को 227 फीसदी से अधिक का शानदार रिटर्न देकर सबको चौंका दिया है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार वैश्विक क्रिप्टो बाजार पूंजीकरण में लगभग 1.30 फीसदी की कमी आई है, जिससे यह 2.52 ट्रिलियन डॉलर पर स्थिर हो गया है। बाजार में कमजोरी के बावजूद सोमवार सुबह फियर एंड ग्रीड इंडेक्स में 1 अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 51 पर पहुंच गया, जो निवेशकों के बीच एक न्यूट्रल भावना को दर्शाता है। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले सप्ताह के मुकाबले लगभग स्थिर बना हुआ है। इस गिरावट का सबसे बड़ा असर प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी पर देखने को मिला। बाजार की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन करीब 1.5 फीसदी टूटकर 74,595 डॉलर पर आ गई, जबकि एथेरियम में लगभग 2.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और इसकी कीमत 2,283 डॉलर हो गई। अन्य प्रमुख डिजिटल संपत्तियों जैसे एक्सआरपी, सोलोना और हाइपर लिक्विड में भी 1.5 से लेकर 5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। ऐसे गिरते बाजार में जहां अधिकांश निवेशक नुकसान झेल रहे थे, वहीं जीनियस टर्मिनल नामक क्रिप्टोकरेंसी ने असाधारण प्रदर्शन किया। पिछले 7 दिनों में इस कॉइन ने निवेशकों को 227 फीसदी से अधिक का चौंका देने वाला रिटर्न दिया, जिसका मतलब है कि यदि किसी ने इसमें एक लाख रुपये का निवेश किया होता तो वह बढ़कर तीन लाख रुपये से अधिक हो सकता था। हालांकि, पिछले 24 घंटों में इसमें 6 फीसदी से अधिक की गिरावट आई और इसकी कीमत घटकर लगभग 0.6271 डॉलर पर आ गई। बाजार की इस मंदी के बावजूद, कुछ अन्य क्रिप्टोकरेंसी ने भी सकारात्मक प्रदर्शन किया।

अनलिस्टेड शेयर में 9 प्रतिशत गिरावट

मुंबई ।

एनएसई के संभावित आईपीओ को लेकर बनी उत्सुकता के बीच अनलिस्टेड मार्केट में इसके शेयरों में करीब 9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जनवरी में 2,075 रुपये पर कारोबार करने वाला शेयर अब लगभग 1,885 रुपये तक आ गया है। गिरावट की मुख्य वजह सख्त नियम और निवेशकों की सतर्कता मानी जा रही है। करीब 20,000 करोड़ रुपये के इस ऑफर फॉर सेल में केवल पुराने निवेशकों को ही हिस्सेदारी बेचने की अनुमति होगी, जिससे नए निवेशक इस दौड़ से बाहर हो गए हैं।

दिल्ली में वाणिज्यिक वाहनों का प्रवेश महंगा, माल ढुलाई पर पड़ेगा असर

हल्के और भारी वाहनों के लिए 40-50 फीसदी की बढ़ोतरी, वस्तुओं की कीमतों पर भी दिखेगा असर

नई दिल्ली ।

दिल्ली में अब व्यावसायिक वाहनों को प्रवेश के लिए अधिक कीमत चुकानी होगी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क (ईसीसी) में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की है।

यह बढ़ोतरी 19 अप्रैल से लागू हो गई है, जिससे परिवहन और रसद लागत बढने की आशंका है, जिसका सीधा असर दै निक उपयोगरी वस्तुओं की कीमतों पर पड़ सकता है। नए आदेश के तहत, हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) के लिए ईसीसी 1,400 रुपये से बढ़कर लगभग 2,000 रुपये हो गया है, जबकि भारी ट्रकों के लिए यह शुल्क 2,600 रुपये से बढ़कर 4,000 रुपये निर्धारित किया गया है।

विभिन्न श्रेणियों के वाणिज्यिक वाहनों के लिए शुल्क में लगभग 40 से 50 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। एमसीडी ने सभी टोल प्लाजा को इन संशोधित दरों को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं। यह निर्णय भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के 12 मार्च के निर्देश के अनुरूप है। न्यायालय ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए, प्रदूषण कम करने और डीजल से चलने वाले वाणिज्यिक वाहनों को दिल्ली में प्रवेश से हतोत्साहित कर बाहरी एक्सप्रेसवे की ओर मोड़ने के लिए इन शुल्कों में वृद्धि का आह्वान किया था। सुप्रीम कोर्ट ने 1 अप्रैल से इन दरों को लागू करने और भविष्य में 5 फीसदी वार्षिक वृद्धि का प्रावधान करने का भी निर्देश दिया था। इस कदम से जहां एक ओर दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर इसका सीधा प्रभाव व्यापार और उपभोक्ता पर पड़ने की आशंका है। एमसीडी टोल संग्रह को सुव्यवस्थित करने के लिए रे फिड -आधारित प्रणालियों जैसे उपाय भी कर रही है। अदालत ने नगर निगम को टोल ढांचे की समीक्षा करने, विस्तृत यातायात आकलन करने और आवश्यकता पड़ने पर टोल प्लाजा को स्थानांतरित करने के लिए एनएचएआई के साथ समन्वय करने का भी निर्देश दिया है।

डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म रेजरपे आईपीओ की जल्द करेगा घोषणा

- कंपनी की इस इश्यू के जरिए 600-700 मिलियन डॉलर जुटाने की योजना

मुंबई ।

डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म रेज़रपे जल्द ही अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी इस इश्यू के जरिए 600-700 मिलियन डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। इसकी संभावित वैल्यूएशन 5-6 बिलियन डॉलर आंकी गई है, जो इसके पूर्व के पीक से काफी कम है और बाजार में स्टार्टअप्स के प्रति बढ़ती सतर्कता का संकेत है। रेज़रपे कॉन्फिडेंशियल फाइलिंग रूट का इस्तेमाल करेगी, जिसके तहत कंपनियां अपने वित्तीय विवरणों को तुरंत सार्वजनिक किए बिना सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा कर सकती हैं। यह रणनीति हाल के समय में स्विगी, ग्रो और मीशो जैसी कंपनियों द्वारा भी अपनाई गई है, जो उन्हें बाजार की स्थिति को देखते हुए लचीलापन देती है। हालांकि, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रेज़रपे की संभावित वैल्यूएशन 5-6 बिलियन डॉलर है, जो 2022 में इसके 7.5 बिलियन डॉलर के पीक से काफी कम है। यह गिरावट बढ़ती प्रतिस्पर्धा, धीमी पेमेंट ग्रोथ और कंपनी के लगातार घाटे के बीच आई है। सार्वजनिक बाजार के निवेशक अब पहले की तुलना में अधिक चयनात्मक हो गए हैं और वे उन कंपनियों को प्राथमिकता दे रहे हैं जिनके पास स्पष्ट मुनाफे का रोडमैप या मजबूत ग्रोथ नंबर हों। हाल ही में फोनपे ने भी कम वैल्यूएशन ऑफर होने के कारण अपने आईपीओ की योजना को फिलहाल टाल दिया था। ऐसे में रेज़रपे को निवेशकों को अपनी प्रॉफिटेबिलिटी और भविष्य की ग्रोथ को लेकर आश्वस्त करना होगा। यह आईपीओ भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए एक महत्वपूर्ण टेस्ट साबित होगा कि बाजार अब हाई वैल्यूएशन के बजाय यथार्थवादी मूल्यांकन पर कितना जोर देता है।

अमेरिका में अवैध आयात शुल्कों का रिफंड शुरू, अरबों डॉलर वापसी का मार्ग प्रशस्त

60 से 90 दिन में मिलेगी राशि; उपभोक्ताओं को भी अप्रत्यक्ष लाभ की उम्मीद

यॉक ।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए विवादास्पद आयात शुल्कों की वापसी का मार्ग प्रशस्त हो गया है। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा इन शुल्कों को असंवैधानिक करार दिए जाने के बाद संबंधित कंपनियों के लिए रिफंड का दावा दाखिल करने की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई है। यह उन हजारों आयातकों के लिए राहत लेकर आया है जिन्होंने अरबों डॉलर का भुगतान किया था। अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) के अनुसार, आयातक और उनके एजेंट सोमवार सुबह आठ बजे से एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से रिफंड का दावा कर सकते हैं। सीबीपी ने बताया कि स्वीकृत दावों पर रिफंड जारी होने में 60 से 90 दिन का समय लग सकता है। यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी, जिसमें पहले हाल ही में किए गए भुगतान शामिल होंगे। न्यायालय ने माना था कि ट्रंप ने आपातकालीन शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया था, जिससे अमेरिकी संसद के कर निर्धारण अधिकार का उल्लंघन हुआ। सीबीपी के आंकड़ों के मुताबिक, लगभग 3,30,000 आयातकों ने करीब 166 अरब डॉलर के शुल्क का भुगतान किया था। हालांकि, फिलहाल रिफंड प्रक्रिया के पहले चरण में कुछ ही मामलों को शामिल किया गया है। इस निर्णय से कुछ मामलों में उपभोक्ताओं को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलने की संभावना है, हालांकि यह प्रक्रिया धीरे-धीरे आगे बढ़ेगी।

भारतीय बैंकों में 2026 की पहली छमाही में औद्योगिक ऋण वृद्धि संभवसर्वेक्षण

- स्थिर विस्तार की उम्मीद, निजी व सार्वजनिक बैंक अधिक आशावान

नई दिल्ली ।

फिक्की और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के एक संयुक्त सर्वेक्षण के अनुसार भारतीय बैंकिंग क्षेत्र जनवरी-जून 2026 की अवधि में 9-13 प्रतिशत की औद्योगिक ऋण वृद्धि का अनुभव करने के लिए तैयार है। यह वृद्धि स्थिर और क्रमिक होगी, न कि कोई तेज उछाल।

इस विस्तार को पूंजीगत व्यय में चल रही बहाली, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती मांग से समर्थन मिलने की उम्मीद है। सर्वेक्षण के विश्लेषण से पता चलता है कि यह औद्योगिक ऋण वृद्धि पूंजीगत व्यय में चल रही बहाली, बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय मांग में सुधार जैसे कारकों से समर्थित होगी। हालांकि, बैंकों की विभिन्न श्रेणियों में ऋण वृद्धि की उम्मीदें अलग-अलग हैं। छोटे वित्त बैंकों (एसएफबी) और सहकारी बैंकों के गैर-खाद्य ऋण में अपेक्षाकृत रूढ़िवादी विस्तार की उम्मीद है, जो लगभग 7-9 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्शाते हैं। यह मुख्य रूप से बड़े औद्योगिक उधारकर्ताओं के प्रति उनके सीमित जोखिम और खुदरा व एमएसएमई ऋणों पर उनके मजबूत ध्यान के कारण है। इसके विपरीत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अधिक आत्मविश्वास प्रदर्शित करते हैं। इनमें ऋण वृद्धि लगभग 11-13 प्रतिशत और कुछ मामलों में 13 प्रतिशत से ऊपर की श्रेणियों में अपेक्षित है। यह आशावाद उनकी बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता, मजबूत पूंजी बफर और कॉर्पोरेट ऋण में निरंतर गति से प्रेरित है, खासकर पूंजीगत व्यय बहाली के संकेतों के बीच। निजी बैंकों में गैर-खाद्य ऋण प्रतिक्रियाएं अधिक विविध वितरण दिखाती हैं। हालांकि अधिकांश बैंक 11 से 13 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगा रहे हैं, कुछ चुनिंदा निजी बैंक 13 प्रतिशत से अधिक वृद्धि की उम्मीद भी कर रहे हैं। यह उनके मजबूत खुदरा पोर्टफोलियो, एमएसएमई की ऋण गति और कैलिब्रेटेड कॉर्पोरेट एक्सपोजर रणनीतियों को दर्शाता है। विदेशी बैंकों के लिए, वृद्धि 11 से 13 प्रतिशत के दायरे में रहने की उम्मीद है। यह वैश्विक तरलता की स्थिति, पूंजी आवंटन प्राथमिकताओं और घरेलू कॉर्पोरेट क्रेडिट बाजारों में उनकी चुनिंदा भागीदारी से समर्थित मध्यम आशावादिता की स्थिति है।

खाने के तुरंत बाद भूलकर भी न करें ये गलतियां, सेहत पर पड़ सकता है हानिकारक असर!

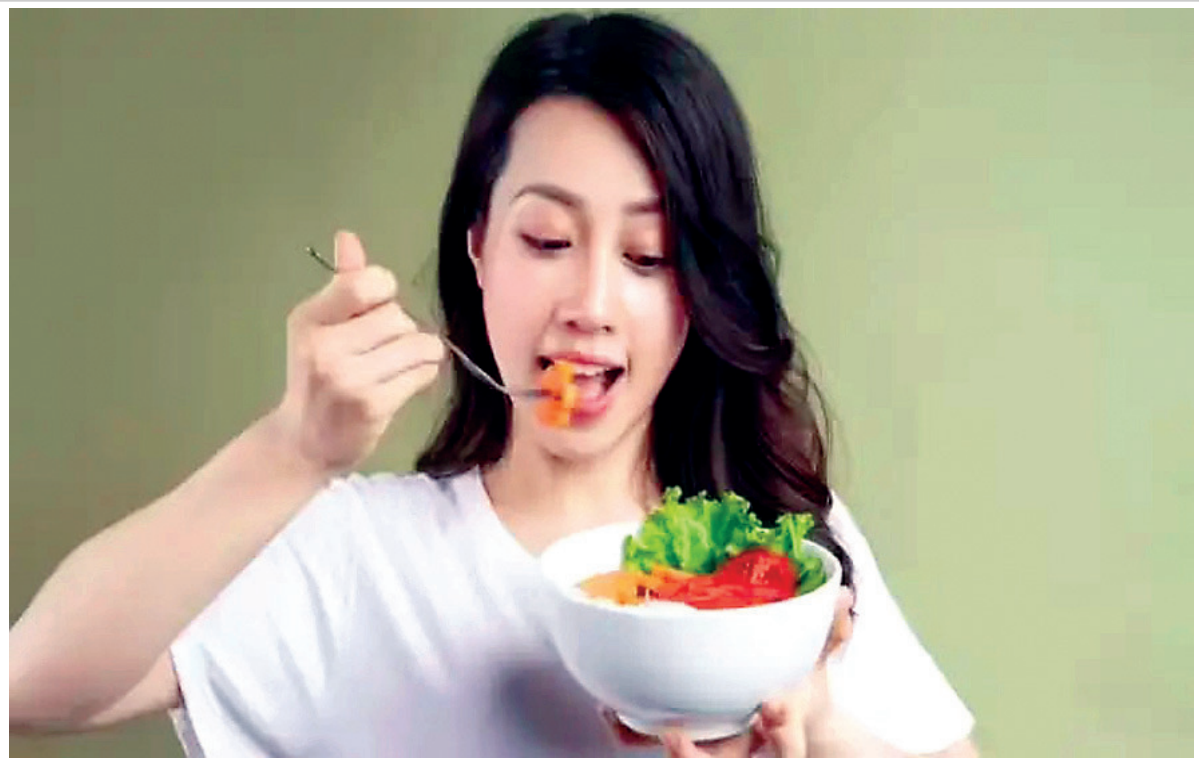

पैदल चलना शरीर के लिए लाभदायक है। इससे वजन घटाने और मधुमेह रोगियों को लाभ होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए खाने के बाद टहलना एक चुनौती हो सकती है। जी हां, डॉ. अनुज के अनुसार, खाने के बाद तीन छोटी सैर (प्रत्येक 10 मिनट) रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में 30 मिनट की एक लंबी सैर से अधिक प्रभावी हो सकती है। यह बेहतर परिणाम देता है, खासकर अगर इसे खाने के तुरंत बाद किया जाए।

डायबेटोलोजिया पत्रिका में प्रकाशित 2016 के एक अध्ययन के अनुसार, भोजन के बाद 10 मिनट की सैर से टाइप-2 मधुमेह वाले लोगों में रक्त शर्करा नियंत्रण में सुधार होता है। भोजन के बाद टहलने से इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ती है और पाचन के दौरान ग्लूकोज का उपयोग बेहतर होता है, जिससे शर्करा के स्तर में तेजी से होने वाली वृद्धि कम होती है।

खाने के बाद टहलने के फायदे

1. ब्लड शुगर नियंत्रित करें – खाने के बाद शरीर को अधिक इंसुलिन की जरूरत होती है। पैदल चलने से शरीर की कोशिकाओं को अधिक ऑक्सीजन और ऊर्जा मिलती है, जिससे रक्त शर्करा का शीघ्र उपयोग होता है और स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

2. हृदय स्वास्थ्य- नियमित रूप से हल्का व्यायाम जैसे टहलना हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और शरीर में रक्त परिसंचरण में सुधार करता है।

3. वजन प्रबंधन- मधुमेह रोगियों के लिए वजन कम रखना बहुत महत्वपूर्ण है। पैदल चलने से कैलोरी बर्न होती है और वजन नियंत्रण में मदद मिलती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

झारखंड के जन स्वास्थ्य अभियान में कार्यरत डॉक्टर अनुज कुमार कहते हैं कि खाने के बाद टहलना एक अच्छा व्यायाम है, लेकिन कुछ लोगों को खाने के बाद टहलने से बचना चाहिए। विशेषकर किसी भी पेट की सर्जरी के बाद।

खाने के बाद किसे टहलना नहीं चाहिए?

गैस्ट्रोपेरेसिस से पीड़ित लोगों में – इससे मतली या सूजन हो सकती है।

गंभीर हृदय रोग से पीड़ित लोगों में – खाने के बाद, रक्त प्रवाह पाचन पर केंद्रित होता है और परिश्रम के कारण हृदय पर दबाव पड़ सकता है।

हाइपोग्लाइसीमिया के रोगी – इंसुलिन या कुछ दवाओं का उपयोग करने वाले लोगों को चलते समय निम्न रक्त शर्करा का अनुभव हो सकता है।

आईबीएस) से पीड़ित लोग – यह एक गंभीर पाचन समस्या है। खाने के बाद टहलने से इसके लक्षण बढ़ सकते हैं।

कुछ लोगों को खाने के बाद चलने से चक्कर आना, सीने में दर्द या अत्यधिक थकान महसूस होती है, इसलिए उन्हें आराम करना चाहिए।

गर्मी में आग की भट्टी बन जाती है किचन, अपनी रसोई को ठंडा रखने के लिए करें ये 5 काम

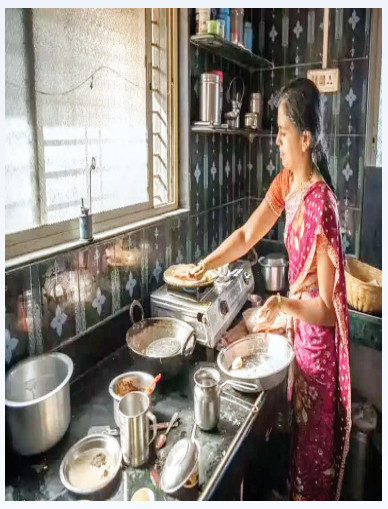

कभी-कभी गर्मियों में कूलर या एसी के बिना रहना असंभव लगता है। यह मौसम उन लोगों के लिए विशेष रूप से थकाने वाला होता है जो दिन-रात रसोई में खाना पकाने में बिताते हैं। अधिकतर महिलाओं को लंबे समय तक रसोई में काम करना पड़ता है। उबलते बर्तनों, गर्म ओवन और खराब वेंटिलेशन के कारण रसोईघर अक्सर भट्टी में बदल जाता है, जिससे खाना बनाना मुश्किल हो जाता है। इस तरह आप कुछ आसान टिप्स अपनाकर किचन को ठंडा और आरामदायक बना सकते हैं, जिससे किचन में गर्मी काफी हद तक कम हो सकती है और आप आराम से खाना बना सकते हैं।

पर्दे और हरियाली का उपयोग करें

यदि आपके रसोईघर में बड़ी खिड़कियां हैं, तो उन्हें दिन के समय बंद रखें, प्रकाश और गर्मी को रोकने के लिए हल्के रंग के सूती पर्दे का उपयोग करें। आप अलमारियों पर इनडोर कूलिंग प्लांट भी लगा सकते हैं। हरियाली आसपास के वातावरण को अधिक ठंडा और आरामदायक बना सकती है। इसके अलावा आप रसोईघर के बाहर भी कुछ पौधे लगा सकते हैं। रसोईघर से गर्मी बाहर निकालने के लिए समय-समय पर खिड़की भी खोलें।

चिमनी और एग्जॉस्ट पंखों का उपयोग करें

यदि आपके रसोईघर में चिमनी या एग्जॉस्ट फैन है तो गर्मियों में उनका प्रयोग करें। वे धुआं, भाप और नमी को कम करने में मदद करते हैं तथा शरीर को अधिक आरामदायक और सूखा रखते हैं। इससे आपका रसोईघर लंबे समय तक ठंडा रहेगा।

सुबह खाना पकाएँ

गर्मियों के मौसम में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच गर्मी बहुत अधिक होती है। इसलिए, गर्मी से बचने के लिए सुबह जल्दी खाना पकाने की कोशिश करें। कई लोग दोपहर का भोजन सुबह 11 बजे से 1 बजे के बीच बनाना शुरू कर देते हैं, जब सूरज चमक रहा होता है। नाश्ता तैयार करने के बाद, अपना दोपहर का भोजन जल्दी से पकाने की कोशिश करें, खासकर उन चीजों को जिन्हें तैयार करने में लंबा समय लगता है।

अगर घर में नहीं आ रही है पॉजिटिव वाइब्स? तो आज ही ट्राई करें सही कलर, फर्नीचर और डेकोरेशन टिप्स

हर व्यक्ति एक ऐसा घर खरीदने का सपना देखता है जहां उसे शांति, सुखद और सकारात्मक ऊर्जा महसूस हो। इसलिए लोग घर की साज-सज्जा और वास्तु पर तो विशेष ध्यान देते हैं, लेकिन जब बात सजावट और फर्नीचर की आती है तो लोग सस्ते सामानों की ओर भागते हैं। वहीं, अगर आप अपने घर को थोड़ी समझदारी और रचनात्मकता के साथ सजाते हैं, तो घर न सिर्फ खूबसूरत दिखता है, बल्कि उसमें रहने वाले लोग भी खुश रहते हैं। आज इस लेख में हम सराफ फर्नीचर के सीईओ रघुनंदन सराफ से जानेंगे कि कैसे आप कुछ खास टिप्स और आइडियाज से अपने लिविंग रूम को ज्यादा सकारात्मक, आकर्षक और आरामदायक बना सकते हैं।

सही रंगों का उपयोग

पूरा दिन बाहर बिताने के बाद घर आने पर हर कोई शांति और आराम पाना चाहता है। इसलिए, आपको अपने कमरे की दीवारों पर बेज, हल्का भूरा और टेराकोटा जैसे रंगों पर विचार करना चाहिए। ये रंग आंखों को सुखा देते हैं। इसके अलावा, आपको अपने घर में लकड़ी का फर्नीचर भी रखना चाहिए, जिसमें डाइनिंग टेबल, कॉफी टेबल और बुकशेल्फ़ शामिल हैं। ऐसा करने से आप अपने घर में प्रवेश करते ही सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करेंगे।

लाल और सुनहरे रंग में सजावट

रघुनंदन सराफ कहते हैं कि अगर आप अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा और चमक लाना चाहते हैं तो आपको लाल और सुनहरे रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। लाल रंग जोश और जुनून का प्रतीक है तथा सुनहरा रंग धन, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है। आपको घर के लिविंग रूम में लाल कुशन, सुनहरे बॉर्डर वाले दर्पण, लाल कुर्सियां ??और सुनहरे डिजाइन वाले लैंप और फूलदान रखने चाहिए।

हरे पौधे लगाएँ

घर को ताजा रखने के लिए आपको इनडोर पौधे लगाने चाहिए। मनी प्लांट और बांस जैसे पौधे सौभाग्य और समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं। ये न केवल दिखने में सुंदर हैं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा भी लाते हैं।

बहुउपयोगी फर्नीचर

सराफ का कहना है कि यदि आपका घर छोटा है और आपके पास फर्नीचर के लिए कम जगह है, तो आप सोफा-कम-बेड, स्टोरेज के साथ बेंच, एक्सटेंडेबल डाइनिंग टेबल और मल्टीफंक्शनल ओटोमन जैसे फर्नीचर खरीद सकते हैं और जगह भी बचा सकते हैं।

कांच या दर्पण वाला फर्नीचर

यदि आप अपने घर को बड़ा दिखाना चाहते हैं, तो आप कांच या कांच का फर्नीचर खरीद सकते हैं। आप कांच के टॉप वाली साइड टेबल या दर्पण वाली डाइनिंग टेबल खरीदकर जगह को बड़ा दिखा सकते हैं। हालाँकि, वास्तु के अनुसार आपको पूर्व या उत्तर दिशा में दर्पण या खिड़की लगानी चाहिए।

फेंग शुई से संबंधित आसान फर्नीचर सेटिंग टिप्स

अगर आप घर का माहौल शांत और खुशहाल रखना चाहते हैं तो आपको कुछ फेंगशुई टिप्स अपनाने चाहिए। आपको लिविंग रूम का सोफा दरवाजे की ओर रखना चाहिए, ताकि आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा सके। घर के फर्नीचर के कोने नुकीले नहीं होने चाहिए और घर में सामान ज्यादा बिखरा हुआ नहीं होना चाहिए। घर में सोफा और कुर्सियां हमेशा गोलाकार में रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

कपड़े धोने के बाद नहीं होगा प्रेस करने का झंझट, बस अपनाएं ये स्मार्ट हैक्स

कपड़े प्रेस करना हम सभी के लिए निश्चित रूप से उबाऊ होता है। विशेषकर, कोई भी व्यक्ति गर्मी की दोपहर में गर्म लोहे के सामने खड़ा नहीं होना चाहता। ऊपर से गर्मी, उमस और दिनभर भागदौड़ के कारण हम अपने कपड़ों को प्रेस करने में अपना समय और मेहनत दोनों बर्बाद करते हैं। हो सकता है कि आप भी गर्मियों में कपड़ों को प्रेस नहीं करना चाहते हों, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। जी हां, कुछ सरल उपाय हैं जिनका पालन करके आप अपने कपड़ों को बिना प्रेस किए भी ताजा और सिलवट रहित रख सकते हैं।

कपड़ों को बिना प्रेस किए भी सिलवटों से मुक्त रखना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है। सही कपड़े के चयन से लेकर कपड़े धोने के कुछ टिप्स तक, कई सरल टिप्स हैं जो आपका समय, प्रयास और पसीना बचा सकते हैं। इसलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ सरल हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना इस्त्री किए भी कपड़ों को रिंकल फ्री रख सकते हैं-

कपड़ों का चयन बुद्धिमानी से करें

जब आप गर्मियों के मौसम में कपड़े खरीद रहे हों तो आपको केवल उसके हल्के वजन पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए। यकीनन, इस मौसम के लिए कपास एक अच्छा कपड़ा माना जाता है, लेकिन इसे काफी प्रेस करना पड़ता है। इसलिए, आपको ऐसे कपड़े का चयन करना चाहिए जिसे इस्त्री करने की आवश्यकता न हो। उदाहरण के लिए, आप लिनेन मिश्रण से लेकर रेयान, निट और स्ट्रेच फैब्रिक तक का चुनाव कर सकते हैं। यदि आपको कपड़े के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, तो कपड़े खरीदते समय टैग पर रिंकल फ्री या नो आयरन की जांच कर लें।

कपड़ों को समझदारी से धोएं

आप अपने कपड़े कैसे धोते हैं, इससे भी बहुत फर्क पड़ता है। उदाहरण के लिए, मशीन में एक साथ बहुत सारे कपड़े न डालें जिससे उन्हें इधर-उधर घूमने के लिए जगह न मिले। इसके अलावा, कपड़े धोने के चक्र में फैब्रिक सॉफ़नर या आधा कप सफेद सिरका मिलाएं, जिससे झुर्रियां कम हो जाएंगी। इसके अलावा, धोने के बाद हर कपड़े को अच्छी तरह हिलाएं और फैलाएं। शर्ट को हैंगर पर लटकाएं और उन्हें सही आकार में सुखाएं। इसके अलावा, झुर्रीदार कपड़ों के साथ ड्रायर में 2-3 बर्फ के टुकड़े डालें और 10 मिनट तक चलाएं। भाप से सिलवटें अपने आप हट जाएंगी।

घर पर बनाएं झुर्रियों से राहत देने वाला स्प्रे

आप कपड़ों पर प्रेस किए बिना ही झुर्रियां हटाने के लिए घर पर ही रिंकल रिलीफ स्प्रे तैयार कर सकते हैं। इसके लिए एक कप डिस्टिल्ड वाटर, एक चम्मच फैब्रिक सॉफ्टनर और एक चम्मच रबिंग अल्कोहल मिलाएं। आवश्यकतानुसार कपड़ों पर हल्का स्प्रे करें, फिर हाथ से सीधा करें। इसे 10 मिनट तक लटका कर सुखाएं।

स्टीमर के बिना भाप बनाने की तरकीब

यदि आपके पास स्टीमर नहीं है तो भी आप कपड़ों को सिलवट रहित बना सकते हैं। इसके लिए गर्म पानी से नहाते समय कपड़ों को बाथरूम में लटका दें। दरवाजा बंद कर दें और भाप को 10-15 मिनट तक अपना काम करने दें। इसके बाद अपने हाथों की मदद से कपड़ों को सीधा करें। सिलवटें आसानी से हटा दी जाएंगी।

घरेलू मैदान पर आज दिल्ली कैपिल्स से खेलेगी सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में सनराइजर्स का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि उसका अब तक का प्रदर्शन दिल्ली से बेहतर रहा है। अंक तालिका में दोनो ही टीमों के 6-6 अंक हैं पर बेहतर रन औसत के कारण सनराइज चौथे जबकि दिल्ली पांचवे स्थान पर है। ईशान किशन की कप्तानी में अबतक सनराइजर्स का प्रदर्शन बेहतर होता गया है। उसकी गेंदबाजी भी युवाओं को शामिल करने के बाद से ही मजबूत हुई हैं। उसके युवा गेंदबाजों प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन ने अच्छी गेंदबाजी कर विरोधी टीमों पर दबाव बनाया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद से ही टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। हिंगे के अलावा युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा ने भी काफी अच्छी गेंदबाजी की है। जहां तक बल्लेबाजी की बात है उसके पास ईशान के अलावा हेनरिक क्लासेन , ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसका कमजोर पक्ष मध्यक्रम के बल्लेबाजों की विफलता है। जिस पर ही दिल्ली कैपिल्स हमला करने का प्रयास करेगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही

दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाई है। अब तक केएल राहुल, पथुम निसांका और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाजों ने ही रन बनाए हैं पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। युवा समीर रिजवी पिछले तीन मैच से रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी है। दिल्ली की गेंदबाजी हालांकि अच्छी है। उसके पास

तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव हैं। कप्तान अक्षर पटेल ने भी अच्छी गेंदबाजी की है इसके अलवा युवा गेंदबाजों मुकेश कुमार व टी नटराजन का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

अब तक दोनो टीमों के बीच हुए 26

मुकाबलों में से सनराइजर्स ने 13 जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने 12 मैच जीते हैं। ऐसे में इस बार भी इनके बीच कड़े मुकाबले की उम्मीदें हैं।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद = ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी

दिल्ली कैपिटल्स = अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, मिचेल स्टार्क, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव

ऑरेंज कैप के लिए वैभव, पर्पल कैप की रेस में कंबोज शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी 46 रनों की पारी के साथ ही सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ मे शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हो गये हैं। वैभव ने इस मैच में 28 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के लगाये। इस दौरान इस बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट 164.29 का था।

वैभव ने अब तक इस आईपीएल सत्र के 6 मैचों में 246 रन बनाये हैं, उन्होंने यह रन 41 की औसत और 236.54 के स्ट्राइक रेट से बनाये हैं। इस प्रकार वह सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पहले नंबर पर 283

रनों के साथ ही सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन हैं जबकि दूसरे पर गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल 251 और तीसरे पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 247 रन हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ ही चौथे और रजत पाटीदार 230 रनों के साथ ही पांचवे स्थान पर हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज बेहतरीन प्रदर्शन कर पहले नंबर पर हैं उनके 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह पर्पप कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव ने 6 मैचों में 11 विकेट लेकर दूसरा स्थान हासिल किया है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2/20 और 8.59 का इकॉनमी रेट रहा है।

तीसरे नंबर पर गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा हैं। प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 मैचों में 11 विकेट लिए हैं।उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/28 रहा है और उनका 9.20 का इकॉनमी रेट रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं। उनका इकॉनमी रेट 8.33 है, जो शीर्ष 5 में सबसे अच्छा है।

राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई पांचवे नंबर पर हैं। बिश्नोई ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं और उनका इकॉनमी रेट 9.50 है।

तीनों ही प्रारुप में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं अभिमन्यु मिथुन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम एक ऐसा रिकार्ड है। जो किसी अन्य के नाम पर नहीं हैं। अभिमन्यु ने अपने करियर में भारतीय टीम के ओर से केवल 9 मैच खेले हैं पर घरेलू क्रिकेटर में इस क्रिकेटर का करियर लंबा चला है। अभिमन्यु भारत के ऐसे पहले क्रिकेटर हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक लगायी है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ हैट्रिक ली. विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ हैट्रिक लगायी। ये ऐसा रिकार्ड है जो किसी के भी नाम नहीं है। इस क्रिकेटर को तेज गेंदबाजी और अच्छी लाइन-लेंथ के लिए जाना जाता था। 2010 में श्रीलंका के खिलाफ गाले में उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट लिए थे। वहीं इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय डेब्यू किया था। मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवीसय मैच खेलते हुए कुल 12 विकेट लिए है। मिथुन एक गेंदबाज के अलावा निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी कर लेते थे। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 24.00 का रहा. उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट जून 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और आखिरी एकदिवसीय दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के ही खिलाफ खेला था.

इस क्रिकेटर ने 2021 में भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। भले ही इस क्रिकेटर को भारतीय टीम में अधिक अवसर नहीं मिले, लेकिन कर्नाटक के लिए 300 से ज्यादा फर्स्ट क्लास विकेट और घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक की उपलब्धि इस खिलाड़ी के नाम है। इसके अलावा टी20 के अंतिम ओवर में इस क्रिकेटर के नाम एक ओवर में 5 विकेट लेने का रिकार्ड भी है। अभिमन्यु ने साल 2019 में घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड बनाया। तब कर्नाटक की ओर से खेलते हुए उन्होंने हरियाणा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पारी के आखिरी ओवर में पांच विकेट लिए थे। ओवर की पहली चार गेंदों पर उन्होंने लगातार 4 विकेट लिए और आखिरी गेंद पर 5वां विकेट लिया।

पंजाब किंग लगातार छह मैचों में अजेय रहने वाली पहली टीम बनी, मैच में कई रिकार्ड भी बने

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रियांश आर्या और कूपर कॉनॉली की शानदार बल्लेबाजी से पंजाब किंग्स ने यहां खेले गये आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया। इस जीत के साथ ही पंजाब की टीम ने एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। पंजाब की टीम आईपीएल में लगातार छह मैच में अजेय रहने वाली पहली टीम बन गयी है। वह लीग की शुरुआत से ही अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। इस मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 254 रन बनाये जिसके बाद लक्ष का पीछा करते हुए सुपर जायंट्स की टीम 200 रन ही बना पायी।

प्रियांश और कूपर की शानदार बल्लेबाजी से पंजाब ने 7 विकेट के नुकसान पर 254 रन बनाये। ये इस सत्र में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपर जायंट्स की टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। इस मैच में पंजाब ने शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन का विकेट खो दिया पर इसके बाद भी प्रियांश और कॉनॉली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन की बड़ी साझेदारी कर अपनी टीम को संभाला।

आर्य ने 37 गेंदों में 93 रन बनाये जबकि कॉनॉली ने 46 गेंद में 87 रन बनाए। इस मैच में कई रिकार्ड भी बने। पंजाब किंग्स की टीम किसी भी सत्र में शुरुआती 6 मैच में अपराजेय रहने वाली पहली टीम बन गई है। टीम ने 5 मैच जीते है जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया।

वह इस सत्र में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली टीम बन गई है। आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके)

के खिलाफ मुकाबले में सबसे अधिक 250 रन बनाये थे।.

पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए मैच में 454 रन बने. जिसमें दोनों टीम की तरफ से कुल मिलाकर 32 छक्के लगाये गए। ये इस सत्र में किसी एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के का रिकॉर्ड है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर एडन मार्करम के एक ही ओवर में 32 बने। ये आईपीएल का अब तक का सबसे महंगा ओवर रहा। प्रियांश और कॉनॉली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन बनाये। ये इस सत्र में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

चोटिल जैक ड्रेपर मैड्रिड और इटैलियन ओपन में नहीं खेलेंगे

लंदन । जैक ड्रेपर ने इस हफ़्ते होने वाले मैड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है और घुटने की नस में चोट लगने के कारण वह अगले महीने होने वाले इटैलियन ओपन में भी नहीं खेल पाएंगे।24 साल के ड्रेपर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया था और इसी समस्या के चलते बार्सिलोना में इस सीजन के अपने एकमात्र क्ले कोर्ट मैच से उन्हें बीच में ही हटना पड़ा था। यह टूर्नामेंट हड्डी में चोट (बोन ब्रूसिंग) से उबरने के बाद उनकी वापसी का सिर्फ चौथा टूर्नामेंट था; इस चोट की वजह से यूएस ओपन के एक मैच को छोड़कर वह विंबलडन के बाद से ही टूर से बाहर थे। ड्रेपर ने कहा, 'मेरे घुटने की नस में चोट बढ़ जाने के कारण मैं मैड्रिड और रोम में नहीं खेल पाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से निराशाजनक है, लेकिन मैं शुक्रगुज़ार हूं कि यह कोई बहुत गंभीर चोट नहीं है। मेरी रिकवरी अच्छी चल रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि मैं रोलैंड गैरोस के लिए पूरी तरह फ़िट हो जाऊंगा। मैं वहां से अपनी लय बनाने का इंतजार कर रहा हूं।'

शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को बाहर करे मुम्बई इंडियंस : श्रीकांत

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आईपीएल में खराब प्रदर्शन कर रहे मुम्बई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को आड़े हाथों लिया है। श्रीकांत ने कहा है कि इन दोनो को ही घर वापस भेज देना चाहिये क्योंकि ये दोनो ही अंतिम ग्यारह में रखे जाने के योग्य नहीं दिखते। श्रीकांत ने मुंबई इंडियंस के प्रबंधन से कहा है कि इन दोनो को आगे के मैचों में शामिल न करे। श्रीकांत ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुंबई इंडियंस कैसे दीपक चाहर को अंतिम ग्यारह में शामिल किये हुए है। पहले ही ओवर में चाहर ने 21 रन दिए और फिर 22 रन दिए थे।2.3 ओवर में 45 रन। वहीं शार्दुल ने 3 ओवर में 42 रन दिए। उन्होंने एक साथ 5.3 ओवर किए और 87 रन खर्च किए। उन्होंने साथ ही कहा, इस प्रकार के गेंदबाजों के साथ किया प्रकार से जीता जा सकता है। श्रीकांत इन दोनो से इतने नाराज दिखे की उन्होंने कहा कि इन्हें पैसे देकर आराम से घर बैठने को कहो।जब जरुरत होगी इन्हें बुला लिया जाएगा।।वहीं टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है पर टीम के कोच महेला जयवर्धने ने उनका बचाव किया है।

भारत में फीफा विश्वकप मैचों के प्रसारण को लेकर संशय बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 का इंतजार पूरे विश्व के साथ-साथ भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक कर रहे हैं हालांकि इसके देश में प्रसारण को लेकर संशय छाया हुआ है। इसका कारण ये है कि अभी तक किसी भी भारतीय टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इस मेगा इवेंट के मीडिया अधिकार नहीं खरीदे हैं, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या भारतीय दर्शक इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को देख पाएंगे या नहीं।

विश्व कप संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। 11 जून, 2026 से इसकी शुरुआत होगी और यह पहली बार होगा जब 48 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम भले ही इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई हो, लेकिन देश में फुटबॉल के प्रति जुनून किसी से छिपा नहीं है। लाखों भारतीय प्रशंसक हर चार साल में होने वाले इस आयोजन का बेसब्री से

इंतजार करते हैं, अपनी पसंदीदा टीमों और खिलाड़ियों को खेलते देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। पिछले विश्व कपों में भी भारत में रिकॉर्ड तोड़ दर्शक संख्या दर्ज की गई थी, जो यहां के फुटबॉल प्रेम की गहराई को दर्शाता है।

लेकिन, इस बार स्थिति काफी अलग और चिंताजनक है। फीफा ने 2025 में ही विश्व कप के मीडिया अधिकारों की बिक्री प्रक्रिया शुरू कर दी थी, ताकि प्रसारणकर्ता को पर्याप्त समय मिल सके। विभिन्न देशों में अधिकार बेचे जा चुके हैं, लेकिन भारत में अभी तक कोई भी आधिकारिक प्रासरणकर्ता सामने नहीं आया है।

प्रसारण अधिकारों की बिक्री में यह गतिरोध मुख्य रूप से वित्तीय पहलुओं से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। फीफा ने शुरुआत में 2026 और 2030 दोनों विश्व कप के संयुक्त मीडिया अधिकारों की कीमत 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 830 करोड़ रुपये) आंकी थी, जो कि भारतीय बाजार के लिए एक बहुत बड़ी राशि मानी जा रही थी। इस भारी कीमत के कारण कोई भी संभावित खरीददार आगे नहीं आया। खरीदार न मिलने के बाद, फीफा ने कीमत में भारी कटौती करते हुए इसे 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 290 करोड़ रुपये) कर दिया। इतनी बड़ी कमी के बावजूद, अभी तक कोई भी भारतीय टेलीविजन चैनल या डिजिटल प्लेटफॉर्म इन अधिकारों को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुआ है। यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रॉडकास्टर्स अभी भी इस कीमत को बहुत अधिक मान रहे हैं या फिर उन्हें इसमें अपेक्षित व्यावसायिक लाभ नहीं दिख रहा है।

यह स्थिति भारत के करोड़ों फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका है, जो विश्व कप के रोमांचक मुकाबलों को अपने घरों में बैठकर देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकलता है, तो संभव है कि भारतीय दर्शकों को फीफा विश्व कप 2026 के मैचों से वंचित रहना पड़े, जो सबसे निराशाजनक होगा। ऐसे में मैचो के प्रसारण के लिए फीफा और भारतीय प्रसारणकर्ताओं के बीच शीघ्र ही किसी समझौते की जरुर है।

हरभजन ने नेहरा को एक शानदार कोच बताया

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन के अनुसार नेहरा बेहद जुनूनी और उत्साही कोच हैं जो टीम को एकजुट बनाये रखते हैं। हरभजन के अनुसार जिस प्रकार नेहरा खिलाड़ियों से लगातार बात करते हैं और उनकी परेशानी दूर करते हैं उसी का कारण है कि टीम भी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि नेहरा का स्वभाव व तरीका ऐसा है कि वह कहीं भी और किसी भी प्रकार के हालातों में माहौल को सहज बना सकते हैं। वह जहां भी जाते हैं, अपने आसपास सभी लोगों को सरल स्वभाव से सहज बना देते हैं। वह किसी फुटबॉल कोच की तरह नजर आते हैं जो लगातार दौड़ता रहता है। उनकी खेल की समझ काफी अच्छी है जो उन्हें एक बेहतरीन कोच बनाती है। जिस प्रकार उन्होंने गुजरात टाइटंस को तैयार किया है वह तारीफ के काबिल बात है। वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा है कि आईपीएल से पहले कार्तिक त्यागी और अशोक शर्मा ने जो कड़ी मेहनत की थी उसी का फल अब इन दोनो को मिल रहा है जिससे ये काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेषकर कार्तिक ने जिस प्रकार से चोट से उबरकर वापसी की है उसकी जितनी प्रशंस की जाये वह कम है।

ऋषभ ने बताया, बडोनी के पारी शुरु करने का कारण

न्यू चंडीगढ़ । लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीए में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार से निराश हैं। इस मैच में ऋषभ के कुछ फैसलों को लेकर भी सवाल उठे हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत में ऋषभ पारी की शुरुआत के लिए आये थे पर इस मैच में उन्होंने आयुष बडोनी को पारी शुरु करने के लिए भेजा था। आयुष ने मिचेल मार्श के साथ पारी शुरु की। बडोनी ने 21 गेंदों पर 35 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दी। ऋषभ ने अब बदोनी से पारी शुरु कराने का कारण बताया है। ऋषभ कहा, हमने मैदान पर जाकर खुलकर खेलने का फैसला लिया था। यह पहले से तय था कि बडोनी पारी शुरु करेंगे पर ये बात हमने सार्वजनिक नहीं की थी। हम शीर्ष ऑर्डर में थोड़ी आजादी चाहते थे और मैं मध्य क्रम में सहायता करना चाहता था।

आलोचकों के निशाने पर आये पाकिस्तान के रिजवान

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान पिछले कुद समय से अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं। इसी कारण वह टीम में भी वापसी नहीं कर पा रहे हैं। यहां तक कि पाक सुपरलीग पीएसएल में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिससे उनकी टीम लीग से बहार हो गयी है। टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद रिजवान ने भी स्वीकार किया है कि उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने हालांकि माना है कि अभी उन्हें टी20 टीम में जगह नहीं मिल

सकती पर वह इसके बाद भी हार न मानते हुए वापसी के लिए पूरा प्रयास करेंगे। रिजवान ने कहा कि उन्होंने पहले भी स्वीकार किया था कि खराब प्रदर्शन के आधार पर वह टीम में जगह के अधिकारी नहीं हैं। उन्होंने कहा, जब मैं बिग बैश लीग (बीबीएल) खेल रहा था, तब भी मैंने कहा था कि इस प्रदर्शन के आधार पर मैं अभी पाक टीम में जगह हासिल नहीं कर सकता । रिजवान ने ये भी कहा कि अगर प्रशंसक चाहेंगे कि व रिटायर हो जायें तो वह ये भी कर सकते हैं1 इस क्रिकेटर ने कहा, हम सब इंसान हैं। मैंने अपनी गलतियां मानी हैं। अगर आप सोचते हैं कि मुझे इस उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा। वहीं अगर मैं ऐसा नहीं करता हूं तो खराब फॉर्म के बाद भी वापसी को तैयार हूं क्योंकि क्रिकेट से ही मुझे पहचान मिली है। ऐसे में वापस के लिए मैं पूरी ताकत लगा दूंगा।उन्होंने कहा, क्रिकेट मेरा जुनून है। मैं इससे दूर नहीं जा सकता। अभी मैं फेल हुआ हूं, शायद मेहनत कम थी, लेकिन मैं और मेहनत करके वापसी करूंगा।रिजवान का खराब प्रदर्शन आंकड़ों से साफ दिखता है। पिछले साल 14 पारियों में उन्होंने केवल 242 रन बनाये और उनका औसत 17.28 रहा जबकि पीएसएल मे में इस साल 7 पारियों में वह 107 रन ही बना पाये हैं। ऐसे में फिलहाल उनकी वापसी की संभावना नजर नहीं आती।

अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है, आरसीबी के तेज गेंदबाज रासिख ने बताया आगे का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के तेज गेंदबाज रासिख सलाम डार ने कहा कि उनका सबसे बड़ा सपना भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है और वह देश का प्रतिनिधित्व किसी भी फॉर्मेट में करने के लिए तैयार हैं। IPL 2026 में रासिख ने तीन मैचों में 5 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/24 का मैच जिताने वाला प्रदर्शन भी शामिल है। रासिख ने फ्रैंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'मैंने क्रिकेट खेलना IPL या भारत के बारे में सोचकर शुरू नहीं किया था। मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि यह सफर मुझे कहां ले जाएगा। लेकिन अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में किसी भी फॉर्मेट में खेलना है।'

उनकी लगन तब साफ दिखी जब उन्होंने इस सीजन में पहली बार वानखेड़े स्टेडियम में मैच खेला; ऐंठन (cramps) से जूझने के बावजूद उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 1-23 का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं गेंदबाजी करने आया, तो मुझे ऐंठन होने लगी,

ऐसा कुछ मैंने पहले कभी महसूस नहीं किया था। लगभग हर गेंद के बाद मुझे ऐंठन हो रही थी। गेंद डालते समय मैं गिर रहा था और ठीक से झुक भी नहीं पा रहा था। मेरे मन में बस एक ही बात थी कि मुझे यह ओवर पूरा करना है। अगर मैं ऐसा कर पाता, तो टीम बेहतर स्थिति में होती।'

उनके इन प्रयासों की RCB के सहायक कोच ओंकार साल्वी ने भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'उसमें एक अलग ही जज्बा है। जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों में रहना, वह मुश्किल जिंदगी, क्रिकेट खेलने के लिए घंटों का सफर तय करना, आप देख सकते हैं कि एक खिलाड़ी के तौर पर उसने कितनी तरक्की की है। सबसे पहली चीज जो मैंने उसमें देखी, वह थी उसकी प्रतिस्पर्धी भावना। साथ ही, उसका नजरिया भी काफी रचनात्मक था। गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने के अलावा, उसके पास एक धीमी गेंद (slower one) भी थी, और टी20 क्रिकेट खेलने का उसका नजरिया भी दूसरों से अलग था।'

रासिख ने अपने करियर की शुरुआत में मन में उठने वाले उन शुरुआती सवालों को याद किया, जब तक कि उन्हें अपनी मां से हौसला नहीं मिला। रासिख ने कहा, 'जब मैंने पेशेवर तौर पर क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो मेरे परिवार और रिश्तेदारों का कहना था कि कोई भी क्रिकेट को अपना पेशा नहीं बना सकता, क्योंकि हमारे इलाके से बहुत कम लोग ही क्रिकेट खेलते थे। लेकिन मेरी मां को हमेशा मुझ पर भरोसा था। बचपन से ही वह कहती थीं कि मेरा बेटा एक दिन क्रिकेटर जरूर बनेगा।'

उनकी इस यात्रा में ट्रायल में शामिल होने के लिए लंबी यात्राएं, इरफान पठान से मार्गदर्शन और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा चुने जाने के बाद चोटों के कारण मिली रुकावटें शामिल थीं; इस दौरान उन्हें खेल से दो साल का ब्रेक भी लेना पड़ा। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार अंडर-19 ट्रायल के लिए गया, तो मुझे इसकी प्रक्रिया भी ठीक से पता नहीं थी। उस साल मेरा चयन नहीं हुआ। अगले साल, जब मैं दोबारा गया, तो वहां इरफान पठान मौजूद थे। मुझे कुछ गेंदें फेंकते देखने के बाद उन्होंने मुझे रोका और मेरा मार्गदर्शन करना शुरू कर दिया। तभी मुझे लगा कि शायद उन्हें मुझमें कुछ खास नजर आया है। दो मैच खेलने के बाद मुझे पीठ में चोट लग गई। फिर ठीक होने की प्रक्रिया के दौरान मुझे दोबारा चोट लग गई। उस समय मुझे एहसास हुआ कि मुझे जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। मुझे पूरी प्रक्रिया का पालन करना था, चाहे इसमें कितना भी समय क्यों न लगे।'

RCB ने मेगा ऑक्शन में उन पर भरोसा दिखाया और उन्हें 6 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल कर लिया। हालांकि 2025 के खिताब जीतने वाले सीजन में उन्हें ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिला, फिर भी रासिख RCB के सीनियर गेंदबाजों से सीखने के इस मौके का पूरा आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार जैसे खिलाड़ियों के साथ काम करते हुए, मैं उनसे बहुत सारे सवाल पूछता था कि उन्होंने किसी खास समय पर कोई खास गेंद क्यों फेंकी। मैं बस सीखना चाहता था।'

पर्दे के पीछे की उनकी मेहनत साल्वी को साफ नजर आती थी। उन्होंने कहा, 'वह हमेशा अपने लिए कड़ी मेहनत करते रहते थे। वह हमेशा हर उस मैच से कुछ न कुछ सीखने की कोशिश करते थे जिसे वह बाहर बैठकर देख रहे होते थे। और फिर उनकी अपनी राय भी होती थी, जिस पर हम मैच के बाद अभ्यास के दौरान चर्चा करते थे। रासिख में गेंद को दोनों तरफ घुमाने की काबिलियत है।'

‘आप पर्दे पर मुख्यमंत्री बन सकते हैं, असल में नहीं’

प्रकाश राज ने ‘जन नायकन’ को-एक्टर थलापति विजय पर कसा तंज

अभिनेता प्रकाश राज अपने बेबाक बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। वो अक्सर ही केंद्र सरकार पर निशाना भी साधते रहते हैं। अब प्रकाश राज ने ‘जन नायकन’ के अपने को-एक्टर थलापति विजय के राजनीति में प्रवेश करने पर कटाक्ष किया है। विजय अपनी राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के साथ आगामी तमिलनाडु चुनावों के प्रचार में व्यस्त हैं। ऐसे में प्रकाश राज ने राजनीति के सिनेमा मॉडल पर निशाना साधा है।

प्रकाश राज ने राजनीति में फिल्मी सितारों के आने पर कसा तंज

पलानी में सीपीआई (एम) उम्मीदवार एन पांडी के लिए आयोजित एक प्रचार कार्यक्रम में बोलते हुए प्रकाश राज ने राज्य में प्रचलित तीन राजनीतिक दृष्टिकोणों का उल्लेख किया - द्रविड़ मॉडल, दास मॉडल और सिनेमा मॉडल। सभा को संबोधित करते हुए प्रकाश राज ने फिल्म सितारों के राजनीति में आने की बढ़ती प्रवृत्ति पर सवाल उठाया, जो स्पष्ट रूप से विजय की ओर इशारा था।

‘कमर्शियल एक्टर्स’ पर ऋचा चड्ढा ने उठाए सवाल

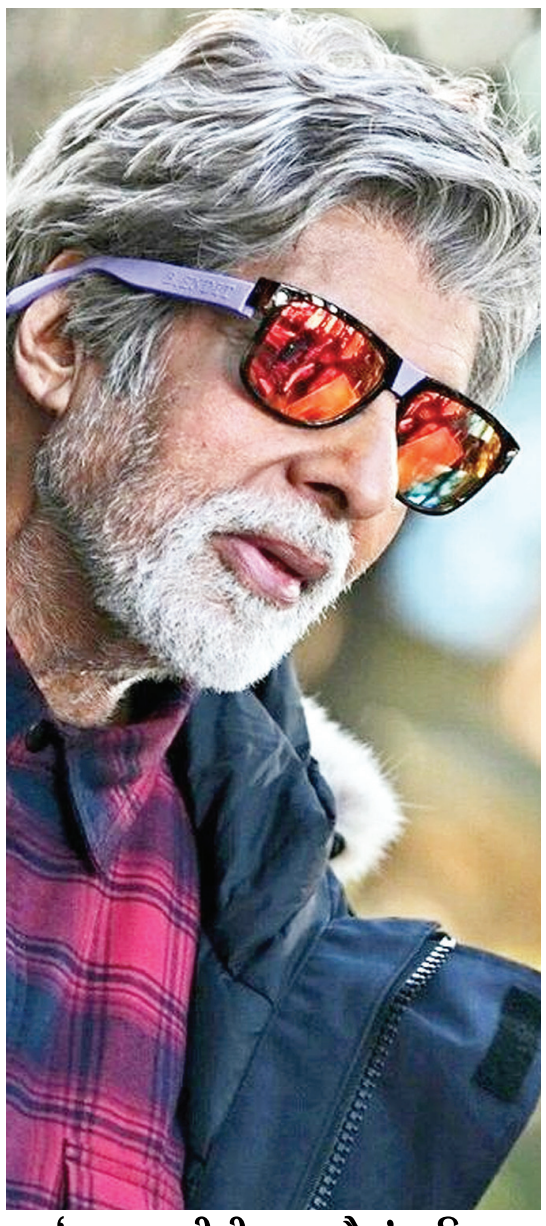

एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा अक्सर खुलकर कई मुद्दों पर बात करती और अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सवाल उठाया है कि इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार ‘कमर्शियल’ एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? उनका कहना है कि ऐसे एक्टर्स उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस तक दर्शकों को ला पाते हैं और न ही इंडी फिल्म को फेस्टिवल में कोई साख दिला पाते हैं। ऋचा ने एक बयान में कहा, ‘अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है?’

एक्ट्रेस ने कहा कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन ‘कम से कम ट्रेंड एक्टर्स के साथ आपको यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी। इंडी फिल्मों के पीछे भी कमर्शियल सोच होती है, कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती। ऐसे एक्टर को हायर करना ज्यादा किफायती होता है जो कम बजट में भी फिल्म को साख दिला सके। ‘ उन्होंने आगे कहा, ‘किसी भी एक्टर की काबिलियत या अहमियत को कम न करते हुए, मेरा मकसद यह है कि अगर इंडी फिल्मों को 2026 में सचमुच टिके रहना है, तो हमें यह समझना और सीखना होगा कि दर्शक अच्छी कहानियां देखना चाहते हैं, ऐसे काबिल एक्टर्स के साथ जो बजट पर भारी न पड़ें, क्योंकि उनके साथ आने वाले लोगों का खर्च भी तो उठाना पड़ता है। ऋचा ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिपेंडेंट सिनेमा की बुनियाद हमेशा से ही रिस्क लेने, असलियत और मजबूत कहानी कहने पर टिकी रही है।

‘समय जल्दी बीत जाता है...’, अमिताभ बच्चन ने क्यों कही ये बात? पिता हरिवंश राय बच्चन की कविताओं का किया जिक्र

सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन 83 साल की उम्र में भी फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया और ब्लॉग पर भी लगातार सक्रिय हैं। वो अक्सर अपने ब्लॉग्स के जरिए भी लोगों को प्रेरित करते रहते हैं और प्रेरणादायक बातें साझा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में सक्रिय और प्रेरित रहने के महत्व पर विचार व्यक्त किया। इसके लिए उन्होंने अपने पिता व रचनाकार हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियों का भी जिक्र किया।

शरीर को गतिशील रखें

अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की रचनाओं से प्रेरणा लेते हुए अमिताभ ने समय की अस्थिरता और शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्रिय रहने के महत्व के बारे में बात की। अपने ब्लॉग में उन्होंने लिखा, ‘बाबूजी की रचनाओं से कुछ विचार और दिन बीतते जा रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही बीता था और अगला महीना शुरू होने वाला है। यह हमें याद दिलाता है कि समय कितनी जल्दी बीत जाता है। गतिशीलता ही कुंजी है। शरीर को गतिशील रखें, मन को गतिशील रखें और गतिशीलता की शक्ति अचानक स्पष्ट हो जाएगी, न कि बिना किसी कारण के बैठे रहने से।’

धैर्य और ज्ञान का बताया महत्व

बिग बी ने धैर्य और ज्ञान के महत्व पर भी बात की। उन्होंने लिखा, ‘धैर्य उस पहेली की तरह है, जिसका हल हर पल चाहिए। एक पल भी धैर्य की परीक्षा है। लेकिन इसका फल मिलता है और बहुत अच्छा मिलता है। आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि दार्शनिक दृष्टि से।’ उन्होंने ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, ‘किसी भी विषय का अध्ययन युद्ध के संदर्भ में धनुष से कई तीर निकालने जैसा है।

कहा- अभी-अभी बच्चे को जन्म दिया है

मां बनने के बाद बढ़ते वजन पर ट्रोल करने वालों को भड़कीं पत्रलेखा

सोशल मीडिया की दुनिया जितनी तेज और चमकदार दिखती है, उतनी ही तनावपूर्ण भी होती है। खासकर फिल्मी सितारों के लिए यह दबाव और भी बढ़ जाता है, जहां हर बदलाव के साथ यूजर्स के कमेंट्स से गुजरना पड़ता है। इस कड़ी में अभिनेत्री पत्रलेखा को भी ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मां बनने के बाद उनके बढ़ते वजन को लेकर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। इस पर पत्रलेखा ने ट्रोलर्स को करार जवाब दिया। पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है और यह उनके शरीर में आए बदलाव का सबसे बड़ा कारण है। पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ‘’मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लोगों को ऐसा लगता है जैसे मैंने जरूरत से ज्यादा खा लिया हो, जबकि सच्चाई यह है कि मैंने इस दौरान एक नई जिंदगी को जन्म दिया है।’’ पत्रलेखा ने कहा, ‘’प्रेग्नेंसी के दौरान और उसके बाद शरीर में बदलाव आना पूरी तरह सामान्य बात है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग बिना समझे तुरंत कमेंट कर देते हैं। मैंने पहाड़ नहीं खाया है, बल्कि एक बच्चे को जन्म दिया है। मैं अपनी मातृत्व की जिम्मेदारी निभा रही हूं और साथ ही दो फिल्मों के निर्माण का काम भी संभाल रही हूं, जो बिल्कुल भी आसान नहीं है।’’

पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ‘’मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

अपने पोस्ट के आखिर में पत्रलेखा ने लोगों से भावनात्मक अपील की और कहा, ‘’अगर मेरे हाथ में होता तो मेरा शरीर ऐसा न होता, लेकिन यह पूरी तरह शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। मेरी लोगों से आग्रह किया कि किसी भी महिला के शरीर पर कमेंट करने से पहले उसके हालात और संघर्ष को समझने की कोशिश करें। हर किसी को थोड़ा तो दयालु बनना चाहिए। पत्रलेखा और अभिनेता राजकुमार राव ने पिछले साल 15 नवंबर को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। कपल ने अपनी बेटी का नाम पार्वती पॉल राव रखा।

इंफ्लुएंसर तान्या चटर्जी ने किया दावा

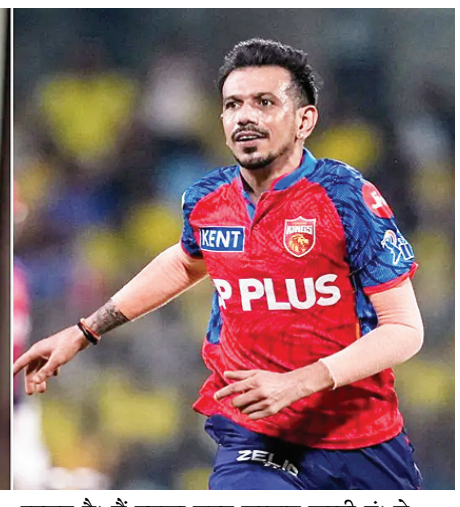

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों मैदान से ज्यादा सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इंफ्लुएंसर तान्या चटर्जी ने दावा किया था कि चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर मैसेज किया था। इस छोटे से मैसेज ने देखते ही देखते बड़ा विवाद खड़ा कर दिया और इंटरनेट पर बहस छिड़ गई। इंफ्लुएंसर ने बातचीत में इस विषय पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ‘वह बस एक सामान्य मैसेज था। इसमें कोई बुराई या फिर विवाद छेड़ने जैसा कुछ भी नहीं था। मेरे मन में उनके लिए बहुत इज्जत है। मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं। वे एक भारतीय खिलाड़ी हैं और देश के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने मुझे सिर्फ ‘क्यूट’ कहा था और आईपीएल के बारे में बातचीत चल रही थी।’ तान्या ने आगे बताया कि पूरी बातचीत के दौरान चहल से जुड़ा टॉपिक सामने आया और उन्होंने इसे ऐसे ही बता दिया।
उन्होंने कहा, ‘मेरा इरादा चहल को बदनाम करने का बिल्कुल भी नहीं था। मैं तो अपने दोस्तों के साथ भी इसी तरह रहती हूं। मुझमें वह मासूमियत अभी भी है। मेरे अंदर का बच्चा अभी भी जिंदा और हमेशा बरकरार रहेगा। उन्होंने मेरी तारीफ की थी, मुझे अच्छा लगा, बात खत्म। ‘ अभिनेत्री ने आगे कहा, ‘मैं समझ नहीं पा रही हूं कि मानहानि का केस कैसे हो सकता है। मैंने तो उन्हें बदनाम नहीं किया, बल्कि, उनकी तारीफ ही की थी।

‘ उन्होंने कहा, ‘चहल एक भारतीय क्रिकेटर हैं और आईपीएल में खेल रहे हैं। मैं उनकी निजी जिंदगी में दखल नहीं दे रही हूं और न ही किसी और चीज में। यह बस एक तारीफ थी, जिसे मैंने अपनी मासूमियत से सभी के सामने शेयर किया। ‘ तान्या ने अपनी बात को साफ करते हुए कहा कि यह घटना 2023 की है। अगर उन्हें कुछ ऐसा करना होता, तो वे पहले ही कर देती। यह 2023 में हुआ था। सबको पता था कि उस समय वह शादीशुदा थे। उन्होंने मुझे मैसेज किया था, जिसके बारे में मुझे पता नहीं था। मुझे यह देर से पता चला। लेकिन अगर मैं उस समय किसी पीआर या ऐसी ही किसी टीम के साथ जुड़ी होती, तो शायद मुझे पता चल जाता।

मेरा कोई पीआर नहीं है। इंफ्लुएंसर ने कहा कि मेरे वकील इस मामले को देख रहे हैं और उन्होंने मुझे ज्यादा कुछ कहने से मना किया है, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि उन्होंने ही मुझे मैसेज किया था। वह एक प्यारा सा मैसेज था और एक बार नहीं, दो बार किया था।

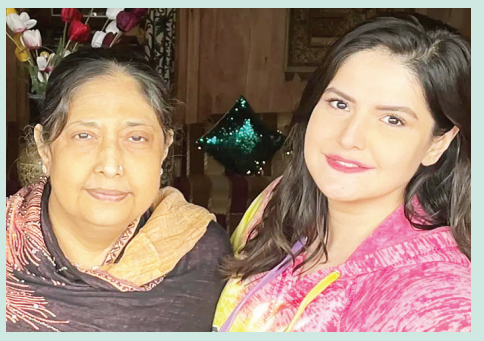

मां के लिए जरीन खान का छलका दर्द, नोट शेयर कर लिखा, ‘आपके बिना सब खाली है’

अभिनेत्री जरीन खान पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कुछ दिन पहले उनकी मां परवीन खान ने दुनिया को अलविदा कह दिया था। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपनी मां के लिए खास पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ पुरानी यादों का मोंटाज वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में जरीन और उनकी मां साथ में हंसती-खेलती नजर आ रही हैं। जरीन ने पोस्ट में लिखा, ‘निश्चय ही हम ऊपरवाले के हैं और एक दिन हमें वहीं जाना है। मां, आपको गए हुए अभी बस 10 दिन हुए हैं। मैं दुनिया के लिए कोई बड़ा कैप्शन नहीं लिखूंगी, क्योंकि आप पहले से ही जानती हैं कि मैं अभी क्या महसूस कर रही हूं। उन्होंने आगे लिखा, ‘मेरे दिल में एक दर्द और खालीपन है, जिसे कोई भी भर नहीं सकता। आप हमेशा सही रहें और ऊपर अच्छे से रहें, जब तक हम फिर से नहीं मिलते हैं। ‘ अभिनेत्री जरीन खान की मां लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। अक्टूबर 2025 में भी उनकी तबीयत खराब हुई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिनेत्री ने मां के स्वास्थ्य को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था और लगातार अपडेट दे रही थीं। इसके साथ ही, फैंस से उनकी जल्दी ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए दुआ करने की अपील कर रही थीं। जरीन खान अपनी मां के बहुत करीब थीं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनके साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती थीं। जरीन खान ने 2010 में सलमान खान के साथ फिल्म ‘वीर’ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। कटरीना कैफ से समानता के कारण चर्चा में आईं जरीन ने ‘हाउसफुल 2’, ‘हेट स्टोरी 3’ और ‘अक्सर 2’ जैसी फिल्मों में अभिनय किया। उन्हें मुख्य रूप से ग्लैमरस भूमिकाओं के लिए जाना जाता है।

अगले साल रिलीज होगी ‘लव एंड वॉर’

भंसाली की प्रेम कहानी में दिखेंगे रणबीर, आलिया और विक्की कौशल

बॉलीवुड में जब भी बड़े पैमाने की फिल्मों की बात होती है, तो संजय लीला भंसाली का नाम अपने आप सामने आ जाता है। अब एक बार फिर वह दर्शकों के लिए एक बड़ी और खास फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है ‘लव एंड वॉर’... इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। इसकी रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है। इसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। इस बीच मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर इसकी रिलीज डेट की घोषणा की।

इस तस्वीर में संजय लीला भंसाली के साथ रणबीर, विक्की और आलिया नजर आ रहे है। मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस से पहले आएगी। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ’लव एंड वॉर’ एक प्रेम कहानी है। साथ ही इसमें भावनाओं और संघर्ष से भरे सीन्स भी देखने को मिलेंगे। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें भंसाली पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं।

वहीं, रणबीर कपूर के साथ उनकी ये दूसरी फिल्म है, इससे पहले वह फिल्म ‘सांवरिया’ में उनके साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा, आलिया भट्ट के साथ वह ‘गंगूबाई काठियावाड़ी’ के बाद फिर से काम कर रहे हैं। ’लव एंड वॉर’ की रिलीज डेट को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि उसी समय कुछ और बड़ी फिल्मों के आने की संभावना है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने विवादित विधेयक पर हस्ताक्षर किए, निगरानी कार्यक्रम का 30 अप्रैल तक विस्तार ; अब संसद में होगी बहस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जिसके बाद एक विवादित निगरानी कार्यक्रम को 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। यह कम अवधि का विस्तार है। इसके बाद अब इस मुद्दे पर कांग्रेस (संसद) में बहस होने की संभावना है। यह विधेयक शुक्रवार को सीनेट में अंतिम क्षण में पारित किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निगरानी का अधिकार कुछ ही दिनों में समाप्त न हो जाए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी बताया और इसके नवीनीकरण का समर्थन किया। हालांकि, आलोचक इसे नागरिकों की आजादी के लिए खतरा मान रहे हैं। इस विवाद के केंद्र में 'धारा 702' है। यह विदेशी खुफिया निगरानी कानून का हिस्सा है। यह धारा केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी (सीआईए), राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए), संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अन्य एजेंसियों को बिना वारंट के विदेशी संचार को बड़ी मात्रा में एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में कभी-कभी अमेरिकी नागरिकों के संदेश भी शामिल हो जाते हैं, अगर वे विदेशी लक्ष्यों से संपर्क में हों।

'ट्रंप प्रशासन के लिए खतरा हैं मुनीर, ईरान से करीबी संबंध', अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए एक संभावित 'रेड फ्लैग' यानी जोखिम साबित हो सकते हैं। इसकी वजह उनके ईरान के शीर्ष सैन्य नेतृत्व से लंबे समय से संबंध बताए जा रहे हैं। फॉक्स न्यूज की हालिया रिपोर्ट और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की आकलन रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में ईरानी नेतृत्व से गहरे और लंबे समय से संबंधों के कारण मुनीर को उनके ट्रंप प्रशासन के लिए एक संभावित जोखिम बताया गया है। पाकिस्तान के सेवानिवृत्त जनरल ने फॉक्स न्यूज डिजिटल को बताया कि मुनीर के ईरान के कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से व्यक्तिगत संबंध रहे हैं, जिनमें कुद्स फोर्स के मारे गए कमांडर कासिम सुलेमानी और आईआरजीसी कमांडर होसैन सलामी शामिल हैं। ये संबंध ऐसे समय में चर्चा में हैं, जब मुनीर अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच पीछे वाले दरवाजे से मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। इस भूमिका के तहत वह दोनों देशों के बीच गोपनीय स्तर पर संवाद बनाए रखने और बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से मुनीर की प्रशंसा करते हुए उन्हें अपना 'पसंदीदा फील्ड मार्शल' बताते हैं। लेकिन, खुफिया अधिकारियों का कहना है कि उनकी दोहरी भूमिका अमेरिकी हितों के लिए नुकसानदेह हो सकती है। फॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के इतिहास को देखते हुए, खासकर अफगानिस्तान में उसकी भूमिका को लेकर उसे एक 'भरोसेमंद सहयोगी नहीं' माना जा सकता है। इसलिए, उनके ईरान के साथ नजदीकी संबंध को सुरक्षा के लिए जोखिम के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप से बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं', पोप लियो बोले- मेरा काम दुनिया में शांति को बढ़ावा देना है

कैमरून, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई तीखी आलोचनाओं पर विराम लगाते हुए पोप ने बड़े ही सौम्य लेकिन दृढ़ शब्दों में कहा कि ईरान युद्ध को लेकर ' 'राष्ट्रपति के साथ बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं है। कैमरून से अंगोला की उड़ान के दौरान पोप लियो चौदहवें ने एक बार फिर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका मिशन राजनीति नहीं, बल्कि शांति है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई तीखी आलोचनाओं पर विराम लगाते हुए पोप ने बड़े ही सौम्य लेकिन दृढ़ शब्दों में कहा कि ईरान युद्ध को लेकर ' 'राष्ट्रपति के साथ बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं है।'' पिछले कुछ दिनों से ट्रंप और वेटिकन के बीच वाकयुद्ध का जो दौर चल रहा था, उस पर पोप ने स्पष्ट किया कि शांति का उनका प्रचार किसी व्यक्ति विशेष (ट्रंप) के लिए नहीं, बल्कि ईसा मसीह के उपदेशों पर आधारित है। ट्रंप ने उन पर अपराधों को लेकर 'नरम' होने और वामपंथियों का करीबी होने का आरोप लगाया था, यहां तक कि उनके चयन का श्रेय भी खुद को दिया था। इसके जवाब में पोप ने कहा कि मेरे बयानों का उद्देश्य किसी राजनीतिक विवाद को जन्म देना नहीं था। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और अफ्रीका के आंतरिक संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि धर्म के नाम पर युद्ध का औचित्य साबित करना गलत है। 'मैं मुख्य रूप से एक पादरी के रूप में, कैथोलिक चर्च के प्रमुख के रूप में अफ्रीका आया हूं। मेरा काम दुनिया में न्याय, भाईचारा और शांति को बढ़ावा देना है।

उत्तर कोरिया ने दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें, हाई अलर्ट पर जापान; दक्षिण कोरिया भी सतर्क

प्योंगयांग , एजेंसी। एशिया में एक बार फिर तनाव की लहर तेज हो गई है। रविवार को दक्षिण कोरिया ने दावा किया कि उत्तर कोरिया ने अपनी पूर्वी समुद्री सीमा की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब क्षेत्र पहले से ही सुरक्षा चुनौतियों और शक्ति संतुलन के दबाव से जूझ रहा है। लगातार हो रहे मिसाइल परीक्षण न केवल पड़ोसी देशों के लिए चिंता का कारण बन रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अस्थिरता की आशंका को बढ़ा रहे हैं।

दक्षिण कोरियाई सेना के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार ये मिसाइलें रविवार सुबह उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय इलाके सिनपो से छोड़ी गईं। यह इलाका पहले भी मिसाइल परीक्षणों के लिए जाना जाता रहा है। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि वह इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और अपनी निगरानी व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है।

हाई अलर्ट पर जापान, देशभर में मचा हड़कंप : इतना ही नहीं रविवार सुबह जापान में उस समय हड़कंप मच गया, जब उत्तर कोरिया की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने की खबर सामने आई। स्थिति को गंभीर मानते हुए जापान सरकार तुरंत हाई अलर्ट पर आ गई और देशभर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि सुबह करीब 6

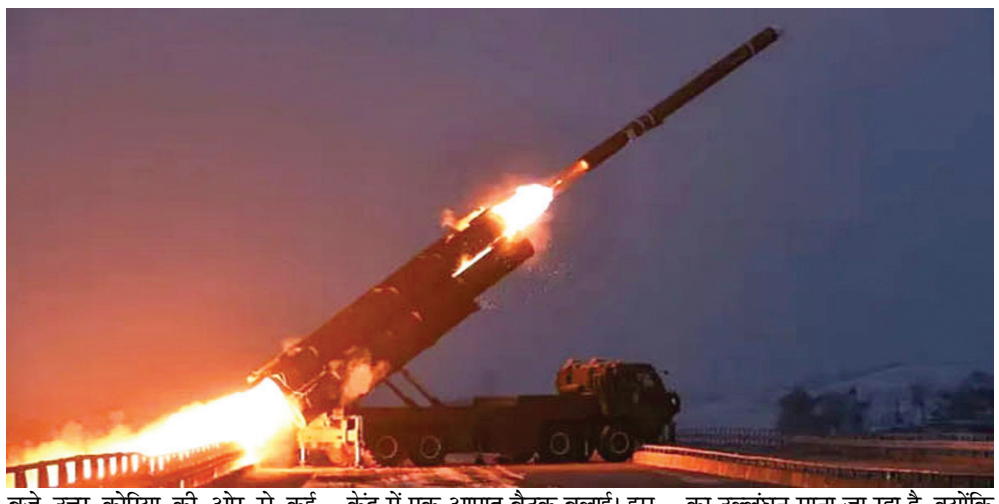

बजे उत्तर कोरिया की ओर से कई मिसाइलें छोड़ी गईं। हालांकि शुरुआती जानकारी के अनुसार ये मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर ही समुद्र में गिर गईं, जिससे किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत जारी : इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस घटना के बाद जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया मिलकर स्थिति का विश्लेषण कर रहे हैं। सभी देश मिलकर यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि इन मिसाइलों का मकसद क्या था और आगे क्या खतरा हो सकता है। घटना के तुरंत बाद जापान सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय के संकट प्रबंधन केंद्र में एक आपात बैठक बुलाई। इस बैठक में सभी संबंधित मंत्रालयों और एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि वे तेजी से जानकारी जुटाएं और हर स्थिति के लिए तैयार रहें।

दक्षिण कोरिया ने बढ़ाई निगरानी : इस बीच दक्षिण कोरिया ने भी अपनी निगरानी बढ़ा दी है और वह लगातार अमेरिका और जापान के संपर्क में है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय शहर सिनपो से दागी गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस साल यह उत्तर कोरिया का सातवां बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण है और अप्रैल महीने में ही चौथा परीक्षण है। यह कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है, क्योंकि इन नियमों के तहत उत्तर कोरिया को ऐसे परीक्षण करने की अनुमति नहीं है।

हालांकि उत्तर कोरिया इन प्रतिबंधों को नहीं मानता और उसका कहना है कि यह उसके आत्मरक्षा के अधिकार के खिलाफ है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन पहले भी कह चुके हैं कि उनका देश अपनी सुरक्षा के लिए परमाणु और मिसाइल ताकत को लगातार बढ़ाता रहेगा। इसी बीच, परमाणु मामलों की निगरानी करने वाली संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया तेजी से अपनी परमाणु क्षमता बढ़ा रहा है और उसने संभवतः यूरेनियम संवर्धन की नई सुविधा भी तैयार कर ली है।

यूक्रेन की राजधानी कीव में गोलीबारी, 6 लोगों की मौत, कई बुरी तरह घायल

कीव, एजेंसी। रूस के साथ युद्ध में उलझे यूक्रेन की राजधानी कीव में एक व्यक्ति ने सड़क पर जा रहे लोगों के ऊपर गोलीबारी कर दी है। इसके बाद उसने एक सुपरमार्केट में लोगों को बंदी बना लिया। इसकी वजह से करीब छह लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। कीव पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गोलीबारी की यह घटना दक्षिणई होलोसिव्स्की में हुई है। हमलावर को मार गिराया गया है। यूक्रेन के गृह मंत्री इगोर क्लिमेंको ने बाद में पुष्टि की कि एक सुपरमार्केट में लोगों को बंधक बना लिया गया था और हमलावर ने मारे जाने से पहले पुलिस अधिकारियों पर गोली चलाई थी। मृत और घायलों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन कीव के मेयर क्लिट्स्को ने कहा कि एक बच्चे सहित कम से कम 12 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। घटना की ज्यादा जानकारी देते हुए क्लिट्स्को ने कहा कि हमलावर ने सबसे पहले सड़क पर जा रहे लोगों के ऊपर गोलीबारी करना शुरू कर दिया। इसके बाद वह एक सुपरमार्केट में मौजूद लोगों को बंधक बना लिया। इसके बाद पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में उसकी मौत हो गई। यूक्रेन के अभियोजक रुस्लान क्रावचेंको ने हमलावर की पहचान रूस की राजधानी मॉस्को के निवासी के तौर पर की है। उन्होंने बताया कि रूसी नागरिक ने इस घटना को अंजाम देने के लिए स्वचालित हथियार का इस्तेमाल किया था। इसके पहले कुछ

मीडिया रिपोर्ट्स ने बताया कि हमलावर जिस अपार्टमेंट में रहता था, उसमें भी आग लग गई है। हालांकि, कई लोगों ने इसे विस्फोट का परिणाम बताया। घटना की पुष्टि करते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि एक हमलावर ने सुपरमार्केट में चार लोगों को बंदी बना लिया था। यूक्रेन पुलिस ने प्रयास करके इन सभी को सुरक्षित निकाल लिया है। हमलावर की मौत हो चुकी है।

कम से कम 10 लोग घायल : घटनास्थल से लाइव प्रसारण में दिखा कि जिस मॉल कॉम्प्लेक्स में सुपरमार्केट था, उसके अंदर पुलिस टीमें गोलीबारी के बीच मोर्चा संभाले थीं. गोलियों की आवाजें सुनाई दे रही थीं. जानकारी के मुताबिक, आसपास मौजूद लोगों को हालात बिगड़ते ही तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया. यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि कम से कम 10 लोग घायल हैं और सदमे की स्थिति में अस्पताल में भर्ती किए गए हैं, जहां उनका इलाज जारी है. पुलिस ऑपरेशन के दौरान 4 बंधकों को सुरक्षित बचा लिया गया. यूक्रेन की नेशनल पुलिस और सुरक्षा सेवा के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हुए हैं. जांच जारी रहने के बीच गृह मंत्रालय को निर्देश दिए गए हैं।

होर्मुज स्ट्रेट के दोबारा बंद होने से भड़का अमेरिका, ईरान के खिलाफ बनाई खास रणनीति

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट अब और भी ज्यादा बढ़ने की कगार पर है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा बंद कर दिया है। अब अमेरिका ने भी तेहरान के इस फैसले के खिलाफ ऐक्शन प्लान बना लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी तक ईरान के व्यापारिक जहाजों को केवल धमकी देने वाला अमेरिका अब होर्मुज से बाहर आने वाले और समुद्र में मौजूद जहाजों पर कब्जा करने की तैयारी में है। हालांकि, अभी तक अमेरिका की तरफ से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के होर्मुज बंद करने के फैसले से नाराज अमेरिका अब ईरान के व्यापारिक जहाजों के ऊपर चढ़कर उन्हें जब्त करने की तैयार में है। दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से जर्नल ने बताया कि आने वाले समय में अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में मौजूद ईरानी जहाजों को अमेरिका जब्त करना शुरू करेगा। इसके लिए वह होर्मुज के अलावा भी ऐक्शन लेने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन इस कदम के जरिए ईरान के ऊपर आर्थिक दबाव बढ़ाना चाहता है। ताकि ईरान होर्मुज को खोलने और परमाणु हथियार कार्यक्रम को रोकने के लिए मजबूर किया जा सके। बता दें, शुक्रवार को ईरान ने होर्मुज को खोलने का ऐलान कर दिया था, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज के बाहर लगे ब्लाकेड को ईरानी जहाजों के लिए खोलने से इनकार कर दिया। इसके बाद ईरान ने ट्रंप के ऊपर वादा-खिलाफी का आरोप लगा, शनिवार को एक बार फिर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का ऐलान कर दिया। ईरानी सेना की तरफ से एक बयान जारी करके कहा गया कि ईरान ने लेबनान में सीजफायर को मद्देनजर रखते हुए होर्मुज को खोलने का ऐलान कर दिया था, लेकिन अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों से निकलने वाले और यहां आने वाले जहाजों के लिए अपना ब्लाकेड नहीं खोला है। इसलिए अब इस्लामिक राज्य ईरान भी होर्मुज को दोबारा से बंद कर रहा है। ईरान ने इस घोषणा के बाद रेडियो के जरिए सभी जहाजों को होर्मुज के बंद होने की सूचना दे दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को होर्मुज के खुलने के ऐलान के साथ कई जहाज यहां से निकलने के लिए आगे बढ़े।

कर्ज नहीं चुका पा रहा मालदीव, मुइज्जू को आई भारत की याद: करेंसी स्वैपिंग की मांग रहे मदद

माले, एजेंसी। मालदीव में गहराते आर्थिक तनाव के बीच भारत सरकार मालदीव द्वारा करेंसी स्वैप सुविधा को विस्तार देने के अनुरोध पर विचार कर रही है। हालांकि, मौजूदा नियमों और सख्त शर्तों के कारण भारत के लिए इस अनुरोध को स्वीकार करना कूटनीतिक और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण हो गया है। मालदीव वर्तमान में भारी अंतरराष्ट्रीय कर्ज और घटते विदेशी मुद्रा भंडार के कारण गंभीर वित्तीय दबाव में है। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष ने पर्यटन और ऊर्जा लागतों को प्रभावित कर मालदीव की कमर और तोड़ दी है।

सूत्रों के मुताबिक, मालदीव ने भारत से फिर से करेंसी स्वैप सुविधा बढ़ाने की गुहार लगाई है। लेकिन भारतीय नियमों के अनुसार, दो बार निकासी के बीच एक कूलिंग-ऑफ (निश्चित

समय का अंतर) का होना अनिवार्य है। साथ ही रोल-ओवर (कर्ज की अवधि बढ़ाना) की भी एक तय सीमा होती है। इन तकनीकी कारणों से भारत के लिए दोबारा मदद देना आसान नहीं है। यदि भारत इस बार विस्तार नहीं दे पाता है, तो मालदीव की वित्तीय स्थिति अल्पावधि में और अधिक बिगड़ सकती है।

भारत का अब तक का सहयोग : भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मालदीव की समस्याओं को दूर करने के लिए कई असाधारण कदम उठाए हैं। अक्टूबर 2024 में भारत ने 400 मिलियन डॉलर की करेंसी स्वैप सुविधा प्रदान की थी, जिसे सख्त नियमों के बावजूद दो बार रोल-ओवर किया गया। मई और सितंबर 2025 में भारत ने 50-50 मिलियन डॉलर के दो ब्याज मुक्त ट्रेजरी बिलों की अवधि एक साल के लिए बढ़ा दी। जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा के दौरान बुनियादी ढांचे के लिए 565 मिलियन डॉलर की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' और ऋण चुकाने की शर्तों में ढील देने की घोषणा की गई थी। नाजुक दौर में मालदीव की अर्थव्यवस्था रेटिंग एजेंसियों के अनुसार, मालदीव की स्थिति बेहद चिंताजनक है। फिच रेटिंग्स ने मालदीव की सॉवरेन रेटिंग को 'सीसी' पर रखा है, जो कर्ज चूक की उच्च संभावना को दर्शाता है। मूडिज ने भी अपनी 'सीएए2' रेटिंग बरकरार रखी है। अप्रैल 2026 में मालदीव को लगभग 1 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना था, जिसमें 500 मिलियन डॉलर का सुकुक बॉन्ड और भारत के साथ 400 मिलियन डॉलर का करेंसी स्वैप शामिल है। 1 अप्रैल, 2026 को मालदीव सरकार ने अपने सॉवरेन डेवलपमेंट फंड से सुकुक बॉन्ड का भुगतान तो कर दिया, लेकिन इससे उसका विदेशी मुद्रा भंडार काफी कम हो गया है। मालदीव की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन पर टिकी है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई है और ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं। इन विपरीत परिस्थितियों में मालदीव के लिए नए अंतरराष्ट्रीय ऋण जुटाना भी मुश्किल होता जा रहा है।

हिजबुल्ला की चेतावनी : इजरायली उल्लंघन का मिलेगा करारा जवाब

बेरुत, एजेंसी। हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम ने कहा कि इजरायल के साथ संघर्ष-विराम का मतलब पूरी तरह से हमले बंद होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इजरायल दक्षिणी लेबनान में किसी तरह का उल्लंघन करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। कासिम ने अपने बयान में कहा कि एकतरफा संघर्षविराम नहीं हो सकता। उन्होंने साफ किया कि अगर आक्रामक कार्रवाई जारी रहती है, तो हिजबुल्लाह के लड़ाके उसी हिसाब से जवाब देंगे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पांच अहम शर्तें भी रखीं। इनमें पूरे लेबनान में स्थायी रूप से लड़ाई बंद करना, इजरायली सेना की पूरी वापसी, बंदियों की रिहाई, विस्थापित लोगों को वापस बसाना और अरब तथा अंतरराष्ट्रीय मदद से

पुनर्निर्माण शामिल है। कासिम ने यह भी कहा कि हिजबुल्लाह हार नहीं मानने वाला है और वह लेबनान की आजादी और संप्रभुता के लिए आगे भी प्रयास करता रहेगा। कासिम ने यह भी कहा कि हिजबुल्लाह लेबनानी सरकार के साथ सहयोग का 'एक नया अध्याय' शुरू करने के लिए तैयार है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और संप्रभुता की रक्षा के लिए सरकारी संस्थानों के साथ काम करने पर जोर दिया। इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिन का संघर्ष विराम गुरुवार और शुक्रवार की आधी रात से लागू हुआ। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी घोषणा की थी। लेकिन इजरायली सेना ने शनिवार को बताया कि उसने 'येलो लाइन' के पास पहुंच रहे लड़ाकों पर हमला किया। यह इलाका दक्षिणी लेबनान में इजरायल द्वारा बनाए गए सुरक्षा क्षेत्र की उत्तरी सीमा माना जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों और एक लेबनानी सुरक्षा सूत्र के अनुसार, इजरायली सेना ने शनिवार को दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती क्षेत्र के पूर्वी हिस्से में, कफरचौबा गांव के पास एक नया सैन्य ठिकाना बनाना भी शुरू कर दिया।

सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, इजरायली सेना के बुलडोजर और खुदाई मशीनें, एक टैंक की सुरक्षा में, वहां जमीन समतल करने का काम कर रही थी। इन गतिविधियों में जमीन को समतल करना, खुदाई करना और मिट्टी के टीले बनाना शामिल था; ये सभी संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि वहां एक नया सैन्य ठिकाना स्थापित किया जा रहा है, जो प्रशासनिक रूप से कफरचौबा से जुड़ा होगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह जगह 'रबा अल-तेबेन' पहाड़ी है, जो लेबनान-इजरायल सीमा से करीब 1.5 किलोमीटर दूर है और जहां जैतून के पेड़ और अंगूर के बाग हैं।

'ईरान वेनेजुएला नहीं है' : गालिबाफ का बड़ा दावा- दुश्मन की हर योजना नाकाम

तेहरान, एजेंसी। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों की लगभग सभी सैन्य योजनाएं पूरी तरह विफल हो गईं। उनका कहना है कि दुश्मन ईरान की एयरफोर्स और मिसाइल ताकत को कमजोर नहीं कर सका, न ही नौसेना को खत्म कर पाया और न ही जमीनी हमला सफल रहा। उन्होंने खास तौर पर यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने या उस पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल करने की कोशिश भी नाकाम रही।

बिचौलियों के जरिए संदेश भेज रहे हैं ट्रंप' : गालिबाफ ने कहा कि दुश्मन ने पहले चेतावनियां और समयसीमा देकर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब उसमें भी सफलता नहीं मिली तो अब वह 'बिचौलियों के जरिए संदेश भेजने' लगा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने युद्ध के मैदान में बढ़त बनाई, जिसके कारण अस्थायी युद्धविराम हुआ। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि ट्रंप अपने लक्ष्य, ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसकी सैन्य क्षमता खत्म करने, में पूरी तरह असफल रहे। गालिबाफ ने यह भी कहा कि 'ईरान वेनेजुएला नहीं है', यानी यहां बाहरी दबाव से सरकार नहीं बदली जा सकती।

'ईरान ने अलग रणनीति अपनाकर मजबूत दुश्मन को पीछे धकेला' : ईरानी संसद के अध्यक्ष ने माना कि सैन्य ताकत के मामले में अमेरिका ईरान से ज्यादा मजबूत है, लेकिन उन्होंने

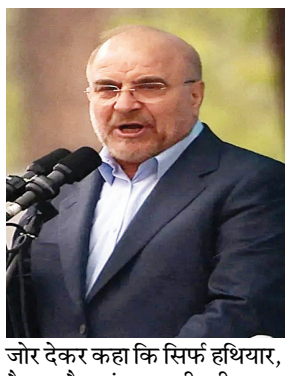

जोर देकर कहा कि सिर्फ हथियार, पैसा और संसाधन ही जीत तय नहीं करते। उनके मुताबिक, ईरान ने 'असिमेट्रिक वॉरफेयर' यानी अलग रणनीति अपनाकर मजबूत दुश्मन को पीछे धकेल दिया। इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को लेकर उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दों पर समझ बनी है, लेकिन अभी भी कई बड़े मतभेद बाकी हैं। उन्होंने साफ किया कि ईरान अपने राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेगा और कूटनीति में भी झुकने का सवाल नहीं उठता।

'अमेरिका फर्स्ट' दिखावा, इस्त्राइल को प्राथमिकता देने का आरोप : मोहम्मद गालिबाफ ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका 'अमेरिका फर्स्ट' की बात करता है, लेकिन असल में वह इस्त्राइल के हितों को प्राथमिकता देता है और उसी के आधार पर फैसले लेता है। हालांकि जमीनी स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। हाल के घटनाक्रम में होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बार-बार स्थिति बदल रही है, कभी इसे खोलने की घोषणा होती है, तो कभी फिर से बंद करने की बात सामने आती है।

अमेरिकी प्रतिबंध के बाद क्यूबा में ईंधन संकट गहराया, स्पेन समेत कई देशों ने जताई चिंता

मैड्रिड। मैड्रिड, एजेंसी। जनवरी के आखिर में वॉशिंगटन द्वारा तेल की सप्लाई रोकने के बाद क्यूबा की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल रहा है ईंधन के अभाव में इन तीन महीनों में वहां मानवीय स्थिति एक गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। इस बीच ब्राजील, मैक्सिको और स्पेन की सरकारों ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है और स्थिति को आसान बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। स्पेन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को तीनों सरकारों ने संबंधित पक्षों से यह भी अपील की कि वे ऐसे किसी भी कदम से बचें, जिससे लोगों के जीवन की स्थितियां और खराब हों या जिससे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो। इसके साथ ही उन्होंने क्यूबा के लोगों की तकलीफों को कम करने के लिए एक समन्वित तरीके से अपनी मानवीय सहायता को बढ़ाने का भी संकल्प लिया। अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया। उन्होंने मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत का मकसद मौजूदा हालात का कोई पक्का हल निकालना होना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्यूबा के लोग पूरी आजादी के साथ अपना भविष्य खुद तय करें। देश में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा, 'सीमित मात्रा में ईंधन की सप्लाई पहुंचने की खबरों के बावजूद रूस से भेजी गई तेल की एक

हालिया खेप को पिछले हफ्ते अमेरिका की नाकेबंदी के बावजूद बंदरगाह पर उतरने की इजाजत दी गई थी। देश में मानवीय जरूरतें अभी लगातार बनी हुई हैं। मार्च के आखिर से ऊर्जा संकट का असर और भी ज्यादा बिगड़ गया है। 'बता दें कि क्यूबा की ऊर्जा जरूरतें जनवरी में अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपे जाने तक बड़े पैमाने पर वेनेजुएला द्वारा पूरी की जाती थीं।

ब्राजील-स्पेन और मैक्सिको ने क्या कहा : अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत का मकसद मौजूदा हालात का कोई पक्का हल निकालना होना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्यूबा के लोग पूरी आजादी के साथ अपना भविष्य खुद तय करें। इसके साथ ही देश में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा कि सीमित मात्रा में ईंधन की सप्लाई पहुंचने की खबरों के बावजूद रूस से भेजी गई तेल की एक हालिया खेप को पिछले हफ्ते अमेरिका की नाकेबंदी के बावजूद बंदरगाह पर उतरने की इजाजत दी गई थी। देश में मानवीय जरूरतें अभी लगातार बनी हुई हैं। मार्च के आखिर से ऊर्जा संकट का असर और भी ज्यादा बिगड़ गया है। बता दें कि क्यूबा की ऊर्जा जरूरतें जनवरी में अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपे जाने तक बड़े पैमाने पर वेनेजुएला द्वारा पूरी की जाती थीं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.